

# समग्र शिक्षा से ही व्यक्ति के सम्पूर्ण विकास की कल्पना को मूर्त रूप दिया जा सकता है: दूबे



## ■ संजीवनी टुडे

गांधीनगर। उच्च शिक्षण संस्थानों में देश की समृद्ध प्रतिभा एवं संसाधनों का उपयोग कर व्यक्ति, समाज, राष्ट्र के निर्माण के लिए कार्य किया जा रहा है। भारत दुनिया का सबसे युवा जनसंख्या वाला देश है। देश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक अवसर उपलब्ध करवाने से ही आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। इस कल्पना को मूर्त रूप देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने एक मजबूत आधार प्रस्तुत किया है। समावेशी और गुणवत्ता युक्त शिक्षा सुनिश्चित करने और जीवन-पर्यंत शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने कुशल मार्ग प्रशस्त करने का काम किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तीन वर्ष पूरे हो गए हैं, ऐसे में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने एनईपी के कई मुख्य बिंदुओं को लागू करने में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने बुधवार को प्रेस वार्ता में बताया कि समग्र शिक्षा से ही व्यक्ति के पूर्ण विकास की कल्पना को मूर्त रूप दिया जा सकता है। समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वरदान साबित हो रही है। विश्वविद्यालय में पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कई बिंदुओं को लागू किया जा चुका है। समग्र शिक्षा का समावेश: विद्यार्थी को शिक्षा संस्थानों में महज अकादमिक ज्ञान ही नहीं अपितु उनके शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक ज्ञान में अभिवृद्धि करने के लिए समग्र शिक्षा का ज्ञान मिलना परम आवश्यक है। कुलपति ने बताया कि ऑनलाइन कोर्सेज का चयन कर पसंद के विषयों की पढ़ाई भी छात्र कर रहे हैं।

# ગાંધીનગર સમાચાર

Gandhinagar વર્ષ : (૩૮) અંક નં. ૧૩૮

૨૭ જુલાઈ, ૨૦૨૩, ગુરુવાર; અધિક શ્રાવણ સુદ - ૯

પાનાં - ૯ કિંમત રૂ. ૩.૦૦

## રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણનો માર્ગ મોકળો કરી રહી છે : પ્રો. રમાશંકર દુબે

### CUG માં રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિનો સંપૂર્ણ અમલ કરવામાં આવી રહ્યો છે

ગાંધીનગર, તા. ૨૬

ઉચ્ચ શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં દેશની સમૃદ્ધ પ્રતિભા અને સંશોધનોનો ઉપયોગ કરીને વ્યક્તિ, સમાજ અને રાષ્ટ્રના વિકાસ માટે કાર્ય કરવામાં આવે છે. ભારત વિશ્વમાં સૌથી યુવા વસ્તી ધરાવતો દેશ છે. દેશના યુવાનોને ગુણવત્તાયુક્ત શૈક્ષણિક તકો પૂરી પાડીને જ આત્મનિર્ભર ભારતની કલ્પના સાકાર થઈ શકે છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ૨૦૨૦ એ આ વિઝનને સાકાર કરવા માટે મજબૂત પાયો નાખ્યો છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિએ સર્વસમાવેશક અને ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણને સુનિશ્ચિત કરવા અને જીવનભર શીખવાની તકોને પ્રોત્સાહન આપવા માટે કાર્યક્રમ માર્ગ મોકળો કરવા માટે કામ કર્યું છે. નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસીને ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થયા હોવાથી, ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ NEPના ઘણા મુખ્ય મુદ્દાઓને અમલમાં

લાવવામાં સફળતા હાંસલ કરી છે. યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબેએ બુધવારે એક પત્રકાર પરિષદમાં જણાવ્યું હતું કે વ્યક્તિના સંપૂર્ણ વિકાસની કલ્પનાને સર્વગ્રાહી શિક્ષણ દ્વારા જ સાકાર કરી શકાય છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ



નીતિ ૨૦૨૦ સમગ્ર વ્યક્તિત્વ વિકાસ માટે વરદાન સાબિત થઈ રહી છે. છેલ્લા ત્રણ વર્ષમાં રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિના ઘણા મુદ્દાઓ યુનિવર્સિટીમાં લાગુ કરવામાં આવ્યા છે, જેમાં નીચેના મુદ્દાઓનો સમાવેશ થાય છે. સર્વગ્રાહી શિક્ષણનો સમાવેશ : વિદ્યાર્થીને

શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં સર્વગ્રાહી શિક્ષણનું જ્ઞાન માત્ર શૈક્ષણિક જ્ઞાન માટે જ નહીં પરંતુ તેમના શારીરિક, માનસિક, ભાવનાત્મક, નૈતિક અને સામાજિક જ્ઞાનમાં વધારો કરવા માટે અત્યંત જરૂરી છે. ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ સ્નાતક અને અનુસ્નાતક સ્તરે દરેક સેમેસ્ટર માટે બે ક્રેડિટ કોર્સ લાગુ કર્યા છે. આની મદદથી વિદ્યાર્થીઓને માત્ર અભ્યાસક્રમનું જ નહીં પરંતુ સમગ્ર શિક્ષણનું પણ સંપૂર્ણ જ્ઞાન મળી રહ્યું છે. સંશોધન અને વિકાસ સેલ : ઉચ્ચ શિક્ષણમાં સંશોધન અને નવીનતાને પ્રોત્સાહન આપવા માટે, યુનિવર્સિટીમાં સંશોધન અને વિકાસ સેલની સ્થાપના કરવામાં આવી છે. સામાજિક દૃષ્ટિકોણથી સંબંધિત સંશોધનને નવા પરિમાણો આપવા માટે, કોષ સંશોધકો અને વિદ્યાર્થીઓને મૂલ્યવાન સંશોધન માહિતી પ્રદાન કરે છે. ઉચ્ચ અભ્યાસમાં વિદ્યાર્થીઓની સંશોધન સમસ્યાઓ પણ સેલ દ્વારા ઉકેલવામાં આવે છે.





## CUG to shift to new campus

### Central University of Gujarat to function from Vadodara campus

Ahmedabad Mirror Bureau  
feedback@ahmedabadmirror.com

TWEETS @ahmedabadmirror

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

**T**he Central University of Gujarat (CUG) is set to commence its operations from a new campus in Vadodara from the next academic year. The expansive campus, spanning over 100 acres, will be equipped with modern facilities, accommodating an increased student capacity from the current 1,400 to 2,500. The university's core emphasis lies on the Indian knowledge system and values along with study of modern disciplines. Notably, the introduction of a postgraduate course in Hindu studies last year received an overwhelming response.

Prof Rama Shanker Dubey, the Vice-Chancellor of CUG, expressed the university's commitment to providing holistic education. Apart from the regular curriculum, students will receive instruction in essential life skills, yogic practices, and environmental applications. The university has implemented a two-credit course for both undergraduate and postgraduate students in each semester. Additionally, CUG has introduced multidisciplinary programs as part of minor electives, offering students 16 different subject options in short elective courses. The VC noted that students are keenly enrolling in these programs based on their interests.



# राजस्थान पत्रिका

पत्रिका

patrika.com

/rajasthanpatrika

/rpbreakingnews

/rajasthan\_patrika

वर्ष : 21 | अंक : 343 | पृष्ठ 16 | ₹5.00 | अहमदाबाद | गुरुवार, 27 जुलाई, 2023 | श्रावण (अधिक) शुक्ल पक्ष नवमी, संवत् 2080

Ahmedabad, 27/07/2023, Page 02

## गुजरात केन्द्रीय विवि ने भी लागू की राष्ट्रीय शिक्षा नीति : डॉ. दूबे

विश्वविद्यालय में शोध एवं विकास प्रकोष्ठ की स्थापना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

गांधीनगर, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के कुलपति प्रो. डॉ. रमाशंकर दूबे ने कहा कि सीयूजी ने भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया है। उच्च शिक्षा में शोध और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में शोध एवं विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की जा चुकी है।

बुधवार को संवाददाता सम्मेलन



गांधीनगर स्थित गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रमाशंकर दूबे मीडिया को संबोधित करते हुए।

में उन्होंने कहा कि विद्यार्थी को शिक्षा संस्थानों में महज अकादमिक ज्ञान ही नहीं बल्कि उनके शारीरिक,

मानसिक, भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक ज्ञान में अभिवृद्धि करने के लिए शिक्षा का ज्ञान मिलना

### लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम का प्रारंभ

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने बहुत विषयक प्रोग्राम भी शुरू किए हैं। इसमें छोटे वैकल्पिक कोर्स में 16 बहु विषयक कार्यक्रम शुरू हुए हैं। प्रत्येक कार्यक्रम को 2 क्रेडिट का भार दिया गया है। ऑनलाइन लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में खुद का लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम शुरू हो चुका है। साथ ही क्रेडिट स्थानांतरण के तहत छात्र स्वस्थयंघ पोर्टल पर अपना

पंजीकरण करवा चुके हैं। ऑनलाइन कोर्सेज का चयन कर पसंद के विषयों की पढ़ाई भी छात्र कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को मार्कशीट और दूसरे दस्तावेजों या प्रमाण पत्रों का उपयोग करने के लिए क्लाउड में खाता बनाकर उन्हें सुरक्षित रखने का डिजिटल अकाउंट दिया गया था। विश्वविद्यालय के सभी छात्रों ने अपना खाता उस पर खोल लिया है।

आवश्यक हैं। विश्वविद्यालय की ओर से स्नातक और स्नातकोत्तर

स्तर पर दो क्रेडिट का कोर्स हर सेमेस्टर के लिए लागू कर दिया है।





www.samacharjagat.com



# समाचार जगत

गुठवार

विश्वास आपका, साथ हमारा...

pro@cug.ac.in

जनसंपर्क अधिकारी

Public Relations Officer

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

जयपुर, 27 जुलाई 2023, श्रावण शुक्ल पक्ष नवमी संवत् 2080

## सीयूजी में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति संपूर्णता से लागू

समाचार जगत ब्यूरो

गांधीनगर. उच्च शिक्षण संस्थानों में देश की समृद्ध प्रतिभा एवं संसाधनों का उपयोग कर व्यक्ति, समाज, राष्ट्र के निर्माण के लिए कार्य किया जा रहा है। भारत दुनिया का सबसे युवा जनसंख्या वाला देश है।

देश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक अवसर उपलब्ध करवाने से ही आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। इस कल्पना को मूर्त रूप देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति

2020 ने एक मजबूत आधार प्रस्तुत किया है। समावेशी और गुणवत्ता युक्त शिक्षा सुनिश्चित करने और जीवन-पर्यंत शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने कुशल मार्ग प्रशस्त करने का काम किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तीन वर्ष पूरे हो गए हैं, ऐसे में गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने एनईपी के कई मुख्य बिंदुओं को लागू करने में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने बुधवार को प्रेस वाता में बताया कि समग्र शिक्षा



से ही व्यक्ति के पूर्ण विकास की कल्पना को मूर्त रूप दिया जा सकता है। समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वरदान साबित हो रही है। विश्वविद्यालय में पिछले

तीन वर्षों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कई बिंदुओं को लागू किया जा चुका है, इसमें निम्न बिंदु शामिल हैं।

समग्र शिक्षा का समावेश: विद्यार्थी को शिक्षा संस्थानों

में महज अकादमिक ज्ञान ही नहीं अपितु उनके शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक ज्ञान में अभिवृद्धि करने के लिए समग्र शिक्षा का ज्ञान मिलना परम आवश्यक है। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर दो क्रेडिट का कोर्स हर सेमेस्टर के लिए लागू कर दिया है। इसके सहायता से विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम का ही नहीं अपितु समग्र शिक्षा का सम्पूर्ण ज्ञान भी मिल रहा है।

दो क्रेडिट के 16 बहु

विषयक प्रोग्राम : विश्वविद्यालय द्वारा बहु विषयक प्रोग्राम भी शुरू किये गए हैं। इसमें छोटे वैकल्पिक कोर्सेज में 16 बहु विषयक कार्यक्रम शुरू हुए हैं। कुलपति महोदय ने बताया कि प्रत्येक कार्यक्रम को 2 क्रेडिट का भार दिया गया है।

विश्वविद्यालय का लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम : कक्षा-कक्ष के अध्ययन के साथ ही अब ऑनलाइन लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में खुद का लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) शुरू हो चुका है।

इसके साथ ही क्रेडिट स्थानांतरण के तहत छात्र 'स्वयं' पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा चुके हैं।

डिजीलाइजेशन की सुविधा : छात्रों को शैक्षणिक मार्कशीट और दूसरे प्रामाणिक दस्तावेजों या प्रमाण पत्रों का उपयोग करने के लिए क्लाउड में खाता बनाकर उन्हें सुरक्षित रखने का डिजिटल अकाउंट दिया गया था। विश्वविद्यालय के सभी छात्रों ने अपना खाता उस पर खोल लिया है। प्रत्येक खाते में प्रतियां अपलोड करने के लिए एक 'जीवी' तक का भंडारण प्रदान किया जाता है।

NAVBHARAT DAILY GANDHINAGAR

Editor: Mukesh Bahadur Patel • year: 10 • issue: 116 • Date: 27-07-2021 • Thursday • Page: 4 • Price: ₹ 75 • Annual Subscription: Rs. 275/- • Mobile: 9552926677

રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણ અને સર્વાંગી વિકાસનો માર્ગ મોકળો કરી રહી છે: પ્રો. રમાશંકર દુબે

- CUGમાં રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિનો સંપૂર્ણ અમલ કરવામાં આવી રહ્યો છે

નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસીના ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થવા પર સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે પત્રકાર પરિષદનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું.



ગાંધીનગર. ઉચ્ચ શિક્ષિક સંસ્થાઓમાં દેશની સમૃદ્ધ પ્રતિભા અને સંસાધનોનો ઉપયોગ કરીને વ્યક્તિ, સમાજ અને રાષ્ટ્રના વિકાસ માટે કાર્ય કરવામાં આવે છે. ભારત વિશ્વમાં સૌથી યુવા વસ્તી ધરાવતો દેશ છે. દેશના યુવાનોને ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષિક તકો પૂરી પાડીને જ આત્મનિર્ભર ભારતની કલ્પના સાકાર થઈ શકે છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ૨૦૨૦એ આ વિઝનને સાકાર કરવા માટે મજબૂત પાયો નાખ્યો છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિએ સર્વસમાવેશક અને ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણને સુનિશ્ચિત કરવા અને જીવનભર શીખવાની તકોને પ્રોત્સાહન આપવા માટે કાર્યશ્રમ માર્ગ મોકળો કરવા માટે કામ કર્યું છે. નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસીને ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થયા હોવાથી, ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ દ્રષ્ટીના ધણા મુખ્ય મુદ્દાઓને અમલમાં લાવવામાં સફળતા હાંસલ કરી છે. યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબેએ બુધવારે એક પત્રકાર પરિષદમાં જણાવ્યું હતું કે વ્યક્તિના સંપૂર્ણ વિકાસની કલ્પનાને સર્વગ્રાંથી શિક્ષણ દ્વારા જ સાકાર કરી શકાય છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ૨૦૨૦ સમગ્ર વ્યક્તિત્વ વિકાસ માટે વરદાન સાબિત થઈ રહી છે. છેલ્લા ત્રણ વર્ષમાં રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિના ધણા મુદ્દાઓ યુનિવર્સિટીમાં લાગુ

કરવામાં આવ્યા છે, જેમાં નીચેના મુદ્દાઓનો સમાવેશ પાવ છે. સર્વગ્રાહી શિક્ષણનો સમાવેશ: વિદ્યાર્થીને શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં સર્વગ્રાહી શિક્ષણનું જ્ઞાન માત્ર શૈક્ષણિક જ્ઞાન માટે જ નહીં પરંતુ તેમના શારીરિક, માનસિક, બ્યવનાત્મક, નૈતિક અને સામાજિક જ્ઞાનમાં વધારો કરવા માટે અત્યંત જરૂરી છે. મુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ સ્નાતક અને અનુસ્નાતક સ્તરે દરેક સેમેસ્ટર માટે બે ક્રેડિટ કોર્સ લાગુ કર્યા છે. આની મદદથી વિદ્યાર્થીઓને માત્ર અભ્યાસક્રમનું જ નહીં પરંતુ સમગ્ર શિક્ષણનું પક્ષ સંપૂર્ણ જ્ઞાન મળી રહેલું છે. બે ક્રેડિટના ૧૬ મલ્ટિડિસિપ્લિનરી અભ્યાસક્રમ : યુનિવર્સિટી દ્વારા મલ્ટિડિસિપ્લિનરી પ્રોગ્રામ્સ પક્ષ શરૂ કરવામાં આવ્યા છે. જેમાં નાના વૈકલ્પિક અભ્યાસક્રમોમાં ૧૬ મલ્ટિડિસિપ્લિનરી પ્રોગ્રામ શરૂ કરવામાં આવ્યા છે. વાઈસ ચાન્સેલરે માહિતી આપી હતી કે દરેક કાર્યક્રમને ૨ ક્રેડિટનું વેઈટજ આપવામાં આવ્યું છે. યુનિવર્સિટીના વિદ્યાર્થીઓ તેમની રુચિ મુજબ આ મલ્ટિડિસિપ્લિનરી પ્રોગ્રામ્સમાં પ્રવેશ લઈ રહ્યા છે. યુનિવર્સિટીની લર્નિંગ મેનેજમેન્ટ સિસ્ટમ: કલાસ-રૂમ અભ્યાસની સાથે ઓનલાઈન શિક્ષણને પ્રોત્સાહન આપવા માટે, યુનિવર્સિટીએ તેની પોતાની લર્નિંગ

તેમજન્ટ સિસ્ટમ (LMS) શરૂ કરી છે. આ સાથે વિદ્યાર્થીઓએ કંડિટ ટ્રાન્સફર હેઠળ સ્વયમ પોર્ટલ પર પોતાનું રજીસ્ટ્રેશન કરાવ્યું છે. કુલપતિ શ્રી એ જણાવ્યું કે, ઓનલાઈન કોર્સ પસંદ કરીને વિદ્યાર્થીઓ પણ પોતાની પસંદગીના વિષયોનો અભ્યાસ કરી રહ્યા છે. DigiLocker સુવિધા: વિદ્યાર્થીઓને ક્લાઉડમાં એકાઉન્ટ બનાવીને અને તેમને સુરક્ષિત રાખીને શૈક્ષણિક માર્કશીટ અને અન્ય અધિકૃત દસ્તાવેજો અથવા પ્રમાણપત્રો એક્સેસ કરવા માટે ડિજિટલ એકાઉન્ટ આપવામાં આવ્યું હતું. તેના પર યુનિવર્સિટીના તમામ વિદ્યાર્થીઓએ પોતાનું ખાતું ખોલાવ્યું છે. દરેક એકાઉન્ટ નકલો અપલોડ કરવા માટે એક બ સુધીનો સ્ટોરેજ પ્રદાન કરે છે. મલ્ટિડિસિપ્લિનરી સર્ટીફિકેટ અને ડિપ્લોમા કોર્સ: ડિગ્રી કોર્સના કૉમેટ મુજબ યુનિવર્સિટીમાં મલ્ટિડિસિપ્લિનરી સર્ટીફિકેટ અને ડિપ્લોમા કોર્સ પણ શરૂ કરવામાં આવ્યા છે. વિદ્યાર્થીઓ ખુસીથી તેમની પસંદગી કરી રહ્યા છે અને ડિગ્રી કોર્સ સાથે અભ્યાસ કરી રહ્યા છે. સંશોધન અને વિકાસ સેલ: ઉચ્ચ શિક્ષણમાં સંશોધન અને નવીનતાને પ્રોત્સાહન આપવા માટે, યુનિવર્સિટીમાં સંશોધન અને વિકાસ સેલની સ્થાપના કરવામાં આવી છે. સામાજિક દૃષ્ટિકોણથી સંબંધિત સંશોધનને નવા પરિમાણો આપવા માટે, કૉપ સંશોધકો અને વિદ્યાર્થીઓને મૂલ્યવાન સંશોધન માહિતી પ્રદાન કરે છે. ઉચ્ચ અભ્યાસમાં વિદ્યાર્થીઓની સંશોધન સમસ્યાઓ પણ સેલ દ્વારા ઉકેલવામાં આવે છે. પ્રાદેશિક ભાષાઓમાં અધ્યયન-અધ્યાપન: અધ્યયનના સ્તરને સરળ બનાવવા તેમજ ઓછા સમયમાં વધુ ગુણવત્તાયુક્ત માહિતીથી સમૃદ્ધ થવા માટે પ્રાદેશિક ભાષાઓમાં અભ્યાસ અને અધ્યાપનની પરંપરા વિકસાવવામાં આવી છે. હવે અન્ય ભાષાઓમાં અભ્યાસ કરતા વિદ્યાર્થીઓ પણ અન્ય ભાષાઓ સીખીને તેમના જ્ઞાન અને કૌશલ્યમાં વધારો કરી રહ્યા છે. સિદ્ધ અભ્યાસમાં અનુસ્તાનક: સર્વગ્રાહી શિક્ષણને નક્કર આકાર આપવા માટે, વર્ષ ૨૦૨૨માં, યુનિવર્સિટીએ સેન્ટર ફોર સિદ્ધ સ્ટડીઝ દ્વારા અનુસ્તાનક ડિગ્રી અભ્યાસક્રમ પણ શરૂ કર્યો છે





# The Indian EXPRESS

## JOURNALISM OF COURAGE

### NEP 2020 being implemented in its entirety at CUG, says VC

**EXPRESS NEWS SERVICE**  
AHMEDABAD, JULY 26

THE NATIONAL Education Policy is working towards utilising the country's rich talent and resources in higher education institutions to contribute to the development of individuals, society and the nation, said Prof Rama Shanker Dubey, Vice-Chancellor of Central University of Gujarat in Gandhinagar Wednesday. He added that comprehensive education is the key to holistic development of individuals.

"India has the world's largest young population, and providing quality educational opportunities to its youth is essential for realising the vision of a self-reliant India. The National Education Policy 2020 has provided a strong foundation for

transforming this vision into reality. It aims to ensure inclusive and quality education and promote lifelong learning opportunities, thus empowering individuals with the necessary skills. Central University of Gujarat has successfully implemented many key aspects of NEP 2020," he said on the completion of three years of NEP 2020.

He informed that in the past three years, the university has implemented many key points of the policy. "In 2022, the university started a post-graduation degree course in Hindu Studies. According to the policy, support for Indian languages is essential, and their development in the field of education needs to be encouraged. In line with this, the Central University of Gujarat has started teaching and learning in regional languages," he said.

For inclusion of comprehensive education, the university has introduced a two-credit course for undergraduate and postgraduate students in each semester. Also, 16 multidisciplinary two-credit programmes have been introduced as part of minor electives. Besides classroom-based learning, the institute has also implemented its own Learning Management System (LMS) to promote online learning. Under credit transfer, students have already registered on the 'Swayam' portal.

Students have been provided with a digital account in the cloud to securely store their academic mark sheets and other valid documents or certificates. All students of the university have opened their accounts and are using it to upload their documents, with storage capacity up to one GB for each account.



## SOP જાહેર થતાં યુનિવર્સિટીઓ હવે અભ્યાસક્રમ-પરીક્ષા માળખું ઘડશે નવી શિક્ષણનીતિના અમલીકરણ અંગે યુનિ.ઓ માટે સરકારે SOP જાહેર કરી

જૂની મૂલ્યાંકન પદ્ધતિ અને પ્રમાણપત્રનું ફોર્મેટ બદલાશે, મેડિંગ સિસ્ટમ આવશે

। અમેિવાિ ।

નવી શિક્ષણનીતિના ભાગરૂપે ઉચ્ચ શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં ચાલુ શૈક્ષણિક વર્ષથી કોમન કરિક્યુલમ એન્ડ ક્રેડિટ ફેમવર્ક હેઠળ ક્રેડિટ માળખું અમલીકરણ કરવા અંગે ઠરાવ જાહેર કરવામાં આવ્યો હતો. જોકે હવે યુનિવર્સિટીએ આ માળખાનો કેવી રીતે અમલ કરવો તે અંગે સરકાર દ્વારા SOP જાહેર કરવામાં આવી છે. SOP જાહેર થતાં યુનિવર્સિટીઓ હવે નવું અભ્યાસક્રમ અને પરીક્ષા માળખું ઘડશે. જૂની મૂલ્યાંકન પદ્ધતિમાં ફેરફાર થશે. મેડિંગ સિસ્ટમ તેમજ મિડ-ટર્મના મૂલ્યાંકનમાં ૫૦ ગુણ તેમજ સેમેસ્ટર એન્ડની પરીક્ષાઓ ૫૦ ગુણ અમે કુલ ૧૦૦ ગુણમાથી મૂલ્યાંકન થશે. આ સિવાય પ્રમાણપત્રનું પણ ફોર્મેટ નક્કી કરાશે.

રાજ્ય સરકાર દ્વારા તાજેતરમાં યુનિવર્સિટીઓમાં ક્રેડિટ ફેમવર્ક લાગુ કરવા અંગેનો ઠરાવ પ્રસિદ્ધ કર્યો હતો. જોકે હવે ૨૨ ક્રેડિટ પ્રમાણે નવેસરથી કોર્સ ડિઝાઇન કરવાની જાહેરાત કર્યા બાદ સ્ટાન્ડર્ડ ઓપરેટિંગ પ્રોસિજર પણ જાહેર કરી દીધી છે. જેમાં યુજીસી પ્રમાણે ૧૦ ટકા વધારા સાથે ત્રણ વર્ષમાં ૧૩૨ અને ચાર વર્ષમાં ૧૭૬ ક્રેડિટ ગણવાની જાહેરાત કરી દીધી છે. તમામ ઉચ્ચ શૈક્ષણિક સંસ્થાઓએ વિદ્યાર્થીઓને ઓફર કરવા માટે દરેક કેટેગરી અને સ્ટ્રીમ અંતર્ગત અભ્યાસક્રમનો પુલ તૈયાર કરવાનો રહેશે. ચોઈસ બેઝ્ડ ક્રેડિટ સિસ્ટમ અંતર્ગત વિદ્યાર્થીઓએ મેજર, માઈનોર, મલ્ટિડિસિપ્લિનરી, ઇન્ટિયન નોલેજ સિસ્ટમ, વેલ્યુ એડ્ડ, એબિલીટી એન્ડામેન્ટ, સ્કિલ સહિતના અભ્યાસક્રમો પેકી પસંદગી કરવાની રહેશે. વિદ્યાર્થીઓએ સિંગલ મેજર સાથે બેચરલ ડિગ્રી પ્રોગ્રામ માટે મેજર ડિસિપ્લિનરીના વિષયોમાંથી કુલ ક્રેડિટની ઓછામાં ૫૦

### દરેક કોર્સમાં કેટલી ક્રેડિટ રહેશે

| કોર્સ                    | ક્રેડિટ |
|--------------------------|---------|
| મેજર                     | ૪       |
| માઇનોર                   | ૪       |
| મલ્ટિડિસિપ્લિનરીકોર્સ    | ૪       |
| એબિલીટી એન્ડામેન્ટ કોર્સ | ૨       |

|                        |                   |
|------------------------|-------------------|
| સ્કીલ એન્ડામેન્ટ કોર્સ | ૨                 |
| વેલ્યુ એડ્ડકોર્સ       | ૨                 |
| ભારતીય જ્ઞાન પ્રણાલી   | ૨                 |
| બીજ કોર્સ              | નોલ ક્રેડિટ કોર્સ |

### ગુજરાત સહિત તમામ સેન્ટ્રલ યુનિ.ઓમાં સેમેસ્ટર દિઠ ૨૦ ક્રેડિટ નક્કી કરાઈ

અમદાવાદ । નવી શિક્ષણનીતિના ભાગરૂપે ઉચ્ચ શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં ક્રેડિટ ફેમવર્ક લાગુ કરવામાં આવી છે. ગુજરાતની સ્ટેટ યુનિવર્સિટીઓમાં સેમેસ્ટર દિઠ ૨૨ ક્રેડિટ નક્કી કરવામાં આવી છે પરંતુ ગુજરાત સહિતની તમામ સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીઓમાં યુજીસીની ગાઈડલાઈન મુજબ સેમેસ્ટર દિઠ ૨૦ ક્રેડિટ નક્કી કરાઈ હોવાનું CUGના વાઈસ ચાન્સેલર રમાશંકર દુબેએ જણાવ્યું હતું. તેમણે વધુમાં જણાવ્યું હતું કે, સરકાર દ્વારા વડોદરા પાસે સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી માટે ૧૦૦ એકર જમીન ફાળવવામાં આવી છે અને હજુ વધુ ૧૨૬ એકર જમીન માટે માગણી

કરી છે. તેમણે જણાવ્યું હતું કે, સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીમાં લેકલિપક અભ્યાસક્રમોમાં ૧૬ મલ્ટિડિસિપ્લિનરી પ્રોગ્રામ શરૂ કરવામાં આવ્યાં છે. સ્નાતક અને અનુસ્નાતક સ્તરે દરેક સેમેસ્ટર માટે બે ક્રેડિટ કોર્સ લાગુ કર્યા છે. તમામ સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીઓમાં ચાલુ શૈક્ષણિક વર્ષથી જ ક્રેડિટ ફેમવર્ક લાગુ કરી દેવામાં આવી છે. ઉલ્લેખનીય છે કે, સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીમાં હાલમાં વિદ્યાર્થીની સંખ્યા વધીને ૨,૫૦૦એ પહોંચી છે. જેથી વડોદરા પાસે તૈયાર થઈ રહેલા કેમ્પસમાં ૨૫૦૦ વિદ્યાર્થી ભરપૂરી શકે અને રહી શકે તેવી વ્યવસ્થા કરવામાં આવશે.

ક્રેડિટ (૬૬ ક્રેડિટ) મેળવવાની રહેશે. ડબલ મેજર સાથે બેચરલ્સ પ્રોગ્રામ માટે કુલ ક્રેડિટની ઓછામાં ઓછી ૪૦ ટકા એટલે કે ૫૩ ક્રેડિટ પ્રથમ મેજર ઉપરાંત વધારાની મેળવવાની રહેશે. વિદ્યાર્થીઓ ક્ષમતા પ્રમાણએ બે મેજર(કોર) વિષયો પસંદ કરી શકશે. દરેક સંસ્થાઓમાં એબિલીટી બોર્ડ, એનઈપી સેલ અને ઇન્ટરનેશનલાઈઝેશન (આંતર રાષ્ટ્રીયકરણ) સેલ તથા અન્ય સેલની રચના કરવાની રહેશે. વિદેશી સંસ્થાઓ સાથે જોડાણ માટે ટ્રિવિનિંગ પ્રોગ્રામ,

જોઈન્ટ ડિગ્રી તેમજ ડ્યુઅલ ડિગ્રી પ્રોગ્રામ શરૂ કરાશે.

ઉલ્લેખનીય છે કે, દેશમાં નવી એજ્યુકેશન પોલીસી લાગુ કરવાની જાહેરાત ૨૦૨૦માં કરી દેવામાં આવી હતી. જોકે, નવી એજ્યુકેશન પોલીસીમાં થનારા ફેરફારો અંગે સરકાર દ્વારા કોઈ સ્પષ્ટતાં ન થતાં જુદી જુદી યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલરે ભેગા મળીને ૨૪ ક્રેડિટ પ્રમાણે કોર્સ ડિઝાઇન કરી નાંખ્યા હતા. જોકે, બાદમાં સરકારે સેમેસ્ટર દિઠ ૨૨ ક્રેડિટ નક્કી કરી હતી.

# અમદાવાદ એક્સપ્રેસ

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય  
Central University of Gujarat

## નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસીના ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થવા પર સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે પત્રકાર પરિષદનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું

ગાંધીનગર સંવાદદાતા વિજયવીર યાદવ

ઉચ્ચ શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં દેશની સમૃદ્ધ પ્રતિભા અને સંસાધનોનો ઉપયોગ કરીને વ્યક્તિ, સમાજ અને રાષ્ટ્રના વિકાસ માટે કાર્ય કરવામાં આવે છે. ભારત વિશ્વમાં સૌથી યુવા વસ્તી ધરાવતો દેશ છે. દેશના યુવાનોને ગુણવત્તાયુક્ત શૈક્ષણિક તકો પૂરી પાડીને જ આત્મનિર્ભર ભારતની કલ્પના સાકાર થઈ શકે છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ 2020 એ આ વિઝનને સાકાર કરવા માટે મજબૂત પાયો નાખ્યો છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિએ સર્વસમાવેશક અને ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણને સુનિશ્ચિત કરવા અને જીવનભર શીખવાની તકોને પ્રોત્સાહન આપવા માટે કાર્યક્ષમ માર્ગ મોકળો કરવા માટે કામ કર્યું છે. નેશનલ



એજ્યુકેશન પોલિસીને ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થયા હોવાથી, ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ NEPના ઘણા મુખ્ય મુદ્દાઓને અમલમાં લાવવામાં સફળતા હાંસલ કરી છે. યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબેએ બુધવારે એક પત્રકાર પરિષદમાં જણાવ્યું હતું કે વ્યક્તિના સંપૂર્ણ વિકાસની કલ્પનાને સર્વગ્રાહી શિક્ષણ દ્વારા જ સાકાર કરી શકાય છે.

જે



## રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણ અને સર્વાંગી વિકાસનો માર્ગ મોકળો કરી રહી છે: પ્રો. રમાશંકર દુબે

ગાંધીનગર  
ઉચ્ચ શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં દેશની સમૃદ્ધ પ્રતિભા અને સંસાધનોનો ઉપયોગ કરીને વ્યક્તિ, સમાજ અને રાષ્ટ્રના વિકાસ માટે કાર્ય કરવામાં આવે છે. ભારત વિશ્વમાં સૌથી યુવા વસ્તી ધરાવતો દેશ છે. દેશના યુવાનોને ગુણવત્તાયુક્ત શૈક્ષણિક તકો પૂરી પાડીને જ આત્મનિર્ભર ભારતની કલ્પના સાકાર થઈ શકે છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ૨૦૨૦ એ આ વિઝનને સાકાર

કરવા માટે મજબૂત પાયો નાખ્યો છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિએ સર્વસમાવેશક અને ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણને સુનિશ્ચિત કરવા અને જીવનભર શીખવાની તકોને પ્રોત્સાહન આપવા માટે કાર્યક્ષમ માર્ગ મોકળો કરવા માટે કામ કર્યું છે. નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસીને ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થયા હોવાથી ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ દ્રઢ ના ઘણા મુખ્ય મુદ્દાઓને અમલમાં લાવવામાં સફળતા હાંસલ કર્યો છે.

યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબેએ બુધવારે એક પત્રકાર પરિષદમાં જણાવ્યું હતું કે વ્યક્તિના સંપૂર્ણ વિકાસની કલ્પનાને સર્વગ્રાહી શિક્ષણ દ્વારા જ સાકાર કરી શકાય છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ૨૦૨૦ સમગ્ર વ્યક્તિત્વ વિકાસ માટે વરદાન સાબિત થઈ રહી છે. છેલ્લા ત્રણ વર્ષમાં રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિના ઘણા મુદ્દાઓ યુનિવર્સિટીમાં લાગુ કરવામાં આવ્યા છે, જેમાં નીચેના મુદ્દાઓનો સમાવેશ થાય છે.



# નોર્થ-પૂર્વ

## બ્રહ્માકુમારીઝ દ્વારા દેશભરમાં વૃક્ષ વંદન વૃક્ષારોપણ કાર્યક્રમનો પ્રારંભ દેશભરના ૮૫૦૦ સેવા કેન્દ્રો દ્વારા ૧ માસ કાર્યક્રમો યોજાશે

નોર્થ-પૂર્વ, તાર ૬

આંતરરાષ્ટ્રીય અખ્યાત સંસ્થા બ્રહ્માકુમારીઝ દ્વારા વર્તમાન સમયે જ્યારે દેશમાં વાવાઝોડ, અતિ વરસાદ જેવી પરિસ્થિતિ છે જ્યારે અનેક વૃક્ષો પડી ગયેલ છે તથા નાશ પામેલ છે તેવી સ્થિતિમાં વરસાદી વાતાવરણમાં ૨૦ જુલાઈ થી ૨૫ ઓગસ્ટ સુધી વૃક્ષ વંદન વૃક્ષારોપણ કાર્યક્રમોનો પ્રારંભ બ્રહ્માકુમારીઝ મુખ્યાલય, શાંતિવન આશ્રમ પ્રારંભ કરવામાં આવેલ છે આ પ્રસંગે આશીર્વાદ આપતા બ્રહ્માકુમારીઝના



સહ પ્રસાસિકા મુશી દીદીએ જણાવેલ કે, પ્રકૃતિને હરિયાળી સમુદ્ર રાખવી એ માનવનું કર્તવ્ય છે જેથી દરેક જાતનાં તે માનવ જાતની રક્ષા કરતી

રહે છે. પર્યાવરણની સિદ્ધિ માટે આ એક માસ વૃક્ષનું વંદન કરી વૃક્ષારોપણ કરવું સમયની અનિવાર્યતા છે. આ પ્રસંગે અનેક બ્રહ્માકુમારીઝ બહેનોએ આજે આબુની આસપાસ શાંતિવન, માનસરોવર, આનંદ સરોવર, આબુરોડ મેઈન રોડ પર ૨૦ હજાર વૃક્ષોનું રોપણ કરેલ તથા દેશભરના ૮, ૫૦૦ સેવાકેન્દ્ર દ્વારા સંસ્થાના પૂર્વ વડા ડૉ.દાદી પ્રકાશમણીજીની પુણ્યતિથિ ૨૫ ઓગસ્ટ ૨૦૨૩ સુધી વૃક્ષ વંદન કાર્યક્રમો ચાલુ રહેશે.

## CUUમાં રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિનો સંપૂર્ણ અમલ કરવામાં આવી રહ્યો છે નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસીના ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થવા પર સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે પત્રકારોને સંબોધન

નોર્થ-પૂર્વ, તાર ૬

નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસીને ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થવા હોવાથી, ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ NEPA ધરા મુખ્ય મુદ્દાઓને અમલમાં લાવવામાં સફળતા હાંસલ કરી છે. યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબેએ જણાવેલ કે પત્રકાર પરિષદમાં જણાવ્યું હતું કે વ્યક્તિના સંપૂર્ણ વિકાસની કલ્યાણન સર્વગ્રામી શિક્ષણ દ્વારા જ સંકાર કરી શકાય છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ૨૦૨૦ સમગ્ર વ્યક્તિત્વ વિકાસ માટે વરદાન સાબિત થઈ રહી છે. છેલ્લા ત્રણ વર્ષમાં રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિના ધરા મુદ્દાઓ યુનિવર્સિટીમાં લાગુ કરવામાં આવ્યા છે, જેમાં નીચેના મુદ્દાઓનો સમાવેશ થાય છે.



રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ બાબતે સંબોધન કરતા કુલપતિશ્રી રમાશંકર દુબે

અથવા પ્રમાણપત્રો એક્સેસ કરવા માટે ડિજિટલ એકાઉન્ટ આપવામાં આવ્યું હતું. તેના પર યુનિવર્સિટીના તમામ વિદ્યાર્થીઓને પોતાનું પાત્ર બોલાવ્યું છે. દરેક એકાઉન્ટ નક્કી અપવાદ કરવા માટે એક ડેડ લાઇન સ્પેસિફિક પ્રદાન કરે છે. મલ્ટિડિસિપ્લિનરી સર્ટિફિકેટ અને ડિપ્લોમા કોર્સ ડિગ્રી કોર્સના હેમિન્ટ મુજબ યુનિવર્સિટીમાં મલ્ટિડિસિપ્લિનરી સર્ટિફિકેટ અને ડિપ્લોમા કોર્સ પણ શરૂ કરવામાં આવ્યા છે. વિદ્યાર્થીઓ મુશીથી તેમની પસંદગી કરી રહ્યા છે અને ડિગ્રી કોર્સ સાથે અભ્યાસ કરી રહ્યા છે.

સંશોધન અને વિકાસ સેલ: ઉચ્ચ શિક્ષણમાં સંશોધન અને નવીનતાને પ્રોત્સાહન આપવા માટે, યુનિવર્સિટીમાં સંશોધન અને વિકાસ સેલની સ્થાપના કરવામાં આવી છે. સામાજિક હિતકોષ્ટી સંબંધિત સંશોધનને નવા પરિમાણે આપવા માટે, યુનિવર્સિટીમાં સંશોધન અને વિકાસ સેલની સ્થાપના કરવામાં આવી છે. સામાજિક હિતકોષ્ટી સંબંધિત સંશોધનને નવા પરિમાણે આપવા માટે, યુનિવર્સિટીમાં સંશોધન અને વિકાસ સેલની સ્થાપના કરવામાં આવી છે.

સંશોધન અને વિકાસ સેલ: ઉચ્ચ શિક્ષણમાં સંશોધન અને નવીનતાને પ્રોત્સાહન આપવા માટે, યુનિવર્સિટીમાં સંશોધન અને વિકાસ સેલની સ્થાપના કરવામાં આવી છે. સામાજિક હિતકોષ્ટી સંબંધિત સંશોધનને નવા પરિમાણે આપવા માટે, યુનિવર્સિટીમાં સંશોધન અને વિકાસ સેલની સ્થાપના કરવામાં આવી છે. સામાજિક હિતકોષ્ટી સંબંધિત સંશોધનને નવા પરિમાણે આપવા માટે, યુનિવર્સિટીમાં સંશોધન અને વિકાસ સેલની સ્થાપના કરવામાં આવી છે.

સંશોધન અને વિકાસ સેલ: ઉચ્ચ શિક્ષણમાં સંશોધન અને નવીનતાને પ્રોત્સાહન આપવા માટે, યુનિવર્સિટીમાં સંશોધન અને વિકાસ સેલની સ્થાપના કરવામાં આવી છે. સામાજિક હિતકોષ્ટી સંબંધિત સંશોધનને નવા પરિમાણે આપવા માટે, યુનિવર્સિટીમાં સંશોધન અને વિકાસ સેલની સ્થાપના કરવામાં આવી છે.

માટે, કોષ સંશોધકો અને વિદ્યાર્થીઓને મુલ્યવાન સંશોધન માહિતી પ્રદાન કરે છે. ઉચ્ચ અભ્યાસમાં વિદ્યાર્થીઓની સંશોધન સમસ્યાઓ પણ સેલ દ્વારા ઉકેલવામાં આવે છે.

પ્રાર્થિક ભાષાઓમાં અધ્યયન-અધ્યાપન: અધ્યયનના સ્તરને સરળ બનાવવા તેમજ ઓછા સમયમાં વધુ ગુણવત્તાપૂર્ણ માહિતીની સમૃદ્ધ થવા માટે, પ્રાર્થિક ભાષાઓમાં અભ્યાસ અને અધ્યાપનની પરંપરા વિકાસવામાં આવી છે. હવે અન્ય ભાષાઓમાં અભ્યાસ કરતા વિદ્યાર્થીઓ પણ અન્ય ભાષાઓ શીખીને તેમના જ્ઞાન અને કૌશલ્યને વધારી શકે છે. હિંદુ અભ્યાસમાં અનુસ્નાતક સર્વગ્રામી શિક્ષણને નક્કર આધાર આપવા માટે, વર્ષ ૨૦૨૨માં, યુનિવર્સિટીએ સેન્ટર ફોર હિંદુ સ્ટડીઝ દ્વારા અનુસ્નાતક ડિગ્રી અભ્યાસક્રમ પણ શરૂ કર્યો છે.

પ્રાર્થિક ભાષાઓમાં અધ્યયન-અધ્યાપન: અધ્યયનના સ્તરને સરળ બનાવવા તેમજ ઓછા સમયમાં વધુ ગુણવત્તાપૂર્ણ માહિતીની સમૃદ્ધ થવા માટે, પ્રાર્થિક ભાષાઓમાં અભ્યાસ અને અધ્યાપનની પરંપરા વિકાસવામાં આવી છે. હવે અન્ય ભાષાઓમાં અભ્યાસ કરતા વિદ્યાર્થીઓ પણ અન્ય ભાષાઓ શીખીને તેમના જ્ઞાન અને કૌશલ્યને વધારી શકે છે. હિંદુ અભ્યાસમાં અનુસ્નાતક સર્વગ્રામી શિક્ષણને નક્કર આધાર આપવા માટે, વર્ષ ૨૦૨૨માં, યુનિવર્સિટીએ સેન્ટર ફોર હિંદુ સ્ટડીઝ દ્વારા અનુસ્નાતક ડિગ્રી અભ્યાસક્રમ પણ શરૂ કર્યો છે.

પ્રાર્થિક ભાષાઓમાં અધ્યયન-અધ્યાપન: અધ્યયનના સ્તરને સરળ બનાવવા તેમજ ઓછા સમયમાં વધુ ગુણવત્તાપૂર્ણ માહિતીની સમૃદ્ધ થવા માટે, પ્રાર્થિક ભાષાઓમાં અભ્યાસ અને અધ્યાપનની પરંપરા વિકાસવામાં આવી છે.

## આઈઆઈટીજીએન ખાતે નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસી ૨૦૨૦ના અમલીકરણ માટે સ્ટ્રેટેજિક એક્શન પ્લાન" વિષય પર એક પત્રકાર પરિષદ



નોર્થ-પૂર્વ, તાર ૬

રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ (એનઈપી) ૨૦૨૦ ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થવાની નજીક છે, ત્યારે ઈન્ડિયન ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ટેકનોલોજી ગાંધીનગર (આઈઆઈટીજીએન), ગતિ શક્તિ વિશ્વવિદ્યાલય - વડોદરા, પ્રાર્થિક ડિરેક્ટોરેટ ઓફ સ્કિલ ડેવલપમેન્ટ એન્ડ એન્ટરપ્રિન્યોરશિપ; અને કેન્દ્રીય વિદ્યાલય સંગઠન (કેવીએસ) - અમદાવાદ રિજિયન દ્વારા આજે આઈઆઈટીજીએન ખાતે "નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસી ૨૦૨૦ના અમલીકરણ માટે સ્ટ્રેટેજિક એક્શન પ્લાન" વિષય પર એક પત્રકાર પરિષદનું સંયુક્ત પદો આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું.

પ્રોફેસર રજત મુના, ડાયરેક્ટર આઈઆઈટી જી એન; પ્રોફેસર મનોજ ચૌધરી, વાઈસ ચાન્સેલર ગતિશક્તિ વિશ્વવિદ્યાલય - વડોદરા શ્રી કે પી મીના, પ્રાર્થિક નિયામક કોશલ્ય વિકાસ અને ઉદ્યોગ સહકાર; તથા કે વી એસ - અમદાવાદ રીજિયનના ડેપુટી કમિશનર શ્રીમતી શ્રુતિ ભાગેવતી સમાવેશ થાય છે. પત્રકાર પરિષદને સંબોધન કર્યું હતું અને એન ઈ પી ના અમલીકરણ તરફ લેવામાં આવેલી પહેલ અંગે વિસ્તૃત વર્ણન કર્યું હતું.

આઈઆઈટી ગાંધીનગર હંમેશાં નવીન, અને આંતર રાષ્ટ્રીય અભ્યાસક્રમની મોશાલ રાખી છે. અને તેની સાથે સાથે અત્યાધુનિક સંશોધન, નવીનીકરણ, લર્નિંગ-આવ-ડુઈંગ, લુમેન્ટીટીઝ વિષયો અને ઉદ્યોગના સંપર્ક પર ભાર મૂકવામાં આવ્યો છે. તેથી, હું દ્રઢપણે માનું છું કે એન ઈ પી મારફતે, ભારતમાં શિક્ષણના ભાવિને મોટો વેગ મળશે."

તેમણે આઈઆઈટી જી એન ખાતે અમલમાં મૂકવામાં આવેલા અથવા આયોજિત કેટલાક સોંથી મહત્વપૂર્ણ પ્રોજેક્ટ્સ અને પહેલોની પણ ચર્ચા કરી હતી, જે એન ઈ પી ૨૦૨૦ સાથે સુસંગત છે, જેમાં બહુવિધ પ્રવેશ અને બહાર નીકળવાના કાર્યક્રમો સામેલ છે; આર્કિમોલોજી, બાયોમેડિકલ એન્જિનિયરિંગ, સસ્ટેઈનેબલ ડેવલપમેન્ટ, ડિઝાઇન એન્ડ ઈનોવેશન, ક્રિએટિવ લર્નિંગ અને સેક્ટર જેવા કે ત્રણમાં આંતર રાષ્ટ્રીય કેન્દ્રો; ઉદ્યોગ શ્રેણિક સંશોધન ઈન્ટરનિશનલ સર્વિસિયોનના હેઠળ ટ્રાઈપલ સેન્ટર; આ કાર્યક્રમો દ્વારા અને જરૂરિયાત મંદિવિદ્યાર્થીઓને નાણાકીય સહાય સાબિત કરીને સામાજિક ગતિ કરવી; વિદ્યાર્થીઓ ના વિવિધ ભાષાના અભ્યાસક્રમો પૂરા પાડવા; પ્રેક્ટિસના પ્રોક્સેસરી કેઉદ્યોગના વિષયોનો સમાવેશ કરવા; અન્યોની વચ્ચે. આ વર્ષથી પ્રથમ વખત આઈઆઈટી જીએનયુએ સેમીનારના તથા વિદ્યાર્થીઓને વેરિકાઈબલ ડિજિટલ માર્કીટ, ડિગ્રી અને મેલ સર્ટિફિકેટ પણ પ્રદાન કરવા જઈ રહ્યું છે, જેથી તેઓ તેને ગમે ત્યાંથી એક્સેસ કરી શકે.

અતિથિ શક્તિ વિશ્વવિદ્યાલય - વડોદરાના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. મનોજ ચૌધરીએ તેમની સંસ્થામાં એનઈપીના અમલીકરણ અને ભવિષ્યની યોજનાઓ અંગે મહત્વપૂર્ણ માહિતી આપી હતી અને જણાવ્યું હતું કે પ્રધાનમંત્રીએ એકલું હતું કે, "અતિશક્તિ વિશ્વવિદ્યાલયએ પ્રથમ કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય છે, જેને એનઈપીની જાહેરાત પછી શરૂ કરવામાં આવી હતી અને સંપૂર્ણ પરિવર્તનને લોજિસ્ટિક્સ લેન પર પ્લાન કેપ્ટન કરવા માટે તેની પાસે એક વિશિષ્ટ અને વ્યાપક જવાદેશ છે. આપણા અભ્યાસક્રમ ઈન્ડોગ-સંચાલિત અને શરૂઆતથી જ નવીનતા-સંચાલિત છે. અમે સરકારને નીમિત્ત ઈનપુટ્સનો સમન્વય કરવા અને પરિવહન લેનને આગે કરતાં વધારે મજબૂત બનાવવા જ્ઞાનનું સર્જન કરવા માટે સેન્ટર ફોર પોલિસીની પણ સ્થાપના કરી છે." તેમણે કહ્યું "એનઈપીની શરૂઆત સાથે, અમારા લગભગ ૧૫૦૦ પરંપરાગત કાર્યક્રમોને શિક્ષણ સાથે કોશલ્યોને સંકલિત કરવા માટે કરીથી ડિઝાઇન કરવામાં આવી રહ્યા છે જેથી દરેક બાળક અમુક પ્રકારની કુશળતા પ્રાપ્ત કરી શકે. અમે યુવાનો માટે ઉદ્યોગ સાહસિકતા અને સાક્ટરિસલ ડેવલપમેન્ટ પર પણ કાર્યક્રમો ચલાવી રહ્યા છીએ, અંગ્રેજ ભાષા સિવાય અન્ય ટેકનિકલ શિક્ષણને પ્રોત્સાહન આપવા માટે, અમે હિન્દીમાં ટેકનિકલ શિક્ષણ પર લગભગ ૧૦૦ પુસ્તકો પ્રકાશિત કરી ચુક્યા છીએ અને તેને ૧૨ પ્રાર્થિક ભાષાઓમાં પ્રકાશિત કરવાની પ્રક્રિયામાં છીએ."

કેવીએસ - અમદાવાદ રિજિયનના ડેપુટી કમિશનર શ્રીમતી શ્રુતિ ભાગેવતીએ રાજ્યભરની કેવીએસ શાળાઓમાં હાથ લેવામાં આવેલી પહેલ વિશે વિસ્તૃત માહિતી આપી હતી અને જણાવ્યું હતું કે પ્રધાનમંત્રીએ એકલું હતું કે, એનઈપીમાં ઈંગ્લેઝ મુજબ, ધોરણ ૧ માં પ્રવેશન 'ઈમરને' કરીથી ગોઠવવાની ઈમરબલ્લીને ૬ વર્ષ કરવામાં આવી છે. અમે અત્યાર સુધીમાં ગુજરાતના ૨૦ કેવીમાં બાલવાટિકા પણ શરૂ કરી છે અને પ્રવેશ પછી બાળકની પ્રિ-લિટરસી, પ્રી-ન્યુમેરેસી, ક્રોનિટિવ અને સામાજિક કુશળતાને મજબૂત કરવા માટે ૧૨ અઢવાડિયાના મોડ્યુલને અપનાવવામાં આવ્યું છે. તમામ શાળાઓએ બે-લેસ્ટન યોજના હેઠળ વ્યાવસાયિક / કોશલ્યના વિષયોનું પાલન કરી રહી છે, જેમાં વિદ્યાર્થીઓને માતૃકામ, સુધારીકામ અને ઉદ્યોગ સાહસિકતા મંત્રાલય દ્વારા આયોજિત આ બિટવસી કાર્યક્રમ એનઈપી ૨૦૨૦ના અમલીકરણમાં શાળાઓ, ઉચ્ચ શૈક્ષિક સંસ્થાઓ અને કોશલ્ય સંસ્થાઓના નિષ્ણાતો માટે આંતરરેષ્ટ્રિય, વ્યુહરચનાઓ, સફળતાની ગાથાઓ અને શ્રેષ્ઠ પ્રક્રિયાઓ પર ચર્ચા કરવા, વિચાર-વિમર્શ કરવા અને સંલેખવા માટે એક મંચ પ્રદાન કરશે.

એનઈપીનું વિઝન વ્યાપક-આધારિત, બહુ શાખાકીય શિક્ષણ વ્યવસ્થા મારફતે ભારતને ફરીથી વૈશ્વિક જ્ઞાનની મહાસત્તામાં પરિવર્તિત કરવાનું છે. અખિલ ભારતીય શિક્ષા (ઈકે) નું ઉદઘાટન પ્રધાનમંત્રીશ્રીને ૨૬ માર્ચ ૨૦૨૦, ૨૦૨૦નાં રોજ આઈટીપીઓ, પ્રગતિમંદાન, નવીલકીર્તિ ખાતે કર્યું, જે રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ૨૦૨૦ની ત્રીજી વર્ષગાંઠ સાથે સુસંગત છે. શિક્ષણ મંત્રાલય અને કોશલ્ય વિકાસ અને ઉદ્યોગ સાહસિકતા મંત્રાલય દ્વારા આયોજિત આ બિટવસી કાર્યક્રમ એનઈપી ૨૦૨૦ના અમલીકરણમાં શાળાઓ, ઉચ્ચ શૈક્ષિક સંસ્થાઓ અને કોશલ્ય સંસ્થાઓના નિષ્ણાતો માટે આંતરરેષ્ટ્રિય, વ્યુહરચનાઓ, સફળતાની ગાથાઓ અને શ્રેષ્ઠ પ્રક્રિયાઓ પર ચર્ચા કરવા, વિચાર-વિમર્શ કરવા અને સંલેખવા માટે એક મંચ પ્રદાન કરશે.





www.samarharjagat.com

# समाचार जगत

शुक्रवार

pro@cuug.ac.in

जनसंपर्क अधिकारी

Public Relations Officer

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

जयपुर, 28 जुलाई 2023, भावण शुक्ल पक्ष दशमी संवत् 2080

## गुजरात केन्द्रीय विवि. ने कारगिल के वीरों का किया स्मरण

समाचार जगत ब्यूरो

गांधीनगर. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान द्वारा हाल ही में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम देश के किये आत्मोसर्ग करने को सदा तत्पर रहने वाले देश के वीर सपूतों को नमन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ शुरू किया गया।

दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद वीर सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीयूजी कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने की। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर रुपिंदर सिंह



रहे। सिंह ने कारगिल युद्ध के अपने अनुभवों को संस्मरण बताए। इसके

साथ ही कारगिल युद्ध में महान शौर्य का प्रदर्शन करने वाले महान सैनिक

एवं शौर्य चक्र धारी राकेश शर्मा सम्मानित वक्ता एवं मेजर भावना चौहान जी अतिथि वक्ता रहे। राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान के अधिष्ठाता आचार्य संजय कुमार झा ने सम्मानित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह मंच कारगिल युद्ध के नायकों को अपने मध्य पाकर गर्व का अनुभव कर रहा है।

कारगिल युद्ध विश्व के कतिपय दुर्गम स्थानों पर हुए युद्ध में से एक था। मेजर राकेश शर्मा ने कहा कि कारगिल युद्ध में जिन वीरों का योगदान रहा उनके मन में यह भावना कूट - कूट कर भरी थी, देश ही मेरा परिवार है मुझे उसकी रक्षा करनी है। मेजर भावना ने अपने सेना में जाने के पीछे की

अभिप्रेरणा को बताते हुए कहा कि देश प्रेम के रंग में रंगे हमारे वीर जवानों ने विश्व के दुर्गम युद्धस्थल पर दुश्मन को परास्त किया।

कारगिल योद्धा ने कहा कि समाज सैनिकों एवं सेना के प्रति और जिम्मेदारी का भाव रखे तो निःसंदेह एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण होगा जो आवश्यक है। कुलपति महोदय ने कहा कि देश का भविष्य निःसंदेह उसकी सुरक्षा व्यवस्था की सशक्तता पर निर्भर करता है और हम भाग्यशाली हैं कि देश की सीमा पर हमारे महान सैनिक मौसम की प्रतिकूलता में भी डटे हैं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. श्रीश कुमार तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।



# National Education Policy is paving the way for quality education and holistic development: Prof. Rama Shanker Dubey

National Education Policy is paving the way for quality education and holistic development: Prof. Rama Shanker Dubey

Central University of Gujarat has implemented the National Education Policy, a press conference was organised at the Central University of Gujarat. Prof. Rama Shanker Dubey, the Vice-Chancellor of the university,

stated that comprehensive education is the key to the holistic development of individuals. He informed that in the past three years, the university has implemented many key points of the National Education Policy, which include the following:

**Inclusion of Comprehensive Education:** It is essential for students to receive not only academic knowledge but also an enhancement in their physical, mental, emotional, moral, and social knowledge for comprehensive education. Central University of Gujarat has introduced a two-credit course for undergraduate and postgraduate students in each semester. With this initiative, students are not only gaining knowledge of their curriculum but also receiving comprehensive education.

**16 Multidisciplinary Two-Credit Programs:** The Central University of Gujarat has also introduced multidisciplinary programs as part of minor electives. These programs offer 16 different subject options in

short elective courses. Each program carries a weightage of 2 credits. The Vice-Chancellor mentioned that students are opting for these multidisciplinary programs based on their interests.

**Learning Management System (LMS):** Besides classroom-based learning, the university has implemented its own Learning Management System (LMS) to promote online learning. Under credit transfer, students have already registered on the 'Swayam' portal. Prof. Dubey mentioned that students are choosing online courses and studying subjects of their preference. **Facility of DigiLocker:** Students have been provided with a digital account in the cloud to securely store their academic mark sheets and other valid documents or certificates. All students of the university have opened their accounts and are using it to upload their documents, with storage



capacity up to one GB for each account.

**Multidisciplinary Certificate and Diploma Courses:** The University has started multidisciplinary certificate and diploma courses that complement the format of degree courses. Many students are opting for these courses along with their degree studies. **Research and Development Cell:** To promote research and innovation in

higher education, the university has established a Research and Development Cell. This cell provides valuable information and research-oriented resources to scholars and students, enabling them to address socially relevant research dimensions and find solutions to problems during their higher studies. **Teaching and Learning in Regional Languages:** According to the

policy, support for Indian languages is essential, and their development in the field of education needs to be encouraged. This aims to promote the preservation and usage of languages. Central University of Gujarat has started teaching and learning in regional languages. **Post-Graduation in Hindu Studies:** In the year 2022, the university has also started a post graduation degree course in Hindu Studies.

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तीन वर्ष पूर्ण होने पर गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस

इसके शिक्षण संस्थानों में देश की समृद्ध प्रतिभा एवं संसाधनों का उपयोग कर व्यक्ति, समाज, राष्ट्र के निर्माण के लिए कार्य किया जा रहा है। भारत दुनिया का सबसे युवा जनसंख्या वाला देश है। देश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अवसर उपलब्ध करवाने से ही आर्थिक-भारत की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। इस कल्पना को मूर्त रूप देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने एक मजबूत आधार प्रस्तुत किया है। संसदीय और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और जीवन-पर्वत शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने कुशल मानव संसाधन बनाने का काम किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तीन वर्ष पूरे हो गए हैं, ऐसे में गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने एनईपी के कई मुख्य बिंदुओं को लागू करने में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रम शंकर दुबे ने बुधवार को प्रेस रक्षा में बताया कि समग्र शिक्षा में ही व्यक्ति के पूर्ण विकास की कल्पना को मूर्त रूप दिया जा सकता है। समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बरताने सक्षम हो रही है। विश्वविद्यालय में पढ़ने तीन वर्षों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कई बिंदुओं को लागू किया जा चुका है, इसमें विद्यार्थी सहित हैं। समग्र शिक्षा का

मानव संसाधनों को शिक्षा संस्थानों में महज तकनीकी ज्ञान ही नहीं अपितु उनके शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक ज्ञान में अभिवृद्धि करने के लिए समग्र शिक्षा का ज्ञान मिशन परम आवश्यक है। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा शतक और छात्रकोश स्तर पर दो केंद्रों का बोर्ड हर सेक्टर के लिए लागू कर दिया है। इसके सहायता से विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम को दो तरह अर्थात् समग्र शिक्षा का सम्पूर्ण ज्ञान भी मिल रहा है।

दो केंद्रों के 16 बहु विषयक प्रोग्राम - विश्वविद्यालय द्वारा बहु विषयक प्रोग्राम भी शुरू करने गए हैं। इसमें छोटे शैक्षणिक कोर्सेज में 16 बहु विषयक कार्यक्रम शुरू हुए हैं। कुलकर्णी महोदय ने बताया कि प्रत्येक कार्यक्रम को 2 केंद्रों का भार दिया गया है। विश्वविद्यालय के छात्र इन बहुविषयक कार्यक्रमों में अपने रुचि के अनुसार प्रवेश ले रहे हैं। विश्वविद्यालय का नैतिक मैनेजमेंट मिशन - कक्षा-कक्षा के अध्ययन के साथ ही अब ऑनलाइन लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में खुद का नैतिक मैनेजमेंट मिशन (एमएनएम) शुरू हो चुका है। इसके माध्यम से केंद्रों के छात्रों को तहत छात्र 'मैथ' पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराया जा चुका है। कुलपति



महोदय ने बताया कि ऑनलाइन कोर्सेज का चयन कर पसंद के विषयों की पढ़ाई भी सत्र कर रहे हैं। डिजिटल कंटेंट मुक्ति - छात्रों को नैतिक माकश्री और दूसरे प्राथमिक दस्तावेजों या प्रमुख पत्रों का उपयोग करने के लिए बनाउड़ में खास बचकर उन्हें सुरक्षित रखने का डिजिटल अकाउंट दिया गया था। विश्वविद्यालय के सभी छात्रों ने अपना खाता उस पर खोल लिया है। प्रत्येक छात्र में प्रतियां प्रतिलिखित करने के लिए एक जीवी तक का भंडारण प्रदान किया जा रहा है। बहु विषयक सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्सेज - डिप्लोमा कोर्सेज का प्रारम्भ के अनुसार ही विश्वविद्यालय में

बहु विषयक सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्सेज भी शुरू किए जा चुके हैं। विद्यार्थी साथ इसका चयन कर डिप्लोमा कोर्सेज के साथ अध्ययन कर रहे हैं। रिसर्च एवं इंवेलोपमेंट में - उच्च शिक्षा में शोध और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में शोध एवं विकास प्रकौट को स्थापना की जा चुकी है। सामाजिक दृष्टिकोण में सामाजिक शोध को तब आकार देने में प्रकाश द्वारा शोधार्थियों और छात्रों का शोधार्थक बहुमूल्य जानकारीयों उपलब्ध करवाई जाती है। छात्रों को उच्चतर अध्ययन में शोधार्थक समर्थकों का भी समर्थन भी प्रकौट द्वारा निकाला जाता है।

क्षेत्रीय भाषाओं में अध्ययन - अध्यापन अधिगम के स्तर को आसान बनाने के साथ ही कम समय में अधिक गुणवत्तापूर्ण ज्ञानकारी में समृद्धता प्राप्त करने के लिए क्षेत्रीय और प्रांतीय भाषाओं में अध्ययन और अध्यापन को परंपरा विकसित की जा चुकी है। अब हमारे भाषाओं में अध्ययन और अध्यापन का अन्य भाषाओं को मोड़ कर अपने ज्ञान और कौशल में बढ़ोतरी कर रहे हैं। हिन्दू अध्ययन में छात्रकोश - समग्र शिक्षा को मूर्त रूप देने के लिए सन् 2022 में विश्वविद्यालय द्वारा हिन्दू अध्ययन केंद्र द्वारा स्थापना के छह बरस भी शुरू किया जा चुका है।

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

# National Education Policy is paving the way for quality education and holistic development: Prof. Rama Shanker Dubey

National Education Policy is paving the way for quality education and holistic development. The Central University of Gujarat is implementing the National Education Policy, which includes the following:

stated that comprehensive education is the key to the holistic development of individuals. He informed that in the past three years, the university has implemented many key points of the National Education Policy, which include the following:

**Inclusion of Comprehensive Education:** It is essential for students to receive not only academic knowledge but also an enhancement in their physical, mental, emotional, moral, and social knowledge for comprehensive education. Central University of Gujarat has introduced a two-credit course for undergraduate and postgraduate students in each semester. With this initiative, students are not only gaining knowledge of their curriculum but also receiving comprehensive education.

**16 Multidisciplinary Two-Credit Programs:** The Central University of Gujarat has also introduced multidisciplinary programs as part of minor electives. These programs offer 16 different subject options in

short elective courses. Each program carries a weightage of 2 credits. The Vice-Chancellor mentioned that students are opting for these multidisciplinary programs based on their interests.

**Learning Management System (LMS):** Besides classroom-based learning, the university has implemented its own Learning Management System (LMS) to promote online learning. Under credit transfer, students have already registered on the 'Swayam' portal. Prof. Dubey mentioned that students are choosing online courses and studying subjects of their preference. **Facility of DigiLocker:** Students have been provided with a digital account in the cloud to securely store their academic mark sheets and other valid documents or certificates. All students of the university have opened their accounts and are using it to upload their documents, with storage



capacity up to one GB for each account.

**Multidisciplinary Certificate and Diploma Courses:** The University has started multidisciplinary certificate and diploma courses that complement the format of degree courses. Many students are opting for these courses along with their degree studies. **Research and Development Cell:** To promote research and innovation in

higher education, the university has established a Research and Development Cell. This cell provides valuable information and research-oriented resources to scholars and students, enabling them to address socially relevant research dimensions and find solutions to problems during their higher studies. **Teaching and Learning in Regional Languages:** According to the

policy, support for Indian languages is essential, and their development in the field of education needs to be encouraged. This aims to promote the preservation and usage of languages. Central University of Gujarat has started teaching and learning in regional languages. **Post-Graduation in Hindu Studies:** In the year 2022, the university has also started a post graduation degree course in Hindu Studies.

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat





www.samacharjagat.com

# समाचार जगत

शुक्रवार

pr@ug.ac.in

समन्वयक अधिकारी

Public Relations Officer

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Gujarat

जयपुर, 28 जुलाई 2023, श्रावण शुक्ल पक्ष दशमी संवत् 2080

## गुजरात केन्द्रीय विवि. ने कारगिल के वीरों का किया स्मरण

समाचार जगत ब्यूरो

गांधीनगर. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान द्वारा हाल ही में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम देश के किये आत्मोसर्ग करने को सदा तत्पर रहने वाले देश के वीर सपूतों को नमन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ शुरू किया गया।

दीप प्रज्वलित करने के बाद वीर सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोयूजी कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने की। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर रुपिंदर सिंह



रहे। सिंह ने कारगिल युद्ध के अपने अनुभवों को संस्मरण बताया। इसके

साथ ही कारगिल युद्ध में महान शौर्य का प्रदर्शन करने वाले महान सैनिक

एवं शौर्य चक्र धारी राकेश शर्मा सम्मानित वक्ता एवं मेजर भावना चौहान जी अतिथि वक्ता रहे। राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान के अधिष्ठाता आचार्य संजय कुमार झा ने सम्मानित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह मंच कारगिल युद्ध के नायकों को अपने मध्य पाकर गर्व का अनुभव कर रहा है।

कारगिल युद्ध विश्व के कतिपय दुर्गम स्थानों पर हुए युद्ध में से एक था। मेजर राकेश शर्मा ने कहा कि कारगिल युद्ध में जिन वीरों का योगदान रहा उनके मन में यह भावना कूट - कूट कर भरी थी, देश ही मेरा परिवार है मुझे उसकी रक्षा करनी है। मेजर भावना ने अपने सेना में जाने के पीछे की

अभिप्रेरणा को बताते हुए कहा कि देश प्रेम के रंग में रंगे हमारे वीर जवानों ने विश्व के दुर्गम युद्धस्थल पर दुश्मन को परास्त किया।

कारगिल योद्धा ने कहा कि समाज सैनिकों एवं सेना के प्रति और जिम्मेदारी का भाव रखे तो निःसंदेह एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण होगा जो आवश्यक है। कुलपति महोदय ने कहा कि देश का भविष्य निःसंदेह उसकी सुरक्षा व्यवस्था की सशक्तता पर निर्भर करता है और हम भाग्यशाली हैं कि देश की सीमा पर हमारे महान सैनिक मौसम की प्रतिकूलता में भी डटे हैं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. श्रीश कुमार तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तीन वर्ष पूर्ण होने पर गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस

उच्च शिक्षण संस्थानों में देश की समृद्ध प्रतिभा एवं संसाधनों का उपयोग कर व्यक्ति, समाज, राष्ट्र के निर्माण के लिए कार्य किया जा रहा है। भारत दुनिया का सबसे युवा जनसंख्या वाला देश है। देश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक अवसर उपलब्ध करवाने से ही आर्थिकतः भारत को संकल्पना को सफल किया जा सकता है। इस कल्पना को मूर्त रूप देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने एक मजबूत आधार प्रस्तुत किया है। सम्बन्धित और गुणवत्ता युक्त शिक्षा सुनिश्चित करने और जीवन-पर्यंत शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने कुशल मार्ग प्रस्तावित करने का काम किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तीन वर्ष पूरा हो गए हैं, ऐसे में गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने एनईपी के कई प्रमुख बिंदुओं को लागू करने में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. रमेश शंकर दूबे ने बुधवार को प्रेस माला में बताया कि समग्र शिक्षा में हो व्यक्ति के पूर्ण विकास को कल्पना को मूर्त रूप दिया जा सकता है। समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पराजित स्थिति को गवर्न है। विश्वविद्यालय में पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कई बिंदुओं को लागू किया जा चुका है। इसमें निम्न बिंदु शामिल हैं: समग्र शिक्षा को

सम्बन्धित विद्यालयों को निम्न संस्थानों में महत्व अकादमिक ज्ञान हो नहीं अफिर उनके शारीरिक, मानसिक, भव्यकृतिक, नैतिक और सामाजिक ज्ञान में अभिवृद्धि करने के लिए समग्र शिक्षा का ज्ञान विमलना परम आवश्यक है। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर दो डॉक्ट्रेट का कोर्स हर सेमेस्टर के लिए लागू कर दिया है। इसके सहायता से विद्यार्थियों को फलपुत्र्य का ही नयी अतिगु समग्र शिक्षा का सम्पूर्ण ज्ञान भी मिल रहा है।

दो डॉक्ट्रेट के 16 बहु विषयक प्रोग्राम - विश्वविद्यालय द्वारा बहु विषयक प्रोग्राम भी शुरू किये गए हैं। इसमें स्नेह शैक्षणिक कोर्सेज में 16 बहु विषयक कार्यक्रम शुरू हुए हैं। कुलसचिव महोदय ने बताया कि प्रत्येक कार्यक्रम को 2 डॉक्ट्रेट का भार दिया गया है। विश्वविद्यालय के स्नातक स्तर बहुविषयक कार्यक्रमों में अपनी रुचि के अनुसार प्रवेश से रहे हैं। विश्वविद्यालय का लॉन्ग टर्मिनल सिस्टम - कक्षा-कक्षा के अध्ययन के साथ ही अन्य ऑनलाइन लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में खुद का लॉन्ग टर्मिनल सिस्टम (उत्तराध्यायन) शुरू हो चुका है। इसके साथ ही डॉक्ट्रेट स्थानांतरण के तहत छात्र 'स्मॉल' गोटेल पर अपना पंजीकरण कराया चुका है। कुलसचिव



महोदय ने बताया कि ऑनलाइन कोर्सेज का चयन कर पसंद के विषयों की पहचान भी छात्र कर रहे हैं। डिजिटलीकरण को सुविधा - छात्रों को शैक्षणिक मार्केटिंग और दूसरे प्राथमिक दस्तावेजों या प्रमाण पत्रों का उपयोग करने के लिए क्लाउड में खाना यथाकार उन्हें सुरक्षित रखने का डिजिटल अकाउंट दिया गया था। विश्वविद्यालय के सभी छात्रों ने अपर क्लास उस पर खोल लिया है। प्रत्येक छात्र में प्रतियां प्रत्येक करने के लिए एक जैसी तक का भंडारण प्रदान किया जाता है। बहु विषयक सर्टीफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्सेज - डिग्री कोर्सेज के प्रत्येक के अनुसार ही विश्वविद्यालय में

बहु विषयक सर्टीफिकेट और डिप्लोमा कोर्सेज भी शुरू किए जा चुके हैं। विद्यार्थी महेश इन्का चयन कर डिग्री कोर्स के साथ अध्ययन कर रहे हैं। गियन एवं देवनागरी में - इस शिक्षा में शोध और कुकर्मों को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में शोध एवं विज्ञान प्रकॉर को स्थापना की जा चुकी है। सामाजिक दृष्टिकोण से प्रासंगिक शोध को नए आकार देने में प्रकॉर द्वारा शोधार्थियों और छात्रों को शोधनरक बहुमूल्य जानकारी उपलब्ध करवाई जाती है। छात्रों को उत्तम अध्ययन में शोधनरक समर्थकों को भी सम्मान भी प्रकॉर द्वारा प्रदान किया है।

क्षेत्रीय भाषाओं में अध्ययन - अध्यापन अभिगम के स्तर को आमन बनाने के साथ ही कम समय में अधिक गुणवत्तापूर्ण जानकारी से सम्पन्न प्राप्त करने के लिए क्षेत्रीय और आधुनिक भाषाओं में अध्ययन और अध्यापन को परंपरा विकसित को का चुकी है। अब दूसरे भाषाओं में अध्ययनरत छात्र भी अन्य भाषाओं को सीख कर अपने ज्ञान और कौशल में बढ़ाव कर रहे हैं। हिन्दू अध्ययन में खलकौलर - समग्र शिक्षा को मूर्त रूप देने के लिए साल 2022 में विश्वविद्यालय द्वारा हिन्दू अध्ययन केंद्र द्वारा स्नातकोत्तर डिग्री करने भी शुरू किया जा चुका है।

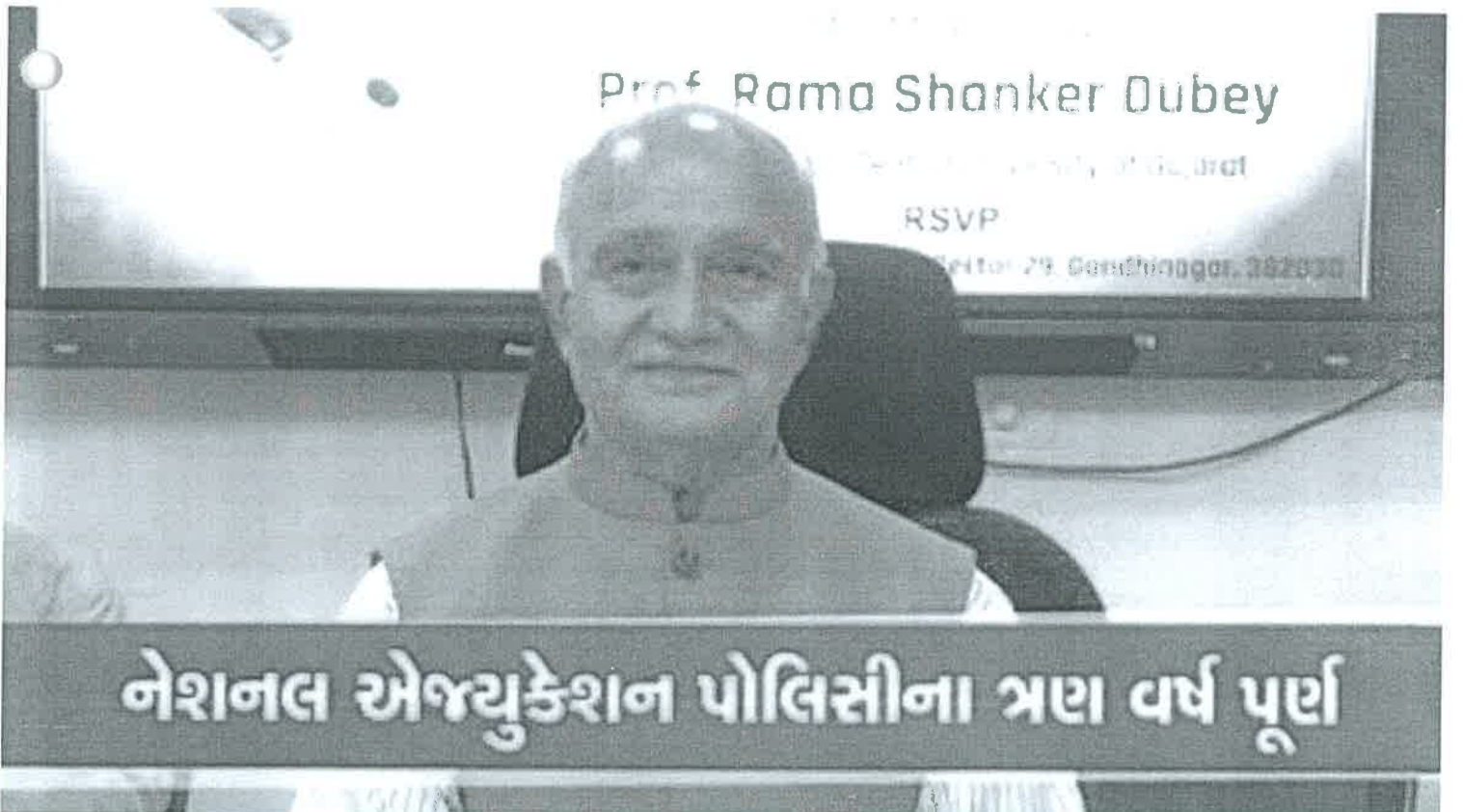
pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat



# રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણ અને સર્વાંગી વિકાસનો માર્ગ મોકળો કરી રહી છે: GCUના VC રમાશંકર દુબે

prc@gcu.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
ગુજરાત ઍનલેસ વિશ્વવિદ્યાલય  
Central University of Gujarat

05:29 PM Jul 26, 2023 IST



[HOME](#)[NATIONAL](#)[INTERNATIONAL](#)

60

[REGIONAL](#)[West](#)

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

# NEP being implemented in its entirety at Gandhinagar-based Central University of Gujarat, says its VC

Updated: Jul 26 2023 7:00PM

Ahmedabad, Jul 26 (PTI) On the completion of three years of the National Education Policy (NEP), the Vice-Chancellor of the Central University of Gujarat (CUG) in Gandhinagar, Prof Rama Shanker Dubey, said the policy is being implemented in its entirety at the university.

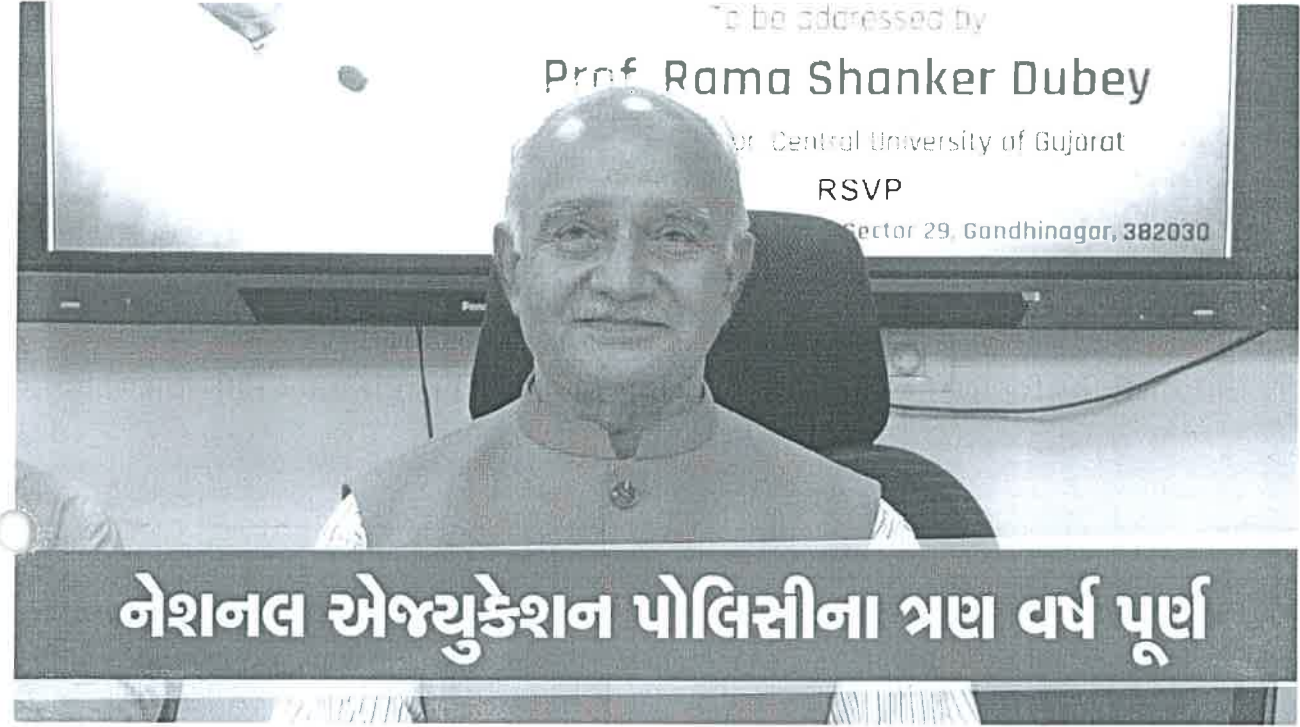
Addressing a press conference at the CUG campus to mark the occasion, Dubey said that in the past three years, the university implemented many key points of the NEP



રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણ અને સર્વાંગી વિકાસનો માર્ગ મોકળો કરી રહી છે: GCUના VC રમાશંકર દુબે

JULY 26 2023

59



ગાંધીનગર: ઉચ્ચ શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં દેશની સમૃદ્ધ પ્રતિભા અને સંસાધનોનો ઉપયોગ કરીને વ્યક્તિ, સમાજ અને રાષ્ટ્રના વિકાસ માટે કાર્ય કરવામાં આવે છે. ભારત વિશ્વમાં સૌથી યુવા વસ્તી ધરાવતો દેશ છે. દેશના યુવાનોને ગુણવત્તાયુક્ત શૈક્ષણિક તકો પૂરી પાડીને જ આત્મનિર્ભર ભારતની કલ્પના સાકાર થઈ શકે છે. જોકે તેમાંથી કેટલી નીતિઓને લઈને સફળતા મળી છે કેટલીને નહીં તે સરકારી આંકડાઓ પર અને લોકોની ઉઠતી માગો પરથી નક્કી કરવું જોઈએ. હાલમાં જ જ્યાં લોકોમાં વર્ગ ખંડને લઈને, શાળાની, શિક્ષકોની માગને લઈને ધ્રુવો ઉઠી રહી છે.

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય  
Central University of Gujarat

ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના VC પ્રો. રમાશંકર દુબેએ આ અંગે કહ્યું કે, રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ 2020 એ આ વિજ્ઞાનને સાકાર કરવા માટે રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિએ સર્વસમાવેશક અને ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણને સુનિશ્ચિત કરવા અને જીવનભર શીખવાની તકોને પ્રોત્સાહન આપવા માટે કાર્યક્ષમ માર્ગ મોકળો કરવા માટે કામ કર્યું છે. નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસીને ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થયા હોવાથી, ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ NEPના ઘણા મુખ્ય મુદ્દાઓને અમલમાં લાવવામાં સફળતા હાંસલ કરી હોવાનો દાવો કર્યો છે.

**પ્રો. રમાશંકર દુબેએ વિવિધ મુદ્દા પર શું કહ્યું?**

યુનિવર્સિટીના વાઇસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબેએ બુધવારે એક પત્રકાર પરિષદમાં જણાવ્યું હતું કે, વ્યક્તિના સંપૂર્ણ વિકાસની કલ્પનાને સર્વત્રાહી શિક્ષણ દ્વારા જ સાકાર કરી શકાય છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ 2020 સમગ્ર વ્યક્તિત્વ વિકાસ માટે વરદાન સાબિત થઈ રહી છે. છેલ્લા ત્રણ વર્ષમાં રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિના ઘણા મુદ્દાઓ યુનિવર્સિટીમાં લાગુ કરવામાં આવ્યા છે, જેમાં નીચેના મુદ્દાઓનો સમાવેશ થાય છે. સર્વત્રાહી શિક્ષણ, .. સમાવેશ, વિદ્યાર્થીને શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં સર્વત્રાહી શિક્ષણનું જ્ઞાન માત્ર શૈક્ષણિક જ્ઞાન માટે જ નહીં પરંતુ તેમના શારીરિક, માનસિક, ભાવનાત્મક, નૈતિક અને સામાજિક જ્ઞાનમાં વધારો કરવા માટે અત્યંત જરૂરી છે. ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ સ્નાતક અને અનુસ્નાતક સ્તરે દરેક સેમેસ્ટર માટે બે કેડિટ કોર્સ લાગુ કર્યા છે. આની મદદથી વિદ્યાર્થીઓને માત્ર અભ્યાસક્રમનું જ નહીં પરંતુ સમગ્ર શિક્ષણનું પણ સંપૂર્ણ જ્ઞાન મળી રહ્યું છે.

**બે કેડિટના 16 મલ્ટિડિસિપ્લિનરી અભ્યાસક્રમ:** યુનિવર્સિટી દ્વારા મલ્ટિડિસિપ્લિનરી પ્રોગ્રામ્સ પણ શરૂ કરવામાં આવ્યા છે. જેમાં નાના વૈકલ્પિક અભ્યાસક્રમોમાં 16 મલ્ટિડિસિપ્લિનરી પ્રોગ્રામ્સ શરૂ કરવામાં આવ્યા છે. વાઇસ ચાન્સેલરે માહિતી આપી હતી કે દરેક કાર્યક્રમને 2 કેડિટનું વેઇટજ આપવામાં આવ્યું છે. યુનિવર્સિટીના વિદ્યાર્થીઓ તેમની રુચિ મુજબ આ મલ્ટિડિસિપ્લિનરી પ્રોગ્રામ્સમાં પ્રવેશ લઈ શકે છે.

**યુનિવર્સિટીની લર્નિંગ મેનેજમેન્ટ સિસ્ટમ:** ક્લાસ-રૂમ અભ્યાસની સાથે ઓનલાઇન શિક્ષણને પ્રોત્સાહન આપવા માટે, યુનિવર્સિટીએ તેની પોતાની લર્નિંગ મેનેજમેન્ટ સિસ્ટમ (LMS) શરૂ કરી છે. આ સાથે વિદ્યાર્થીઓએ કેડિટ ટ્રાન્સફર હેઠળ સ્વયં પોર્ટલ પર પોતાનું રજીસ્ટ્રેશન કરાવ્યું છે. કુલપતિ એ જણાવ્યું કે, ઓનલાઇન કોર્સ પસંદ કરીને વિદ્યાર્થીઓ પણ પોતાની પસંદગીના વિષયોનો અભ્યાસ કરી શકે છે.

**સુરેન્દ્રનગરમાં દલીત સમાજે મણિપુર મામલે કાઢી રેલી: કલેક્ટરને આખું આવેદન**

**DigiLocker સુવિધા:** વિદ્યાર્થીઓને ક્લાઉડમાં એકાઉન્ટ બનાવીને અને તેમને સુરક્ષિત રાખીને શૈક્ષણિક માર્કશીટ અને અન્ય અધિકૃત દસ્તાવેજો અથવા પ્રમાણપત્રો એક્સેસ કરવા માટે ડિજિટલ એકાઉન્ટ આપવામાં આવ્યું હતું. તેના પર યુનિવર્સિટીના તમામ વિદ્યાર્થીઓએ પોતાનું ખાતું ખોલાવ્યું છે. દરેક એકાઉન્ટ નક્કી અપલોડ કરવા માટે એક GB સુધીનો સ્ટોરેજ પ્રદાન કરે છે.

**મલ્ટિડિસિપ્લિનરી સર્ટિફિકેટ અને ડિપ્લોમા કોર્સ:** ડિગ્રી કોર્સના કોર્સેટ મુજબ યુનિવર્સિટીમાં મલ્ટિડિસિપ્લિનરી સર્ટિફિકેટ અને ડિપ્લોમા કોર્સ પણ શરૂ કરવામાં આવ્યા છે. વિદ્યાર્થીઓ ખુશીથી તેમની પસંદગી કરી રહ્યા છે અને ડિગ્રી કોર્સ સાથે અભ્યાસ કરી રહ્યા છે.

**સંશોધન અને વિકાસ સેલ:** ઉચ્ચ શિક્ષણમાં સંશોધન અને નવીનતાને પ્રોત્સાહન આપવા માટે, યુનિવર્સિટીમાં સંશોધન અને વિકાસ સેલની સ્થાપના કરવામાં આવી છે. સામાજિક દૃષ્ટિકોણથી સંબંધિત સંશોધનને નવા પરિમાણો આપવા માટે, કોષ સંશોધકો અને વિદ્યાર્થીઓને મૂલ્યવાન સંશોધન માહિતી પ્રદાન કરે છે. ઉચ્ચ અભ્યાસમાં વિદ્યાર્થીઓની સંશોધન સમસ્યાઓ પણ સેલ દ્વારા ઉકેલવામાં આવે છે.

**પ્રાદેશિક ભાષાઓમાં અધ્યયન-અભ્યાસનું:** અધ્યયનના સ્તરને સરળ બનાવવા તેમજ ઓછા સમયમાં વધુ ગુણવત્તાયુક્ત માહિતીથી સમૃદ્ધ થવા માટે પ્રાદેશિક ભાષાઓમાં અભ્યાસ અને અધ્યાપનની પરંપરા વિકસાવવામાં આવી છે. હવે અન્ય ભાષાઓમાં અભ્યાસ કરતા વિદ્યાર્થીઓ પણ અન્ય ભાષાઓ શીખીને તેમના જ્ઞાન અને કૌશલ્યમાં વધારો કરી શકે છે.

**હિંદુ અભ્યાસમાં અનુસ્નાતક:** સર્વત્રાહી શિક્ષણને નક્કર આકાર આપવા માટે, વર્ષ 2022માં, યુનિવર્સિટીએ સેન્ટર ફોર હિંદુ સ્ટડીઝ દ્વારા અનુસ્નાતક ડિગ્રી અભ્યાસક્રમ પણ શરૂ કર્યો છે.

56

HOME ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN](https://www.theweek.in)) INDIA ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN/NEWS/INDIA.HTML](https://www.theweek.in/news/india.html))

WORLD ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN/NEWS/WORLD.HTML](https://www.theweek.in/news/world.html)) BUSINESS ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN/NEWS/BIZ-TECH.HTML](https://www.theweek.in/news/biz-tech.html))  
 > NATIONAL ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN/WIRE-UPDATES/NATIONAL.HTML](https://www.theweek.in/wire-updates/national.html))  
 > SPORTS ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN/WIRE-UPDATES/SPORTS.HTML](https://www.theweek.in/wire-updates/sports.html))  
 > ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN/WIRE-UPDATES/NATIONAL/2023/07.HTML](https://www.theweek.in/wire-updates/national/2023/07.html))  
 > ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN/WIRE-UPDATES/NATIONAL/2023/07/26.HTML](https://www.theweek.in/wire-updates/national/2023/07/26.html))  
 ENTERTAINMENT ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN/NEWS/ENTERTAINMENT.HTML](https://www.theweek.in/news/entertainment.html))

WEB STORIES ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN/WEB-STORIES.HTML](https://www.theweek.in/web-stories.html)) REVIEWS ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN/REVIEW.HTML](https://www.theweek.in/review.html))SCI/TECH ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN/NEWS/SCI-TECH.HTML](https://www.theweek.in/news/sci-tech.html)) HEALTH ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN/NEWS/HEALTH.HTML](https://www.theweek.in/news/health.html))VIDEOS ([HTTPS://WWW.THEWEEK.IN/VIDEOS.HTML](https://www.theweek.in/videos.html)) MORE

## NEP being implemented in its entirety at Gandhinagar-based Central University of Gujarat says its VC

PTI

Updated: July 26, 2023 18:57 IST

pro@cug.ac.in  
 जनसंपर्क अधिकारी  
 Public Relations Officer  
 गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
 Central University of Gujarat

Ahmedabad, Jul 26 (PTI) On the completion of three years of the National Education Policy (NEP), the Vice-Chancellor of the Central University of Gujarat (CUG) in Gandhinagar, Prof Rama Shanker Dubey, said the policy is being implemented in its entirety at the university. Addressing a press conference at the CUG campus to mark the occasion, Dubey said that in the past three years, the university implemented many key points of the NEP 2020, such as introduction of multidisciplinary certificate and diploma courses.

Comprehensive education is the key to the holistic development of an individual, he said.

"This university has introduced multidisciplinary programs as part of minor electives. These programs offer 16 different subject options in short elective courses. Each program carries a weightage of two credits. Students are opting for these multidisciplinary programs based on their interests," the VC was quoted as saying in the release.

As suggested in the NEP, it is essential for students to receive not only academic knowledge but also an enhancement in their physical, mental, emotional, moral, and social knowledge for comprehensive education, he said.

Besides classroom-based learning, the university has implemented its own Learning Management System (LMS) to promote online learning. Under credit transfer, students have already registered on the 'Swayam' portal, Dubey said.

Students have been provided with a cloud-based digital account to securely store their academic mark sheets and other valid documents or certificates.

The university has started multidisciplinary certificate and diploma courses that complement the format of degree courses, he said, adding that a Research and Development Cell has been started to promote research and innovation in higher education.

As suggested in the policy, the university has started teaching and learning in regional languages. It has also started a post graduation degree course in Hindu Studies, he said.

*(This story has not been edited by THE WEEK and is auto-generated from PTI)*

### ALSO READ



'India ready to cross LoC if needed': Rajnath Singh on Kargil Vijay Diwas  
<https://www.theweek.in/news/india/2023/07/26/india-ready-to-cross-loc-if-needed-rajnath-singh-on-kargil-vijay-diwas.html>



## NEP being implemented in its entirety at Gandhinagar-based Central University of Gujarat, says its VC

The university has started multidisciplinary certificate and diploma courses that complement the format of degree courses, he said, adding that a Research and Development Cell has been started to promote research and innovation in higher education. As suggested in the policy, the university has started teaching and learning in regional languages.

PTI | Ahmedabad | Updated: 26-07-2023 18:48 IST | Created: 26-07-2023 18:48 IST



57

pr@ug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

Country: India

SHARE



On the completion of three years of the National Education Policy (NEP), the Vice-Chancellor of the Central University of Gujarat (CUG) in Gandhinagar, Prof Rama Shanker Dubey, said the policy is being implemented in its entirety at the university.

Addressing a press conference at the CUG campus to mark the occasion, Dubey said that in the past three years, the university implemented many key points of the NEP 2020, such as introduction of multidisciplinary certificate and diploma courses.

Comprehensive education is the key to the holistic development of an individual, he said.

"This university has introduced multidisciplinary programs as part of minor electives. These programs offer 16 different subject options in short elective courses. Each program carries a weightage of two credits. Students are opting for these multidisciplinary programs based on their interests," the VC was quoted as saying in the release.

As suggested in the NEP, it is essential for students to receive not only academic knowledge but also an enhancement in their physical, mental, emotional, moral, and social knowledge for comprehensive education, he said. Besides classroom-based learning, the university has implemented its own Learning Management System (LMS) to promote online learning. Under credit transfer, students have already registered on the 'Swayam' portal, Dubey said.

Students have been provided with a cloud-based digital account to securely store their academic mark sheets and other valid documents or certificates. The university has started multidisciplinary certificate and diploma courses that complement the format of degree courses, he said, adding that a Research and Development Cell has been started to promote research and innovation in higher education.

As suggested in the policy, the university has started teaching and learning in regional languages. It has also started a post graduation degree course in Hindu Studies, he said.

(This story has not been edited by Devdiscourse staff and is auto-generated from a syndicated feed.)



માનવ સંસાધન વિકાસ મંત્રાલય



56

રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણ અને સર્વાંગી વિકાસનો માર્ગ મોકળો કરી રહી છે: પ્રો. રમાશંકર દુબે

CUUGમાં રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિનો સંપૂર્ણ અમલ કરવામાં આવી રહ્યો છે

નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસીના ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થવા પર સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે પત્રકાર પરિષદનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું

pro@cuug.ac.in  
જનસંપર્ક અધિકારી  
Public Relations Officer  
ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય  
Central University of Gujarat

Posted On: 26 JUL 2023 5:13PM by PIB Ahmedabad



ઉચ્ચ શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં દેશની સમૃદ્ધ પ્રતિભા અને સંસાધનોનો ઉપયોગ કરીને વ્યક્તિ, સમાજ અને રાષ્ટ્રના વિકાસ માટે કાર્ય કરવામાં આવે છે ભારત વિશ્વમાં સૌથી યુવા વસ્તી ધરાવતો દેશ છે. દેશના યુવાનોને ગુણવત્તાયુક્ત શૈક્ષણિક તકો પૂરી પાડીને જ આત્મનિર્ભર ભારતની કલ્પના સાકાર થઇ શકે છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ 2020 એ આ વિઝનને સાકાર કરવા માટે મજબૂત પાયો નાખ્યો છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિએ સર્વસમાવેશક અને ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણને સુનિશ્ચિત કરવા અને જીવનભર શીખવાની તકોને પ્રોત્સાહન આપવા માટે કાર્યક્ષમ માર્ગ મોકળો કરવા માટે કામ કર્યું છે. નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસીને ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થયા હોવાથી, ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ NEPના ઘણા મુખ્ય મુદ્દાઓને અમલમાં લાવવામાં સફળતા હાંસલ કરી છે. યુનિવર્સિટીના વાઇસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબેએ બુધવારે એક પત્રકાર પરિષદમાં જણાવ્યું હતું કે વ્યક્તિના સંપૂર્ણ વિકાસની કલ્પનાને સર્વગ્રાહી શિક્ષણ દ્વારા જ સાકાર કરી શકાય છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ માં સમગ્ર વ્યક્તિત્વ વિકાસ માટે વરદાન સાબિત થઇ રહી છે. છેલ્લા ત્રણ વર્ષમાં રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિના ઘણા મુદ્દાઓ યુનિવર્સિટીમાં લાગુ કરવામાં આવ્યા છે, જેમાં નીચેના મુદ્દાઓનો સમાવેશ થાય છે.

સર્વગ્રાહી શિક્ષણનો સમાવેશ: વિદ્યાર્થીને શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં સર્વગ્રાહી શિક્ષણનું જ્ઞાન માત્ર શૈક્ષણિક જ્ઞાન માટે જ નહીં પરંતુ તેમના શારીરિક, માનસિક, ભાવનાત્મક, નૈતિક અને સામાજિક જ્ઞાનમાં વધારો કરવા માટે અત્યંત જરૂરી છે. ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ સ્નાતક અને અનુસ્નાતક સ્તરે દરેક સેમેસ્ટર માટે બે કેડિટ કોર્સ લાગુ કર્યા છે. આની મદદ, વિદ્યાર્થીઓને માત્ર અભ્યાસક્રમનું જ નહીં પરંતુ સમગ્ર શિક્ષણનું પણ સંપૂર્ણ જ્ઞાન મળી રહ્યું છે.

બે કેડિટના 16 મલ્ટિડિસિપ્લિનરી અભ્યાસક્રમ : યુનિવર્સિટી દ્વારા મલ્ટિડિસિપ્લિનરી પ્રોગ્રામ્સ પણ શરૂ કરવામાં આવ્યા છે. જેમાં નાના વૈકલ્પિક અભ્યાસક્રમોમાં 16 મલ્ટિડિસિપ્લિનરી પ્રોગ્રામ્સ શરૂ કરવામાં આવ્યા છે. વાઇસ ચાન્સેલરે માહિતી આપી હતી કે દરેક કાર્યક્રમને 7 કેડિટનું વેઇટજ આપવામાં આવ્યું છે. યુનિવર્સિટીના વિદ્યાર્થીઓ તેમની રુચિ મુજબ આ મલ્ટિડિસિપ્લિનરી પ્રોગ્રામ્સમાં પ્રવેશ લઇ રહ્યા છે.

યુનિવર્સિટીની લર્નિંગ મેનેજમેન્ટ સિસ્ટમ: ક્લાસ-રૂમ અભ્યાસની સાથે ઓનલાઇન શિક્ષણને પ્રોત્સાહન આપવા માટે, યુનિવર્સિટીએ તેની પોતાની લર્નિંગ મેનેજમેન્ટ સિસ્ટમ (LMS) શરૂ કરી છે. આ સાથે વિદ્યાર્થીઓએ કેડિટ ટ્રાન્સક્રિપ્ટ ડેકન સ્વયં પોર્ટલ પર પોતાનું રજીસ્ટ્રેશન કરાવ્યું છે. કુલપતિ શ્રી એ જણાવ્યું કે, ઓનલાઇન કોર્સ પસંદ કરીને વિદ્યાર્થીઓ પણ પોતાની પસંદગીના વિષયોનો અભ્યાસ કરી રહ્યા છે.

DigiLocker સુવિધા: વિદ્યાર્થીઓને ક્લાઉડમાં એકાઉન્ટ બનાવીને અને તેમને સુરક્ષિત રાખીને શૈક્ષણિક માર્કશીટ અને અન્ય અધિકૃત દસ્તાવેજો અથવા પ્રમાણપત્રો એક્સેસ કરવા માટે ડિજિટલ એકાઉન્ટ આપવામાં આવ્યું હતું. તેના પર યુનિવર્સિટીના તમામ વિદ્યાર્થીઓએ પોતાનું ખાતું ખોલાવ્યું છે. દરેક એકાઉન્ટ નક્કી અપલોડ કરવા માટે એક GB સુધીનો સ્ટોરેજ પ્રદાન કરે છે.

મલ્ટિડિસિપ્લિનરી સર્ટિફિકેટ અને ડિપ્લોમા કોર્સ: ડિગ્રી કોર્સના ફોર્મેટ મુજબ યુનિવર્સિટીમાં મલ્ટિડિસિપ્લિનરી સર્ટિફિકેટ અને ડિપ્લોમા કોર્સ પણ શરૂ કરવામાં આવ્યા છે. વિદ્યાર્થીઓ ખુશીથી તેમની પસંદગી કરી રહ્યા છે અને ડિગ્રી કોર્સ સાથે અભ્યાસ કરી રહ્યા છે.

સંશોધન અને વિકાસ સેલ: ઉચ્ચ શિક્ષણમાં સંશોધન અને નવીનતાને પ્રોત્સાહન આપવા માટે, યુનિવર્સિટીમાં સંશોધન અને વિકાસ સેલની સ્થાપના કરવામાં આવી છે. સામાજિક દૃષ્ટિકોણથી સંબંધિત સંશોધનને નવા પરિમાણો આપવા માટે, કોષ સંશોધકો અને વિદ્યાર્થીઓને મૂલ્યવાન સંશોધન માહિતી પ્રદાન કરે છે. ઉચ્ચ અભ્યાસમાં વિદ્યાર્થીઓની સંશોધન સમસ્યાઓ પણ સેલ દ્વારા ઉકેલવામાં આવે છે.

પ્રાદેશિક ભાષાઓમાં અધ્યયન-અધ્યાપન: અધ્યયનના સ્તરને સરળ બનાવવા તેમજ ઓછા સમયમાં વધુ ગુણવત્તાયુક્ત માહિતીથી સમૃદ્ધ થવા માટે પ્રાદેશિક ભાષાઓમાં અભ્યાસ અને અધ્યાપનની પરંપરા વિકાસવામાં આવી છે. હવે અન્ય ભાષાઓમાં અભ્યાસ કરતા વિદ્યાર્થીઓ પણ અન્ય ભાષાઓ શીખીને તેમના જ્ઞાન અને કૌશલ્યમાં વધારો કરી રહ્યા છે.

હિંદુ અભ્યાસમાં અનુસ્નાતક: સર્વગ્રાહી શિક્ષણને નક્કર ખાકાર આપવા માટે વર્ષ 2012માં, યુનિવર્સિટીએ સેન્ટર ફોર હિંદુ સ્ટડીઝ દ્વારા અનુસ્નાતક ડિગ્રી અભ્યાસક્રમ પણ શરૂ કર્યો છે.

CB/GP



53

## NEP being implemented in its entirety at Gandhinagar-based Central University of Gujarat, says its VC

PTI 26 July 2023 07:07 pm IST



Text Size: A- A+

Ahmedabad, Jul 26 (PTI) On the completion of three years of the National Education Policy (NEP), the Vice-Chancellor of the Central University of Gujarat (CUG) in Gandhinagar, Prof Rama Shanker Dubey, said the policy is being implemented in its entirety at the university.

Addressing a press conference at the CUG campus to mark the occasion, Dubey said that in the past three years, the university implemented many key points of the NEP 2020, such as introduction of multidisciplinary certificate and diploma courses.

Comprehensive education is the key to the holistic development of an individual, he said.

"This university has introduced multidisciplinary programs as part of minor electives. These programs offer 16 different subject options in short elective courses. Each program carries a weightage of two credits. Students are opting for these multidisciplinary programs based on their interests," the VC was quoted as saying in the release.

As suggested in the NEP, it is essential for students to receive not only academic knowledge but also an enhancement in their physical, mental, emotional, moral, and social knowledge for comprehensive education, he said.

Besides classroom-based learning, the university has implemented its own Learning Management System (LMS) to promote online learning. Under credit transfer, students have already registered on the 'Swayam' portal, Dubey said.

Students have been provided with a cloud-based digital account to securely store their academic mark sheets and other valid documents or certificates.

The university has started multidisciplinary certificate and diploma courses that complement the format of degree courses, he said, adding that a Research and Development Cell has been started to promote research and innovation in higher education.

As suggested in the policy, the university has started teaching and learning in regional languages. It has also started a post graduation degree course in Hindu Studies, he said.  
PTI PJT NP

*This report is auto-generated from PTI news service. ThePrint holds no responsibility for its content.*

Subscribe to our channels on YouTube & Telegram

### Support Our Journalism

India needs fair, non-hyphenated and questioning journalism, packed with on-ground reporting. ThePrint – with exceptional reporters, columnists and editors – is doing just that.

Sustaining this needs support from wonderful readers like you.

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat



(/)

[HOME \(/\)](#)[NATIONAL \(/NEWS/NATIONAL/\)](#)[INTERNATIONAL \(/NEWS/INTERNATIONAL/\)](#)[BUSINESS \(/\)](#)

54

Search...

[REGIONAL](#)[West](#)

## NEP being implemented in its entirety at Gandhinagar-based Central University of Gujarat, says its VC

Updated: Jul 26 2023 7:00PM

Ahmedabad, Jul 26 (PTI) On the completion of three years of the National Education Policy (NEP), the Vice-Chancellor of the Central University of Gujarat (CUG) in Gandhinagar, Prof Rama Shanker Dubey, said the policy is being implemented in its entirety at the university.

Addressing a press conference at the CUG campus to mark the occasion, Dubey said that in the past three years, the university implemented many key points of the NEP 2020, such as introduction of multidisciplinary certificate and diploma courses.

Comprehensive education is the key to the holistic development of an individual, he said.

[Please log in to get detailed story.](#)

### TOP NEWS

['Red diary' latest product of Cong's 'loot ki dukan', will defeat party in elections: PM in Sikar \(/news/national/617707.html\)](#)[Will take enemy bullets in chest, not back: Kargil martyr's last words to his mother \(/news/national/617686.html\)](#)[China rolls over USD 2.4 billion loan to its key ally Pakistan \(/news/international/617651.html\)](#)[Macroeconomic, geopolitical conditions pose severe risks to organisations: Survey \(/news/business/617603.html\)](#)[Indian crew member killed, 20 injured as cargo ship with 3,000 cars catches fire off Dutch coast \(/news/international/617573.html\)](#)[Rupee rises 10 paise to 81.91 against US dollar in early trade \(/news/national/617560.html\)](#)[Pakistan criticises Defence Minister Rajnath Singh's LoC crossing remarks \(/news/international/617541.html\)](#)

**PTI PRESS TRUST OF INDIA**  
India's Premier News Agency

[Home \(https://www.ptinews.com/\)](https://www.ptinews.com/)[Bhasha \(https://bhasha.ptinews.com/\)](https://bhasha.ptinews.com/)[About Us \(/NewAboutus.aspx\)](#)[Contact Us \(/Contact-Us-form.html\)](#)[Corrections Policy \(/corrections-policy.aspx\)](#)[Terms Of Use \(/termsofuse.html\)](#)[Sitemap \(/sitemap.aspx\)](#)

The Press Trust Of India Ltd.

PTI building 4, Parliament Street, New Delhi-110 001

© PTI 2021, All Right Reserved

Designed by: 4c Plus (<http://www.4cplus.com/>)

[prc@cug.ac.in](mailto:prc@cug.ac.in)  
जयसंघके अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat



## G20 will promote universality of unity in the world: MEA official

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात कर्तव्य विद्यापीठम्  
Gujarat University of Culture

Ahmedabad: G20 will promote the universality of unity in the world, Sanjay Bhattacharya, Secretary of Economic Relations, Ministry of External Affairs, asserted on Monday. "G20 was born during an economic crisis in the late 1990s, which drew attention to the ability of the G7 to decide the fate of the world economy. It resulted in the birth of the G8 and eventually the G20," Bhattacharya said. He was addressing a G20 event. **ENS**

सीयूजी में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम

# दुनिया में एकता की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देगा जी-20 : भट्टाचार्य

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

गांधीनगर, जी-20 दुनिया में एकता की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देगा। जी-20 दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी और सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। विदेश मंत्रालय में आर्थिक संबंधों के सचिव और राजदूत संजय भट्टाचार्य ने सोमवार को गांधीनगर स्थित गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट- इंगेजिंग यंग माइंड्स कार्यक्रम को संबोधित करते समय यह बात कही। देशभर में जी-



20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट- इंगेजिंग यंग

माइंड्स कार्यक्रम विदेश मंत्रालय और रिसर्च एंड इंफोर्मेशन सिस्टम (आरआईएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि जी-20 का

गठन 1990 के दशक के अंत में एक आर्थिक संकट के दौरान हुआ था, जिसने विश्व अर्थव्यवस्था के भाग्य का फैसला करने को जी-7 की क्षमता की ओर ध्यान आकर्षित किया। इसके चलते जी-8 और अंततः जी-20 का गठन हुआ। जी-20 दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी और दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है।

भट्टाचार्य ने कहा कि कनेक्ट कार्यक्रम के जरिए देशभर में स्टूडेंट्स से संवाद किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में ग्रीन एनर्जी

ट्रांजिशन, ग्लोबल सप्लाय चेन, स्पेस एंड साइबर, खाद्य सुरक्षा, वित्तीय शासन का लोकतंत्रीकरण और लाइफस्टाइल जैसे मुद्दों पर युवाओं की राय और उनके विचारों को जोड़ा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की थीम पर जी-20 कार्यक्रम का आयोजन पूरे देश भर में हो रहा है। जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट की नेशनल स्टेयरिंग कमेटी के सदस्य प्रो. मनीष ने कहा कि गुजरात के पांच विश्वविद्यालयों का चयन इसके लिए किया गया था। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय को भी इनमें शामिल

किया गया है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान एवं तकनीक का है, ऐसे में युवाओं को शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने की आवश्यकता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने कहा कि आने वाले समय में जी-20 के परिणामों में तेजी आने से समावेशी विकासात्मक प्रगति की राह सुनिश्चित होगी।





TUESDAY 18.07.2023

# સંદેશ CityLife

અમદાવાદની આજ અને કાલ...

page no. 1

www.sandesh.com

pro@cug.ac.in

जनसंपर्क अधिकारी

Public Relations Officer

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Gujarat

## G-૨૦ વિશ્વની લગભગ બે તૃતીયાંશ વસ્તી અને વિશ્વના GDP ના ૮૦ ટકાનું પ્રતિનિધિત્વ કરે છે

સિટી લાઇફ । સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે G-૨૦ યુનિવર્સિટી કનેક્ટ-એન્ગેજિંગ યંગ માઈન્ડ્સ કાર્યક્રમનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. વિદેશ મંત્રાલય અને સંશોધન અને માહિતી પ્રણાલી (RIS)ના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત આ કાર્યક્રમમાં વિદેશ મંત્રાલયના આર્થિક સંબંધોના સચિવ રાજદૂત સંજય ભટ્ટાચાર્ય મુખ્ય અતિથિ તરીકે ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. સંજય ભટ્ટાચાર્યએ કહ્યું કે, G-૨૦ના જન્મ ૧૯૯૦ના દાયકાના અંતમાં આર્થિક કટોકટી દરમિયાન થયો હતો. જેણે G-૭ ની વિશ્વ અર્થવ્યવસ્થાનું ભાવિ નક્કી કરવાની ક્ષમતા તરફ ધ્યાન દોર્યું. પરિણામે G-૨૦, -૮ અને આખરે G-૨૦ નો જન્મ થયો. G-૨૦ વિશ્વની લગભગ બે તૃતીયાંશ વસ્તી અને વિશ્વના GDP ના ૮૦ ટકાનું પ્રતિનિધિત્વ કરે છે. કનેક્ટ પ્રોગ્રામ દ્વારા દેશભરના વિદ્યાર્થીઓ સાથે વાનચીત કરવામાં આવી રહી છે. આ કાર્યક્રમોમાં શ્રીનંદન ટ્રાન્ઝિશન, ગ્લોબલ સપ્લાય ચેઇન, સ્પેસ એન્ડ સાયબર, ફૂડ સિક્યુરિટી, ક્લોનાયિયલ ગવર્નન્સનું લોકશાહીકરણ અને જીવનશૈલી જેવા મુદ્દાઓ પર યુવાનોના અભિપ્રાય અને તેમના મંતવ્યો ઉભરવામાં આવી રહ્યા છે.



### G-૨૦ કાર્યક્રમ દેશભરમાં 'વન અર્થ, વન ફેમિલી, વન ફ્યુચર'ની થીમ આયોજિત છે

G-૨૦ કાર્યક્રમ દેશભરમાં 'વન અર્થ, વન ફેમિલી, વન ફ્યુચર'ની થીમ પર આયોજિત કરવામાં આવી રહ્યો છે. G-૨૦ યુનિવર્સિટી કનેક્ટની રાષ્ટ્રીય સંચાલન સમિતિના સભ્ય પ્રો. મનીષે જણાવ્યું કે આ માટે ગુજરાતની પાંચ યુનિવર્સિટીની પસંદગી કરવામાં આવી હતી. જેમાં ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતનો પણ સમાવેશ કરવામાં આવ્યો છે. આ પ્રસંગે યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે આવનારો સમય વિજ્ઞાન અને ટેકનોલોજીનો છે. આવી સ્થિતિમાં યુવાનોએ સશોધન ક્ષેત્રે ઉત્તમ કાર્ય કરવાની જરૂર છે. આ પ્રસંગે યુનિવર્સિટીના રજિસ્ટ્રાર પ્રો. એચ બી. પટેલે કહ્યું હતું કે આગામી સમયમાં G-૨૦ પરિણામોની ઝડપ સર્વસમાવેશક વિકાસલક્ષી પ્રગતિના માર્ગને સુનિશ્ચિત કરશે.

511



pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

सीयूजी में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम

# दुनिया में एकता की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देगा जी-20 : भट्टाचार्य

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patnika.com

गांधीनगर, जी-20 दुनिया में एकता की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देगा। जी-20 दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी और सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। विदेश मंत्रालय में आर्थिक संबंधों के सचिव और राजदूत संजय भट्टाचार्य ने सोमवार को गांधीनगर स्थित गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट- इंगेजिंग यंग माइंड्स कार्यक्रम को संबोधित करते समय यह बात कही। देश भर में जी-



20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट- इंगेजिंग यंग

माइंड्स कार्यक्रम विदेश मंत्रालय और रिसर्च एंड इंफोर्मेशन सिस्टम (आरआईएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि जी-20 का

गठन 1990 के दशक के अंत में एक आर्थिक संकट के दौरान हुआ था, जिसने विश्व अर्थव्यवस्था के भाग्य का फैसला करने को जी-7 की क्षमता की ओर ध्यान आकर्षित किया। इसके चलते जी-8 और अंततः जी-20 का गठन हुआ। जी-20 दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी और दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है।

भट्टाचार्य ने कहा कि कनेक्ट कार्यक्रम के जरिए देश भर में स्टूडेंट्स से संवाद किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में ग्रीन एनर्जी

ट्रांजिशन, ग्लोबल सफाई चैन, स्पेस एंड साइबर, खाद्य सुरक्षा, वित्तीय शासन का लोकतंत्रीकरण और लाइफस्टाइल जैसे मुद्दों पर युवाओं की राय और उनके विचारों को जोड़ा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की थीम पर जी-20 कार्यक्रम का आयोजन पूरे देश भर में हो रहा है। जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट की नेशनल स्टेयरिंग कमेटी के सदस्य प्रो. मनीष ने कहा कि गुजरात के पांच विश्वविद्यालयों का चयन इसके लिए किया गया था। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय को भी इनमें शामिल

किया गया है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान एवं तकनीक का है, ऐसे में युवाओं को शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने की आवश्यकता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने कहा कि आने वाले समय में जी-20 के परिणामों में तेजी आने से समावेशी विकासात्मक प्रगति की राह सुनिश्चित होगी।



दैनिक

sanjeevnitoday.com

f 8

# संजीवनी टुडे

समय के साथ बढ़ता अखबार

जयपुर, मंगलवार, 18 जुलाई 2023

## दुनिया में एकता की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देगा जी-20 : संजय भट्टाचार्य

■ संजीवनी टुडे

गांधीनगर। देश भर में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में सोमवार को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट- इंगेजिंग यंग माइंड्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विदेश मंत्रालय और रिसर्च एंड इन्फार्मेशन सिस्टम (आरआईएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विदेश मंत्रालय में आर्थिक संबंधों के सचिव और राजदूत संजय भट्टाचार्य बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जी-20 का जन्म 1990 के दशक के अंत में एक आर्थिक संकट के दौरान हुआ था, जिसने विश्व अर्थव्यवस्था के भाग्य का फैसला करने को जी-7 की क्षमता की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिसके परिणामस्वरूप जी-8 और अंततः जी-20 का जन्म हुआ। उन्होंने कहा कि जी-20 दुनिया की लगभग दो-तिहाई



आबादी और दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। भट्टाचार्य ने कहा कि कनेक्ट कार्यक्रम के जरिए देशभर में स्टूडेंट्स रो संवाद किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन, ग्लोबल सालाई चैन, सोस एंड साइबर, खाद्य सुरक्षा, वित्तीय शासन का लोकतंत्रीकरण और लाइफस्टाइल जैसे मुद्दों पर युवाओं की राय और उनके विचारों को जोड़ा जा रहा

है। कार्यक्रम की शुरुआत गां राखवती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। उल्लेखनीय है कि 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की थीम पर जी-20 कार्यक्रम का आयोजन पूरे देश भर में हो रहा है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने कहा कि आने वाले समय में जी-20 के परिणामों में तेजी आने से समवावेशी विकासवात्मक प्रगति की राह सुनिश्चित होगी।

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

49



pro@cvu.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat



# समाचार जगत

मंगलवार

जयपुर, 18 जुलाई 2023, श्रावण शुक्ल पक्ष प्रतिपदा संवत् 2080

पृष्ठ 8 पर

अल्कारेज  
शीर्ष पर  
बरकरार



## ‘दुनिया में एकता की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देगा जी-20’

**जी-20 यूनिवर्सिटी  
कनेक्ट कार्यक्रम में बोले  
राजदूत संजय भट्टाचार्य**

गांधीनगर, समाचार जगत ब्यूरो. देश भर में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में सोमवार को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट- इंगेजिंग यंग साइड्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विदेश मंत्रालय और रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम (आरआईएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विदेश मंत्रालय में आर्थिक संबंधों के सचिव और राजदूत संजय भट्टाचार्य बतौर मुख्य



अतिथि शामिल हुए। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जी-20 का जन्म 1990 के दशक के अंत में एक आर्थिक संकट के दौरान हुआ था, जिसने विश्व अर्थव्यवस्था के भाग्य का फैसला करने को जी-7 की

क्षमता को ओर ध्यान आकर्षित किया, जिसके परिणामस्वरूप जी-8 और अंततः जी-20 का जन्म हुआ। उन्होंने कहा कि जी-20 दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी और दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत

का प्रतिनिधित्व करता है। भट्टाचार्य ने कहा कि कनेक्ट कार्यक्रम के जरिए देशभर में स्टूडेंट्स से संवाद किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन, ग्लोबल सप्लाय चेन, स्पेस एंड साइबर, खाद्य सुरक्षा, वित्तीय शासन का लोकतंत्रीकरण और लाइफस्टाइल जैसे मुद्दों पर युवाओं की राय और उनके विचारों को जोड़ा जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। उल्लेखनीय है कि ‘एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य’ की थीम पर जी-20 कार्यक्रम का आयोजन पूरे देश भर में हो रहा है। जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट की नेशनल स्टैयरिंग कमिटी के

सदस्य प्रो. मनीष ने बताया कि गुजरात के पांच विश्वविद्यालयों का चयन इसके लिए किया गया था। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय को भी इनमें शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूवे ने बताया कि आने वाला समय विज्ञान एवं तकनीक का है, ऐसे में युवाओं को शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने की आवश्यकता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने कहा कि आने वाले समय में जी-20 के परिणामों में तेजी आने से समावेशी विकासात्मक प्रगति की राह सुनिश्चित होगी।

Handwritten signature or mark.



# बिजनेस रेमेडीज

वर्ष : 10 | अंक : 195 भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा शिक्षापत्रों के लिए स्वीकृत

व्यापार एवं विकास की आवाज

मूल्य : 3 रुपये | पृष्ठ : 8

दैनिक

www.businessremedies.com

जयपुर। मंगलवार 18 जुलाई, 2023

## दुनिया में एकता की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देगा जी-20 : संजय भट्टाचार्य

बिजनेस रेमेडीज/गांधीनगर।

देश भर में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में सोमवार को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट- इंजिनिंग यंग माइंड्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विदेश मंत्रालय और रिसर्च एंड इफॉर्मेशन सिस्टम (आरआईएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विदेश मंत्रालय में आर्थिक संबंधों के सचिव और राजदूत संजय भट्टाचार्य वतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने सभा को संबोधित करते



हुए कहा कि जी-20 का जन्म 1990 के दशक के अंत में एक आर्थिक संकट के दौरान हुआ था, जिसने विश्व अर्थव्यवस्था के भाग्य का फैसला करने को जी-7 की क्षमता की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिसके परिणामस्वरूप जी-8 और

अंततः जी-20 का जन्म हुआ। उन्होंने कहा कि जी-20 दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी और दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। भट्टाचार्य ने कहा कि कनेक्ट कार्यक्रम के जरिए देशभर में स्टूडेंट्स से

संवाद किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन, ग्लोबल सप्लाय चेन, स्पेस एंड साइबर, खाद्य सुरक्षा, वित्तीय शासन का लोकतंत्रीकरण व लाइफस्टाइल जैसे मुद्दों पर युवाओं की राय और उनके विचारों को जोड़ा जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। उल्लेखनीय है कि 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की थीम पर जी-20 कार्यक्रम का आयोजन पूरे देश भर में हो रहा है। जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट की नेशनल स्टैयरिंग कमेटी के सदस्य प्रो. मनीष ने बताया कि गुजरात के पांच विश्वविद्यालयों का चयन

इसके लिए किया गया था। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय को भी इनमें शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने बताया कि आने वाला समय विज्ञान एवं तकनीक का है, ऐसे में युवाओं को शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने की आवश्यकता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने कहा कि आने वाले समय में जी-20 के परिणामों में तेजी आने से समावेशी विकासात्मक प्रगति की राह सुनिश्चित होगी।

48

ગાંધીનગર ખાતે આવેલ સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી  
ઓફ ગુજરાત દ્વારા #G20 અંતર્ગત  
"ENGAGING YOUNG Minds" સંવાદ  
કાર્યક્રમનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું

કાર્યક્રમમાં ભારતીય એમ્બેસેડર સંજય  
ભટ્ટાચાર્ય અને યુનિવર્સિટીના વાઇસ  
ચાન્સેલર પ્રો.રામા શંકર દુબેએ વિદ્યાર્થીઓ  
સાથે ચર્ચા કરી હતી

@PROCUG1

Translate Tweet





ગાંધીનગર ખાતે આવેલ સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી  
ઓફ ગુજરાત દ્વારા #G20 અંતર્ગત  
"ENGAGING YOUNG Minds" સંવાદ  
કાર્યક્રમનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું

કાર્યક્રમમાં ભારતીય એમ્બેસેડર સંજય  
ભટ્ટાચાર્ય અને યુનિવર્સિટીના વાઇસ  
ચાન્સેલર પ્રો.રામા શંકર દુબેએ વિદ્યાર્થીઓ  
સાથે ચર્ચા કરી હતી

@PROCUG1

Translate Tweet

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
ગુજરાત બોર્ડીંગ વિદ્યાપિઠાલય  
Central University of Gujarat



सीयूजी में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम

## दुनिया में एकता की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देगा जी-20 : भट्टाचार्य

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

गांधीनगर, जी-20 दुनिया में एकता की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देगा। जी-20 दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी और सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। विदेश मंत्रालय में आर्थिक संबंधों के सचिव और राजदूत संजय भट्टाचार्य ने सोमवार को गांधीनगर स्थित गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट- इंग्लिश यंग माइंड्स कार्यक्रम को संबोधित करते समय यह बात कही। देशभर में जी-



20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट- इंग्लिश यंग

माइंड्स कार्यक्रम विदेश मंत्रालय और रिसर्च एंड इंफोर्मेशन सिस्टम (आरआईएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि जी-20 का

गठन 1990 के दशक के अंत में एक आर्थिक संकट के दौरान हुआ था, जिसने विश्व अर्थव्यवस्था के भाग्य का फैसला करने को जी-7 की क्षमता की ओर ध्यान आकर्षित किया। इसके चलते जी-8 और अंततः जी-20 का गठन हुआ। जी-20 दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी और दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है।

भट्टाचार्य ने कहा कि कनेक्ट कार्यक्रम के जरिए देशभर में स्टूडेंट्स से संवाद किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में, ग्रीन एनर्जी

ट्रांजिशन, ग्लोबल सप्लाय चेन, स्पेस एंड साइबर, खाद्य सुरक्षा, वित्तीय शासन का लोकतंत्रीकरण और लाइफस्टाइल जैसे मुद्दों पर युवाओं की राय और उनके विचारों को जोड़ा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की थीम पर जी-20 कार्यक्रम का आयोजन पूरे देश भर में हो रहा है। जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट की नेशनल स्टेयरिंग कमेटी के सदस्य प्रो. मनीष ने कहा कि गुजरात के पांच विश्वविद्यालयों का चयन इसके लिए किया गया था। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय को भी इनमें शामिल

किया गया है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान एवं तकनीक का है, ऐसे में युवाओं को शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने की आवश्यकता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने कहा कि आने वाले समय में जी-20 के परिणामों में तेजी आने से समावेशी विकासात्मक प्रगति की राह सुनिश्चित होगी।

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat



45



The Indian Express Date: 18/07/2023

**G20 will promote  
universality of  
unity in the world:  
MEA official**

Ahmedabad: G20 will promote the universality of unity in the world, Sanjay Bhattacharya, Secretary of Economic Relations, Ministry of External Affairs, asserted on Monday. "G20 was born during an economic crisis in the late 1990s, which drew attention to the ability of the G7 to decide the fate of the world economy. It resulted in the birth of the G8 and eventually the G20," Bhattacharya said. He was addressing a G20 event. ENS

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat



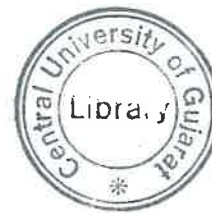
44

The Indian Express Date: 18/07/2023

**G20 will promote  
universality of  
unity in the world:  
MEA official**

Ahmedabad: G20 will promote the universality of unity in the world, Sanjay Bhattacharya, Secretary of Economic Relations, Ministry of External Affairs, asserted on Monday. "G20 was born during an economic crisis in the late 1990s, which drew attention to the ability of the G7 to decide the fate of the world economy. It resulted in the birth of the G8 and eventually the G20," Bhattacharya said. He was addressing a G20 event. ENS

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય  
Central University of Gujarat



143



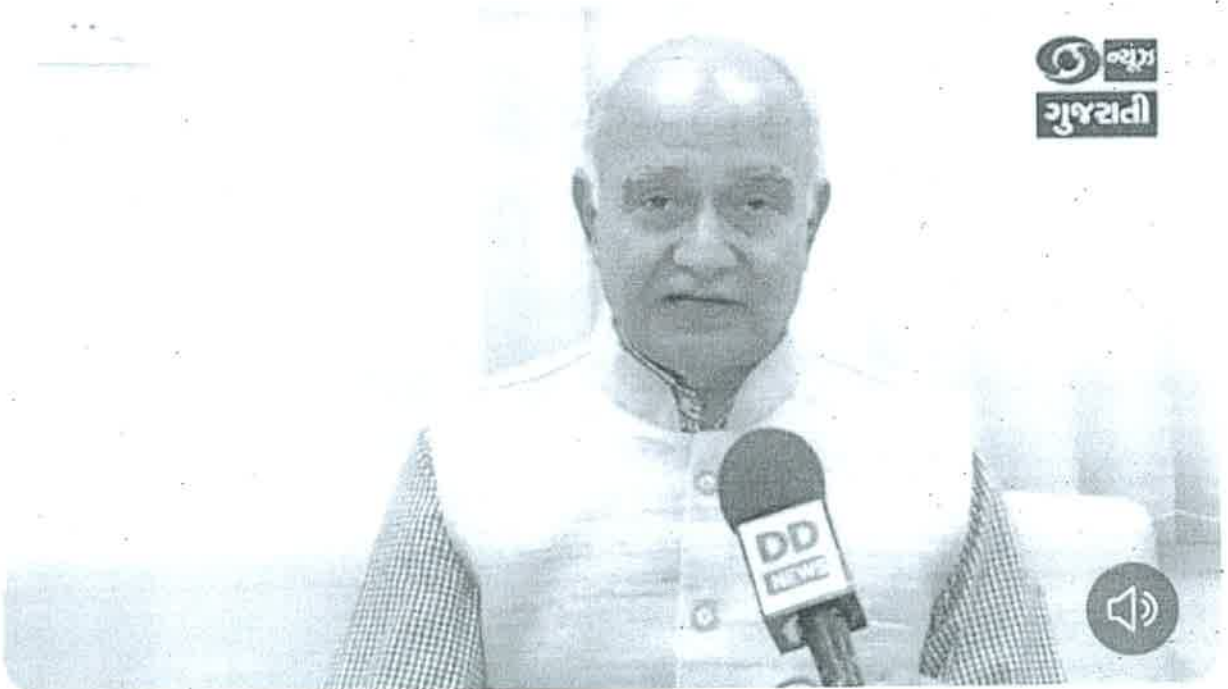
ગાંધીનગર ખાતે આવેલ સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી  
ઓફ ગુજરાત દ્વારા #G20 અંતર્ગત  
"ENGAGING YOUNG Minds" સંવાદ  
કાર્યક્રમનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું

કાર્યક્રમમાં ભારતીય એમ્બેસેડર સંજય  
ભટ્ટાચાર્ય અને યુનિવર્સિટીના વાઇસ  
ચાન્સેલર પ્રો.રામા શંકર દુબેએ વિદ્યાર્થીઓ  
સાથે ચર્ચા કરી હતી

@PROCUG1

Translate Tweet

procug1@ddnews.com.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat



# राजस्थान पत्रिका

पत्रिका

य एयु कुवैतु जगति

सं. 21 | अंक 334 | पृष्ठ 12 | ₹5.00

patrika.com | rajasthanpatrika

rajasthanpatrika@gmail.com | rajasthanpatrika

गुजरात राजस्थान मध्यप्रदेश राजसमूह

अनंतास विमानतट जयपुर बाराणसी और

राजस्थान के सभी जिलों में

अहमदाबाद, मंगलवार, 18 जुलाई, 2023 | श्रवण (अभिमत) मुरली पत्रा परिषद, सन्त 2080 पृष्ठ संख्या 4



युवा  
सितारा

फ्री टाइम में गोल्फ और फुटबॉल  
खेलना पसंद करते हैं अल्फारेज

@स्पोर्ट्स & गेमिंग



'दिल्ली अध्यादेश' को राज्यसभा में  
आसानी से पास करा सकेगी सरकार

@इंडिया & वर्ल्ड



शेयर बाजार में हुआ घाटा!  
जानें टैक्स बचाने के उपाय

@बिजनेस & वेलथ

pro@cug.ac.in

जनसंपर्क अधिकारी

Public Relations Officer

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Gujarat

सीयूजी में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम

## दुनिया में एकता की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देगा जी-20 : भट्टाचार्य

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

गांधीनगर, जी-20 दुनिया में एकता की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देगा। जी-20 दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी और सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। विदेश मंत्रालय में आर्थिक संबंधों के सचिव और राजदूत संजय भट्टाचार्य ने सोमवार को गांधीनगर स्थित गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट- इंगेजिंग यंग माइंड्स कार्यक्रम को संबोधित करते समय यह बात कही। देशभर में जी-



20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट- इंगेजिंग यंग

माइंड्स कार्यक्रम विदेश मंत्रालय और रिसर्च एंड इफोर्मेशन सिस्टम (आरआईएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि जी-20 का

गठन 1990 के दशक के अंत में एक आर्थिक संकट के दौरान हुआ था, जिसने विश्व अर्थव्यवस्था के भाग्य का फैसला करने को जी-7 की क्षमता की ओर ध्यान आकर्षित किया। इसके चलते जी-8 और अंततः जी-20 का गठन हुआ। जी-20 दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी और दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है।

भट्टाचार्य ने कहा कि कनेक्ट कार्यक्रम के जरिए देशभर में स्टूडेंट्स से संवाद किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में ग्रीन एनर्जी

ट्रांजिशन, ग्लोबल सफाई चैन, स्पेस एंड साइबर, खाद्य सुरक्षा, वित्तीय शासन का लोकतंत्रीकरण और लाइफस्टाइल जैसे मुद्दों पर युवाओं की राय और उनके विचारों को जोड़ा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की थीम पर जी-20 कार्यक्रम को आयोजन पूरे देश भर में हो रहा है। जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट की नेशनल स्टैयरिंग कमेटी के सदस्य प्रो. मनीष ने कहा कि गुजरात के पांच विश्वविद्यालयों का चयन इसके लिए किया गया था। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय को भी इनमें शामिल

किया गया है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान एवं तकनीक का है, ऐसे में युवाओं को शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने की आवश्यकता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने कहा कि आने वाले समय में जी-20 के परिणामों में तेजी आने से समावेशी विकासत्मक प्रगति की राह सुनिश्चित होगी।



40

દિવ્ય  
ભાસ્કર

અમદાવાદ 18-07-2023

## સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતમાં પ્રવેશ માટે 22 જુલાઈ સુધી નોંધણી થઈ શકશે

એજ્યુકેશન રિપોર્ટર | અમદાવાદ

ગાંધીનગર સ્થિત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતમાં પ્રવેશ માટેની પ્રક્રિયા સોમવારથી શરૂ કરાઈ છે. સોશિયલ મેનેજમેન્ટ,

જર્મની, ચાઈનીઝ એમ ત્રણ વિદ્યાશાખાની 99 બેઠકો પરની પ્રવેશ માટે કુલ 19276 વિદ્યાર્થીએ અરજી કરી છે. આ વિદ્યાર્થીઓને માટે પ્રવેશ કાઉન્સિલિંગ 22 જુલાઈ સુધી ચાલશે.

prc@cpu.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય  
Central University of Gujarat

30

દિવ્ય  
ભાસ્કર

અમદાવાદ 18-07-2023

## સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતમાં પ્રવેશ માટે 22 જુલાઈ સુધી નોંધણી થઈ શકશે

એજ્યુકેશન રિપોર્ટર | અમદાવાદ

ગાંધીનગર સ્થિત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતમાં પ્રવેશ માટેની પ્રક્રિયા સોમવારથી શરૂ કરાઈ છે. સોશિયલ મેનેજમેન્ટ,

જર્મની, ચાઇનીઝ એમ ત્રણ વિદ્યાશાખાની 99 બેઠકો પરની પ્રવેશ માટે કુલ 19276 વિદ્યાર્થીએ અરજી કરી છે. આ વિદ્યાર્થીઓને માટે પ્રવેશ કાઉન્સિલિંગ 22 જુલાઈ સુધી ચાલશે.

pro@ug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat



सौयूजी में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम

## दुनिया में एकता की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देगा जी-20 : भट्टाचार्य

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

गांधीनगर, जी-20 दुनिया में एकता की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देगा। जी-20 दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी और सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। विदेश मंत्रालय में आर्थिक संबंधों के सचिव और राजदूत संजय भट्टाचार्य ने सोमवार को गांधीनगर स्थित गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट- इंगेजिंग यंग माइंड्स कार्यक्रम को संबोधित करते समय यह बात कही। देशभर में जी-



20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट- इंगेजिंग यंग

माइंड्स कार्यक्रम विदेश मंत्रालय और रिसर्च एंड इंफोर्मेशन सिस्टम (आरआईएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि जी-20 का

गठन 1990 के दशक के अंत में एक आर्थिक संकट के दौरान हुआ था, जिसने विश्व अर्थव्यवस्था के भाग्य का फैसला करने को जी-7 की क्षमता की ओर ध्यान आकर्षित किया। इसके चलते जी-8 और अंततः जी-20 का गठन हुआ। जी-20 दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी और दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है।

भट्टाचार्य ने कहा कि कनेक्ट कार्यक्रम के जरिए देशभर में स्टूडेंट्स से संवाद किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में ग्रीन एनर्जी

ट्रांजिशन, ग्लोबल सप्लाय चेन, स्पेस एंड साइबर, खाद्य सुरक्षा, वित्तीय शासन का लोकतंत्रीकरण और लाइफस्टाइल जैसे मुद्दों पर युवाओं की राय और उनके विचारों को जोड़ा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की थीम पर जी-20 कार्यक्रम का आयोजन पूरे देश भर में हो रहा है। जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट की नेशनल स्टेयरिंग कमेटी के सदस्य प्रो. मनीष ने कहा कि गुजरात के पांच विश्वविद्यालयों का चयन इसके लिए किया गया था। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय को भी इनमें शामिल

किया गया है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान एवं तकनीक का है, ऐसे में युवाओं को शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने की आवश्यकता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने कहा कि आने वाले समय में जी-20 के परिणामों में तेजी आने से समावेशी विकासात्मक प्रगति की राह सुनिश्चित होगी।

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat



29

## આજથી સેન્ટ્રલ યુનિ. ગુજરાત માટે પ્રવેશ પ્રક્રિયા શરૂ થશે

એન્જીકેશન રિપોર્ટર | અમદાવાદ

એનટીએ દ્વારા લેવાયેલી સીયુઈટી યુજી પરીક્ષાના પરિણામની જાહેરાત કરાઈ છે, જેમાં સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીની કુલ 99 બેઠકો પર બેઠકો પર ત્રણ તબક્કામાં પ્રવેશ કાર્યવાહી હાથ ધરાશે. એનટીએએ શનિવારે સીયુઈટી યુજી પરીક્ષાના પરિણામ જાહેર કર્યા હતાં. દેશભરમાં આયોજિત આ પરીક્ષા માટે આ વર્ષે 14.99 લાખ વિદ્યાર્થી નોંધાયા હતા. સેન્ટ્રલ ગુજરાત યુનિવર્સિટીમાં આ વર્ષે ત્રણ યુજી પ્રોગ્રામમાં પ્રવેશ માટે અરજી મંગાવાઈ હતી. પરીક્ષા રજિસ્ટ્રાર ડૉ. સંજીવ કુમાર દુબેએ જણાવ્યું કે, 'અમારી યુનિવર્સિટીમાં બીએ ચાઇનીઝ, બીએ જર્મન, બીએ સોશિયલ મેનેજમેન્ટમાં પ્રવેશની ફાળવણી કરાશે.' આ ત્રણેય કોલેજોમાં 99 બેઠકો પર પ્રવેશ પ્રક્રિયા શરૂ થશે. સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ જણાવ્યું કે, 'યુજીસીના અભ્યાસક્રમ એન્ડ કેડિટ ફેમવર્ક મુજબ આ વર્ષે યુજી કોર્સ એટલે કે સ્નાતક કક્ષાના કોર્સમાં ચાર વર્ષમાં પ્રવેશ અપાશે.

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
ગુજરાત કેન્દ્રીય વિજ્ઞાન  
Central University of Gujarat

### મોયરા પ્રતિબંધ છે મજબૂત સ્ટીલ માટે



ચાર્ટર્ડ એન્જિનિયર - હસમુખ શેરી  
ચાર એન્ડ ડી કન્સલ્ટન્ટ, સુરત







# सीयूजी में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू, 15 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

## ■ संजीवनी दुडे

गांधीनगर। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए योग्य अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रवेश के लिए अधिसूचना 1 जुलाई को जारी कर दी गई थी। अभ्यर्थियों के आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने बताया कि सत्र 2023-24 के लिए सीयूजी के विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और भाषा संकायों से संबंधित 22 केंद्रों के पीएचडी पाठ्यक्रमों में कुल 152 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति के चेयरपर्सन प्रो. संजीव कुमार दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट [www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in) पर उपलब्ध है। ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म जमा करवाने की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई है।

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

9



# Admission process for 152 vacancies for PhD at CUG begins

**Last date for submission of online application form is July 15; registration link available on CUG website**

**T**he admission process for PhD in the Central University of Gujarat has begun. The notification for admission was issued on July 1. Prof Rama Shankar Dubey, the vice-chancellor, said that applications have been invited for 152 vacancies in 22 centres of CUG for the academic year

2023-24. Prof Sanjeev Kumar Dubey, chairperson of the university's Admission Committee, said that the online registration link for the entrance examination is available on the university's website [www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in). The last date for submission of the online application form is July 15.

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય  
Central University of Gujarat

AM

25



# योगमय हुआ सीयूजी : गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस



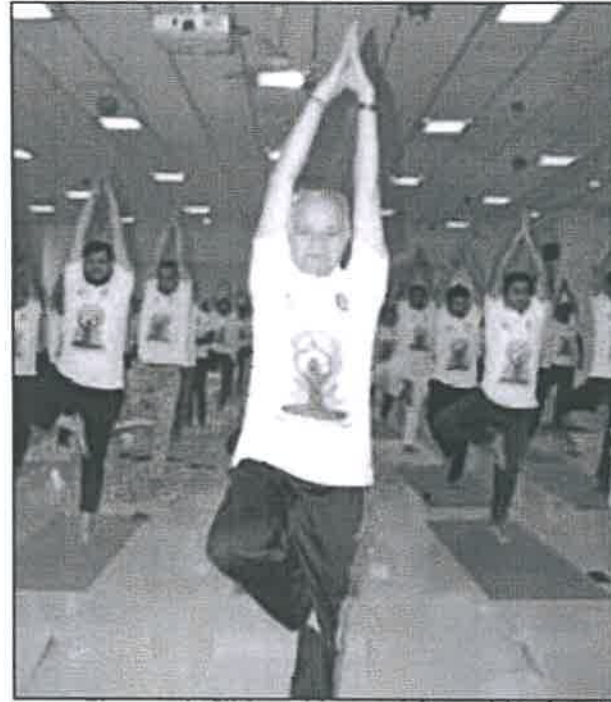
pro@cug.ac.in

जनसंपर्क अधिकारी

Public Relations Officer

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

गांधीनगर। योग एक विज्ञान है। इसमें जीवन समाहित है। भारतीय दर्शन में योग का अत्यधिक महत्व है। योग की विभिन्न मुद्राओं का प्रदर्शन बुधवार को 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के दौरान देखने को मिला। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के द्वारा निर्देशित प्रोटोकॉल के अनुसार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक डॉ. आलोक पाण्डेय ने प्रोटोकॉल के अनुसार प्रशिक्षण दिया। विश्वविद्यालय के योग क्लब में पंजीकृत सदस्यों ने विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम



शुरुआत योग वंदना से की गई। इसके बाद डॉ. पाण्डेय ने विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, सभी शिक्षक गणों, गैर शिक्षक गण, प्रशासनिक अधिकारी गण और छात्रों को विभिन्न आसनों

का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने की। प्रोटोकॉल के हिसाब से 45 मिनट तक यौगिक क्रियाओं का प्रदर्शन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने बताया कि सीयूजी में गत 14 मार्च से 21 जून तक 100 दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम करवाया गया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा निर्देशित इस कार्यक्रम में विभिन्न योग अभ्यास और योग की अनेक क्रियाओं को सिखाने के लिए सुबह-शाम प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए।



सीयूजी में 16 से 18 मई के बीच हुआ था नैक टीम का निरीक्षण

# गुजरात सेंट्रल यूनिवर्सिटी को नैक रैंकिंग में मिला 'ए' ग्रेड

जागरूक जनता

jagrukjanta.net

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

गांधीनगर। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय को नैक रैंकिंग में 'ए' ग्रेड मिला है। ज्ञातव्य है कि नैक कमेटी की 5 सदस्यीय टीम टीम 16 से 18 मई 2023 तक सेंट्रल यूनिवर्सिटी का निरीक्षण किया था।



इस दौरान आंतरिक विश्लेषण के अंतर्गत विश्वविद्यालय की अत्याधुनिक लाइब्रेरी, वाई-फाई परिसर, शिक्षकों का प्रशिक्षण, ई-कंटेंट, इन्क्यूबेशन सेंटर, विभागवार प्रगति प्रतिवेदन, स्पोर्ट्स सुविधाएं, मैस, हॉस्टल और विद्यार्थियों का परफार्मेंस, शिक्षकों के शोध कार्य के अलावा प्रशासनिक कार्यालय, गोपनीय विभाग और परीक्षा विभाग की प्रोग्रेस रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय को यह ग्रेड मिली है। उल्लेखनीय है कि नेशनल असेसमेंट एंड एक््रीडेशन काउंसिल (राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद) द्वारा विश्वविद्यालय को अब तक की सर्वश्रेष्ठ ग्रेडिंग दी गई है। विश्वविद्यालय में हो रहे शोध कार्य पूरे देश में प्रसिद्ध है। टीम

## हर विभाग का किया गहनता से निरीक्षण



करते हुए नैक टीम के चेयरमैन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने कहा कि विश्वविद्यालय में सभी संसाधनों का बेहतर ढंग से इस्तेमाल किया जा रहा है साथ ही नई शिक्षा नीति को भी क्रियान्वित किया जा रहा है जो कि वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए एक सुखद पहल है। उन्होंने कहा कि 2009 के बाद शुरू हुए केंद्रीय विश्वविद्यालयों में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शोध क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है। इस दौरान विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. दूबे ने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सभी के समेकित प्रयासों का परिणाम है।

नैक टीम ने सभी शैक्षणिक विभागों के अलावा डिस्पेंसरी, विभिन्न क्लब, नए कोर्सेज, शिक्षक-छात्र अनुपात, नई शिक्षा नीति के अनुरूप अध्ययन एवं अध्यापन, समर्थ पोर्टल, कम्प्यूटर एवं साइंस प्रयोगशालाएं, विभिन्न फ्लैगशिप कार्यक्रम, पेटेंट्स और नए कैम्पस के निर्माण एवं उसके मास्टर प्लान संबंधी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान एग्जिट मीटिंग को संबोधित

पांच सदस्यों ने एजुकेशनल फैसिलिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, विश्वविद्यालय के आंतरिक एवं बाह्य वातावरण जैसे विभिन्न पहलुओं की जांच कर यूनिवर्सिटी को यह ग्रेडिंग प्रदान की गई है। शनिवार को नैक द्वारा परिणाम जारी किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य

और नवाचारों में उत्कृष्ट कार्य कर यह ग्रेड प्राप्त की है। आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. अतनु महापात्रा ने बताया कि टीम ने सेक्टर-29 और 30 स्थित दोनों परिसरों का निरीक्षण किया था। टीम ने विश्वविद्यालय के शोध कार्यों के साथ ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में हुए अभूतपूर्व कार्यों की भी सराहना की।



# Changes in the Syllabus by NCERT are Justified

**Gandhinagar.** The claim that NCERT has removed the Periodic Table and Charles Darwin's theory of evolution from science textbooks is being reported recently by several news media, which is factually incorrect and misleading. Education is a dynamic process that keeps on changing and enriching over time to meet the needs of society. Regular review, revision, reorganization, and appropriate changes in the curriculum of the school and higher education are usual and essential steps to keep it updated. In National Education Policy 2020, in Section 4.1 on the restructuring of the school curriculum, it is clearly mentioned that 'the curricular and pedagogical structure of school education will be reconfigured to make it responsive and relevant to the developmental needs and interests of learners at different stages of their development, corresponding to their age group and interests'.

The National Education Policy 2020 also intends to reduce the content load from school textbooks, promoting experiential learning and activity-based learning, keeping in mind the mental health of students and their age and level of intellectual

ability development, so that the development of curiosity and creative mindset can be ensured in the students. In this background, NCERT has taken a meaningful initiative for restructuring the texts to rationalize the textbooks in all school classes.

As far as the periodic table in Chemistry is concerned, in the science books of NCERT it is being taught in great detail in Class 11th. While in class 10, the students are being taught the nature, behaviour and reactions of chemical substances as well as acids, bases and salts, properties of metals and non-metals, basic metallurgical processes and compounds of carbon in detail, in which the compounds of day-to-day use are being taught. The priority is to promote activity-based learning with examples of chemicals routinely used in daily life. Only after understanding the nature, physical properties, and reactions of chemicals, it is appropriate and justified to read and understand their place in the periodic table and their interrelationships. Therefore, considering the periodic table to be more age-appropriate in class 11th, it is quite logical to teach it in detail in Class 11th. Teaching



Prof. Rama Shanker Dubey,  
Vice Chancellor, Central  
University of Gujarat,  
Gandhinagar

the same subject matter with almost similar content in both classes 10th and 11th was causing unnecessary repetition, which has been rectified at present. This will also reduce the content load of the syllabus in class 10, which is in line with the National Education Policy 2020.

Similarly, a misconception is being spread that Charles Darwin's theory of evolution has been removed from the NCERT textbooks but the fact is that in the Class 12 Biology book, an entire Chapter 7, with 17 pages, is dedicated to 'Evolution' where various theories of evolution

including Darwinian theories are already being taught in detail. In this Chapter both key concepts of Darwinian Theory of Evolution - 'Branching Descent' and 'Natural Selection' are being taught apart from the 'Big Bang Theory' of evolution and other evolution theories. That is why in order to reduce the material load and to avoid repetition of the material, the chapter on 'Heredity and Evolution' has been replaced by the chapter on 'Heredity' in class 10th, which is absolutely appropriate. Due to this, students will not have to study almost the same text material unnecessarily in two classes.

It may be noted that NCERT has reduced certain portions of the content from the old syllabus with the aim of making the syllabus more concise, informative, and rationalized in order to provide customized learning experiences to the students and to reduce the content load.

The portions of textbooks to be dropped in a particular subject are decided by an expert committee consisting of subject experts participating from different parts of the country, who decide only after developing specific criteria for rationalization of content load. In the present context, a

considered opinion emerged based on the feedback received from various stakeholders including practicing teachers, that instead of teaching the children the same concepts at different stages, they should be taught the concepts at the appropriate age level keeping in mind the difficulty level of the subject matter. Therefore, the difficulty level of the subject matter, and appropriate age level are important aspects in deciding the contents of the curriculum. It is undeniable that we always talk about reducing the 'load of school bag' of children but when anything is removed from the textbooks, there is an instant hue and cry.

Here it is clear that the periodic table, Charles Darwin's theory of evolution or any other existing text material has not been removed from the NCERT textbooks but the contents have been rationalized judiciously in the textbooks of different classes according to the age of children and difficulty levels of the subject matter and to avoid repetition. Hence the claims that the periodic table and Charles Darwin's theory of evolution have been removed from NCERT textbooks are completely misleading and factually incorrect.





# सीयूजी में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू

15 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

गौरव महिमा

गांधीनगर। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए योग्य अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रवेश



के लिए अधिसूचना 1 जुलाई को जारी कर दी गई थी। अभ्यर्थियों के आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने बताया कि सत्र 2023-24 के लिए सीयूजी के विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और भाषा संकायों से संबंधित 22 केंद्रों के पीएचडी पाठ्यक्रमों में कुल 152 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति के चेयरपर्सन प्रो. संजीव कुमार दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म जमा करवाने की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई है।

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

20

# CUGમાં પીએચડીની પ્રવેશ પ્રક્રિયા શરૂ :

નોંધન્યુઝ, તા.૦૫

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતમાં પીએચડી માટે પ્રવેશ પ્રક્રિયા શરૂ થઈ ગઈ છે. યુનિવર્સિટીના વિવિધ સંશોધન અભ્યાસક્રમોમાં પ્રવેશ માટે પાત્રતા ધરાવતા ઉમેદવારો પાસેથી ઓનલાઈન અરજીઓ મંગાવવામાં આવી રહી છે. નોંધનીય છે કે પ્રવેશ માટેની સૂચના ૧લી જુલાઈના રોજ બહાર પાડવામાં આવી હતી. ઉમેદવારો માટે અરજી કરવાની છેલ્લી તારીખ ૧૫ જુલાઈ છે. યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબેએ

માહિતી આપી હતી કે સત્ર ૨૦૨૩-૨૪ માટે, ઝેં ના વિજ્ઞાન, સામાજિક વિજ્ઞાન અને ભાષાના ૨૨ કેન્દ્રોના પીએચડી અભ્યાસક્રમોમાં કુલ ૧૫૨ જગ્યાઓ માટે અરજીઓ મંગાવવામાં આવી છે. યુનિવર્સિટીની એડમિશન કમિટીના ચેરપર્સન પ્રો. સંજીવ કુમાર દુબેએ જણાવ્યું હતું કે પ્રવેશ પરીક્ષા માટેની ઓનલાઈન નોંધણી લિંક યુનિવર્સિટીની વેબસાઈટ [www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in) પર ઉપલબ્ધ છે. ઓનલાઈન અરજી ફોર્મ સબમિટ કરવાની છેલ્લી તારીખ ૧૫ જુલાઈ.

વે  
શ  
રૂ  
ઉ  
ગ

Editor-Ashok D. Raval Printed At:- 32 Amiras Offset Radhanpur rc  
Place of Publication- Gh/275/4 Sector-19, GANDHI

10



# 19-year-old wins Chinese proficiency competition

**Mohammed.Wajihuddin**  
@timesgroup.com

**Mumbai:** When Vishal Anand's father, a priest in a sleepy village called Lakhisarai in Bihar, died in 2020, Vishal lost his anchor. After losing his father, Vishal escaped into the virtual world of video games and got addicted to playing PUBG on his phone. On Friday, Anand, now 19, was declared champion at the 22<sup>nd</sup> Chinese Bridge-Chinese Proficiency Competition from among 10 Indian finalists at an event held at a five-star hotel in the city.

Having discovered his path in life, Anand now wants to excel in the Chinese language and elevate his family's living conditions. Anand will now represent the country at the global contest to be held in China later this month. Organised by the Embassy of People's Republic of China, Consulate Generals of China in Kolkata, and Mumbai in association with India China Academy, the contest on Friday saw 10 college students from six



Champion Vishal Anand

different Indian universities demonstrating before judges, including many teachers of Chinese, their proficiency in the language. The theme of the contest was 'one world, one family.' Each contestant had to participate in three rounds—speech, knowledge, and talent show. Anand showed excellence as he spoke and demonstrated his knowledge of the Chinese language like an expert.

"By learning Chinese, we (India and China) can build a bridge of win-win cooperation.

As the biggest developing countries in the world, China and India are powering the global economic recovery... I hope the Chinese Bridge Competition will promote mutual understanding, strengthen people-to-people bonds, and encourage more people to learn the Chinese language and understand China," said Kong Xianhua, Chinese Consulate General in Mumbai, while opening the competition. He added that the Chinese language's education in Mumbai is flourishing. He especially mentioned Mumbai University, Somaiya University for running courses in the Chinese language. In April International Chinese Language Day was celebrated in Mumbai.

Anand who is a second year BA (Chinese) Hons student at the Central University of Gujarat, Gandhinagar, fell in love with Chinese language while preparing for the Common University Entrance Test (CUET) to seek admission in an undergraduate course in Chinese language.



pre@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

## सीयूजी के दो छात्रों ने उत्तीर्ण की यूपीएससी प्रिलिम्स परीक्षा

गांधीनगर@पत्रिका. गुजरात तैयारी भी शुरू कर दी है।  
केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. सीयूजी समेत देश के 31 केंद्रीय  
अम्बेडकर सेंटर ऑफ विश्वविद्यालयों का एक्सीलेंस  
एक्सीलेंस में अध्ययनरत दो सेंटर के लिए चयन किया गया  
छात्र विश्वास राठौड़ और मयूर है। गुजरात के एकमात्र केंद्रीय  
परमार ने यूपीएससी की विश्वविद्यालय को "डॉ.  
प्रिलिम्स परीक्षा उत्तीर्ण की है। अम्बेडकर सेंटर ऑफ  
छात्रों को मुख्य परीक्षा की एक्सीलेंस" प्रदान किया गया है।

Date: 17/06/2023, Edition: Ahmedabad, Page: 5

Source : <https://epaper.patrika.com/>

31



# सीयूजी के डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के स्टूडेंट्स ने उत्तीर्ण की यूपीएससी प्रिलिम्स परीक्षा

## हमारा समाचार

गांधीनगर। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अध्ययनरत स्टूडेंट्स ने यूपीएससी द्वारा आयोजित प्रिलिम्स परीक्षा उत्तीर्ण की है। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय में डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग, भारत सरकार द्वारा 'डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित किया गया है। सेंटर में अनुसूचित जाति के 100 छात्रों को यूपीएससी समेत सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है। गौरतलब है कि सीयूजी समेत देश के

## गुजरात केन्द्रीय विवि के सेंटर का उत्कृष्ट परिणाम



31 केन्द्रीय विश्वविद्यालयों का एक्सीलेंस सेंटर के लिए चयन किया गया है। गुजरात के एकमात्र केन्द्रीय विश्वविद्यालय को 'डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' प्रदान किया गया

है। सेंटर के समन्वयक डॉ. राजेश मकवाना ने बताया कि केन्द्र का उद्देश्य मुफ्त गुणवत्ता कोचिंग, व्यक्तित्व विकास और अधिग्रहण के माध्यम से सीखने और उत्कृष्टता के बेहतर अवसर प्रदान करके यूपीएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अनुसूचित जाति के छात्रों को सशक्त बनाना है। सिविल सेवाओं में प्रयुक्त संलग्न सामग्री, कंप्यूटर, इंटरनेट सुविधा, समृद्ध ग्रंथालय, सक्षम फेकल्टी और नियमित

व्याख्यान की व्यवस्था की जाती है। स्टूडेंट्स को विभिन्न प्रतियोगी पत्रिकाएं, अध्ययन सामग्री, टेस्ट सीरीज और करंट अफेयर्स पत्रिका भी वगं में ही प्रदान की जाती है। छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए पाक्षिक मार्क टेस्ट श्रृंखला का भी आयोजन किया जाता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने बताया है कि सेंटर स्थापना के बाद से ही उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। सेंटर के कई छात्रों ने जीपीएससी समेत कई प्रतियोगी

परीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और सफलता हासिल की है। प्रो. दूबे ने बताया कि केन्द्र में अध्ययनरत विश्वास राठौड़ और मयूर परमार ने हाल ही में हुई यूपीएससी प्रिलिम्स की परीक्षा उत्तीर्ण की है। गौरवान्वित करने वाली बात यह है कि देश के सभी एक्सीलेंस सेंटरों में से एकमात्र सीयूजी एक्सीलेंस सेंटर में सबसे ज्यादा छात्रों ने सफलता हासिल की है। डॉ. मकवाना ने बताया कि छात्रों को मुख्य परीक्षा की तैयारी भी शुरू कर दी है।

गुजरात केन्द्रीय विवि के सेंटर का उत्कृष्ट परिणाम

# सीयूजी के डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के स्टूडेंट्स ने उत्तीर्ण की यूपीएससी प्रिलिम्स परीक्षा

कालवाड़ टाइम्स  
kalwaditimes.com

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

गांधीनगर। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अध्ययनरत स्टूडेंट्स ने यूपीएससी द्वारा आयोजित प्रिलिम्स परीक्षा उत्तीर्ण की है। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय में डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग, भारत सरकार द्वारा 'डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित किया गया है। सेंटर में अनुसूचित जाति के 100 छात्रों को यूपीएससी समेत सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है।

गौरतलब है कि सीयूजी समेत देश के 31 केन्द्रीय विश्वविद्यालयों का एक्सीलेंस सेंटर के लिए चयन किया गया है। गुजरात के एकमात्र केन्द्रीय विश्वविद्यालय को 'डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' प्रदान किया गया है। सेंटर के समन्वयक डॉ. राजेश मकवाना ने बताया कि केंद्र का उद्देश्य मुफ्त गुणवत्ता कोचिंग, व्यक्तित्व विकास और अधिग्रहण के माध्यम से



सीखने और उत्कृष्टता के बेहतर अवसर प्रदान करके यूपीएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अनुसूचित जाति के छात्रों को सशक्त बनाना है। सिविल सेवाओं में प्रयुक्त संलग्न सामग्री, कंप्यूटर, इंटरनेट सुविधा, समृद्ध ग्रंथालय, सक्षम फेकल्टी और नियमित व्याख्यान की व्यवस्था की जाती है। स्टूडेंट्स को विभिन्न प्रतियोगी पत्रिकाएं, अध्ययन सामग्री, टेस्ट सीरीज और करंट अफेयर्स पत्रिका भी वर्ग में ही प्रदान की जाती है। छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए पाक्षिक मॉक टेस्ट श्रृंखला का भी आयोजन किया जाता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.

रमा शंकर दूबे ने बताया है की सेंटर स्थापना के बाद से ही उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। सेंटर के कई छात्रों ने जीपीएससी समेत कई प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और सफलता हासिल की है। प्रो. दूबे ने बताया कि केंद्र में अध्ययनरत विश्वास राठौड़ और मयूर परमार ने हाल ही में हुई यूपीएससी प्रिलिम्स की परीक्षा उत्तीर्ण की है। गौरवान्वित करने वाली बात यह है कि देश के सभी एक्सीलेंस सेंटरों में से एकमात्र सीयूजी एक्सीलेंस सेंटर में सबसे ज्यादा छात्रों ने सफलता हासिल की है। डॉ. मकवाना ने बताया कि छात्रों को मुख्य परीक्षा की तैयारी भी शुरू कर दी



# CUG V-C justifies changes in syllabus of NCERT books

First India Bureau

Gandhinagar

Prof Rama Shanker Dubey, Vice Chancellor, Central University of Gujarat (CUG) has justified changes in syllabus of NCERT books.

He said the claim that NCERT has removed Periodic Table and Charles Darwin's theory of evolution from science textbooks is being reported recently by media, which is factually incorrect and misleading. Education is a dynamic process that keeps on changing and enriching over time to meet the needs of society. Regular review, revision, reorganization, and appropriate changes in the curriculum of school and higher education are



Prof Rama Shankar Dubey

usual and essential steps to keep it updated. In National Education Policy 2020, in Section 4.1 on restructuring of school curriculum, it is clearly mentioned that 'the curricular and pedagogical structure of school education will be reconfigured to make it responsive and relevant to the developmental needs and interests of learners at different stages of their development, corresponding to their age group and interests'.

Al  
&  
Vi  
RO  
M  
wi  
di  
pa  
ka  
na  
Th  
in

pro@cug.ac.in

जनसंपर्क अधिकारी

Public Relations Officer

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Gujarat

# ‘तिमाही प्रगति प्रतिवेदन: समस्या और समाधान’ विषय पर सीयूजी में एक दिवसीय कार्यशाला का समापन

हमारा समाचार

गांधीनगर। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से मंगलवार को ‘तिमाही प्रगति प्रतिवेदन: समस्या और समाधान’ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। तिमाही प्रगति प्रतिवेदन भरने में होने वाली समस्याओं के निवारण के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया था। अहमदाबाद के होटल प्रबंधन संस्थान कि हिंदी अधिकारी डॉ. जया शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रही। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. अतनु महापात्रा और हिंदी अधिकारी स्वाति सिंह समेत विश्वविद्यालय के कई कार्मिक गण उपस्थित रहे। राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से ‘तिमाही प्रगति प्रतिवेदन: समस्या और समाधान’ विषय पर यह पहली कार्यशाला आयोजित की गई थी। उल्लेखनीय है कि राजभाषा विभाग में संस्थान की ओर से प्रत्येक तिमाही की समाप्ति पर तिमाही प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाता है। गौरतलब है कि कर्मचारियों को प्रतिवेदन भरने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है ऐसे में उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कार्यशाला करवाना अत्यावश्यक था।

कार्यशाला की शुरुआत कुलपति प्रो. दूबे और आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. महापात्रा ने दीप प्रज्वलन के साथ की। कार्यक्रम के पहले सत्र में स्वागत एवं दूसरे भाग में कार्यशाला के प्रमुख



बिंदुओं के शामिल किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ. जया शर्मा का शाल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्रो. अतनु महापात्रा ने दिया। प्रो. महापात्रा ने बताया कि इस तरह की कार्यशालाओं से तिमाही प्रगति प्रतिवेदन भरने में आसानी होगी। साथ ही कार्यक्षेत्र में हिंदी भाषा का प्रयोग भी बढ़ेगा।

## हिंदी भाषा के महत्व को किया रेखांकित

अपने वक्तव्य में डॉ. जया शर्मा ने कहा कि हिंदी विश्व की शीर्ष तीन भाषाओं में से एक है। सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी का महत्व अत्यधिक है। उन्होंने कहा कि हिंदी के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनाने में यह कार्यशाला सहायक सिद्ध होगी। शर्मा ने तिमाही प्रगति प्रतिवेदन के प्रत्येक बिंदुओं पर

चर्चा करते हुए कर्मचारियों की समस्याओं को धैर्य पूर्वक सुनकर उन्हें समाधान बताया। इस दौरान कुलपति प्रो. दूबे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय/प्रकोष्ठ/विभाग समयानुसार तिमाही प्रगति प्रतिवेदन भरें जिससे उन्हें अनुस्मारक पत्र न जारी करना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रतिवेदन में आंकड़ों की सही प्रविष्टि की जाए। उन्होंने देश की आजादी के कई महापुरुषों का उल्लेख करते हुए हिंदी के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हिंदी प्रेमियों को कार्य करना होगा ताकि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा तक का सफर तय कर सके। कार्यक्रम के समापन सत्र पर विश्वविद्यालय की हिंदी अधिकारी स्वाति सिंह ने सभी आगंतुकों और गणमान्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ की हिंदी अनुवादक दीपिका शर्मा ने किया।

21

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat



# तिमाही प्रगति प्रतिवेदन: समस्या और समाधान विषय पर सीयूजी में एक दिवसीय कार्यशाला का समापन

गौरव महिमा

गांधीनगर। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से मंगलवार को ह्यतिमाही प्रगति प्रतिवेदन: समस्या और समाधान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। तिमाही प्रगति प्रतिवेदन भरने में होने वाली समस्याओं के निवारण के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया था। अहमदाबाद के होटल प्रबंधन संस्थान कि हिंदी अधिकारी डॉ. जया शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रही। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. अतनु महापात्रा और हिंदी अधिकारी स्वाति सिंह समेत विश्वविद्यालय के कई कर्मिक गण उपस्थित रहे। राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से ह्यतिमाही प्रगति प्रतिवेदन: समस्या और समाधान विषय पर यह पहली कार्यशाला आयोजित की गई थी। उल्लेखनीय है कि राजभाषा विभाग में संस्थान की ओर से प्रत्येक तिमाही की समाप्ति पर तिमाही प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाता है। गौरतलब है कि कर्मचारियों

को प्रतिवेदन भरने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है ऐसे में उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कार्यशाला करवाना अत्यावश्यक था। कार्यशाला की शुरुआत कुलपति प्रो. दूबे और आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. महापात्रा ने दीप प्रज्वलन के साथ की। कार्यक्रम के पहले सत्र में स्वागत एवं दूसरे भाग में कार्यशाला के प्रमुख बिंदुओं के शामिल किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ. जया शर्मा का शाल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्रो. अतनु महापात्रा ने दिया। प्रो. महापात्रा ने बताया कि इस तरह की कार्यशालाओं से तिमाही प्रगति प्रतिवेदन भरने में आसानी होगी। साथ ही कार्यक्षेत्र में हिंदी भाषा का प्रयोग भी बढ़ेगा।

## हिंदी भाषा के महत्व को किया रेखांकित

अपने वक्तव्य में डॉ. जया शर्मा ने कहा कि हिंदी विश्व की शीर्ष तीन भाषाओं में से एक है। सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी का महत्व अत्यधिक है। उन्होंने कहा कि हिंदी के प्रति

सकारात्मक दृष्टिकोण बनाने में यह कार्यशाला सहायक सिद्ध होगी। शर्मा ने तिमाही प्रगति प्रतिवेदन के प्रत्येक बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कर्मचारियों की समस्याओं को धैर्य पूर्वक सुनकर उन्हें समाधान बताया। इस दौरान कुलपति प्रो. दूबे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय/प्रकोष्ठ/विभाग समयानुसार तिमाही प्रगति प्रतिवेदन भरें जिससे उन्हें अनुस्मारक पत्र न जारी करना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रतिवेदन में आंकड़ों की सही प्रविष्टि की जाए। उन्होंने देश की आजादी के कई महापुरुषों का उल्लेख करते हुए हिंदी के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हिंदी प्रेमियों को कार्य करना होगा ताकि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा तक का सफर तय कर सके। कार्यक्रम के समापन सत्र पर विश्वविद्यालय की हिंदी अधिकारी स्वाति सिंह ने सभी आगंतुकों और गणमान्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ की हिंदी अनुवादक दीपिका शर्मा ने किया।

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

81

# ‘तिमाही प्रगति प्रतिवेदन: समस्या और समाधान’ विषय पर सीयूजी में एक दिवसीय कार्यशाला का समापन

♦ कालवाड़ टाइम्स  
kalwadtimes.com

गांधीनगर। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से मंगलवार को ‘तिमाही प्रगति प्रतिवेदन: समस्या और समाधान’ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। तिमाही प्रगति प्रतिवेदन भरने में होने वाली समस्याओं के निवारण के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया था। अहमदाबाद के होटल प्रबंधन संस्थान कि हिंदी अधिकारी डॉ. जया शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रही। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. अतनु महापात्रा और हिंदी अधिकारी स्वाति सिंह समेत हिंदी अधिकारी स्वाति सिंह समेत विश्वविद्यालय के कई कार्मिक गण उपस्थित रहे। राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से ‘तिमाही प्रगति प्रतिवेदन: समस्या और समाधान’ विषय पर यह पहली

## हिंदी भाषा के महत्व को किया रेखांकित

अपने वक्तव्य में डॉ. जया शर्मा ने कहा कि हिंदी विश्व की शीर्ष तीन भाषाओं में से एक है। सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी का महत्व अत्यधिक है। उन्होंने कहा कि हिंदी के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण



बनाने में यह कार्यशाला सहायक सिद्ध होगी। शर्मा ने तिमाही प्रगति प्रतिवेदन के प्रत्येक बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कर्मचारियों की समस्याओं को धैर्य पूर्वक सुनकर उन्हें समाधान बताया। इस दौरान कुलपति प्रो. दूबे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के

विभिन्न संकाय/प्रकोष्ठ/विभाग समयानुसार तिमाही प्रगति प्रतिवेदन भरें जिससे उन्हें अनुस्मारक पत्र न जारी करना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रतिवेदन में आंकड़ों की सही प्रविष्टि की जाए। उन्होंने देश की आजादी के कई महापुरुषों का उल्लेख करते हुए हिंदी के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हिंदी प्रेमियों को कार्य करना होगा ताकि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा तक का सफर तय कर सके। कार्यक्रम के समापन सत्र पर विश्वविद्यालय की हिंदी अधिकारी स्वाति सिंह ने सभी आगंतुकों और गणमान्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ की हिंदी अनुवादक दीपिका शर्मा ने किया।

कार्यशाला आयोजित की गई विभाग में संस्थान की ओर से थी। उल्लेखनीय है कि राजभाषा प्रत्येक तिमाही की समाप्ति पर

तिमाही प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाता है। गौरतलब है कि कर्मचारियों को प्रतिवेदन भरने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है ऐसे में उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कार्यशाला करवाना अत्यावश्यक था।

कार्यशाला की शुरुआत कुलपति प्रो. दूबे और आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. महापात्रा ने दीप प्रज्वलन के साथ की। कार्यक्रम के पहले सत्र में स्वागत एवं दूसरे भाग में कार्यशाला के प्रमुख बिंदुओं के शामिल किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ. जया शर्मा का शाल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्रो. अतनु महापात्रा ने दिया। प्रो. महापात्रा ने बताया कि इस तरह की कार्यशालाओं से तिमाही प्रगति प्रतिवेदन भरने में आसानी होगी। साथ ही कार्यक्षेत्र में हिंदी भाषा का प्रयोग भी बढ़ेगा।

2



# समस्या और समाधान विषय पर सीयूजी में एक दिवसीय कार्यशाला का समापन

गौरव महिमा

गांधीनगर। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से मंगलवार को तिमाही प्रगति प्रतिवेदन: समस्या और समाधान विषय पर एक



दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। तिमाही प्रगति प्रतिवेदन भरने में होने वाली समस्याओं के निवारण के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया था। अहमदाबाद के होटल प्रबंधन संस्थान कि हिंदी अधिकारी डॉ.

जया शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रही। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. अतनु महापात्रा और हिंदी अधिकारी स्वाति सिंह समेत विश्वविद्यालय के कई कार्मिक गण उपस्थित रहे। राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से ह्यतिमाही प्रगति प्रतिवेदन: समस्या और समाधान विषय पर यह पहली कार्यशाला आयोजित की गई थी। उल्लेखनीय है कि राजभाषा विभाग में संस्थान की ओर से प्रत्येक तिमाही की समाप्ति पर तिमाही प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाता है। गौरतलब है कि कर्मचारियों को प्रतिवेदन भरने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है ऐसे में उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कार्यशाला करवाना अत्यावश्यक था। कार्यशाला की शुरुआत कुलपति प्रो. दूबे और

## हिंदी भाषा के महत्व को किया रेखांकित

अपने वक्तव्य में डॉ. जया शर्मा ने कहा कि हिंदी विश्व की शीर्ष तीन भाषाओं में से एक है। सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी का महत्व अत्यधिक है। उन्होंने कहा कि हिंदी के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनाने में यह कार्यशाला सहायक सिद्ध होगी। शर्मा ने तिमाही प्रगति प्रतिवेदन के प्रत्येक बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कर्मचारियों की समस्याओं को धैर्य पूर्वक सुनकर उन्हें समाधान बताया। इस दौरान कुलपति प्रो. दूबे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय/प्रकोष्ठ/विभाग समयानुसार तिमाही प्रगति प्रतिवेदन भरे जिससे उन्हें अनुस्मारक पत्र न जारी करना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रतिवेदन में आंकड़ों की सही प्रविष्टि की जाए। उन्होंने देश की आजादी के कई महापुरुषों का उल्लेख करते हुए हिंदी के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हिंदी प्रेमियों को कार्य करना होगा ताकि हिंदी राजभाषा से



राष्ट्रभाषा तक का सफर तय कर सके। कार्यक्रम के समापन सत्र पर विश्वविद्यालय की हिंदी अधिकारी स्वाति सिंह ने सभी आगंतुकों और गणमान्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ की हिंदी अनुवादक दीपिका शर्मा ने किया।

आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. महापात्रा ने दीप प्रज्वलन के साथ की। कार्यक्रम के पहले सत्र में स्वागत एवं दूसरे भाग में कार्यशाला के प्रमुख बिंदुओं के शामिल किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ. जया शर्मा का शाल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर

सम्मान किया गया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्रो. अतनु महापात्रा ने दिया। प्रो. महापात्रा ने बताया कि इस तरह की कार्यशालाओं से तिमाही प्रगति प्रतिवेदन भरने में आसानी होगी। साथ ही कार्यक्षेत्र में हिंदी भाषा का प्रयोग भी बढ़ेगा।

# गुजरात सेंट्रल यूनिवर्सिटी को नैक रैंकिंग में मिला 'ए' ग्रेड

सीयूजी में 16 से 18 मई के बीच हुआ था नैक टीम का निरीक्षण

सांध्य ज्योति संवाददाता

जयपुर, 13 जून। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय को नैक रैंकिंग में 'ए' ग्रेड मिला है। ज्ञातव्य है कि नैक कमेटी की 5 सदस्यीय टोप टीम 16 से 18 मई 2023 तक सेंट्रल यूनिवर्सिटी का निरीक्षण किया था। इस दौरान आंतरिक विश्लेषण के अंतर्गत विश्वविद्यालय की अत्याधुनिक लाइब्रेरी, वाई-फाई परिसर, शिक्षकों का प्रशिक्षण, ई-कंटेंट, इन्क्यूबेशन सेंटर, विभागवार प्रगति प्रतिवेदन, स्पोर्ट्स सुविधाएं, मैस, हॉस्टल और विद्यार्थियों का परफार्मेंस, शिक्षकों के शोध कार्य के अलावा प्रशासनिक कार्यालय, गोपनीय विभाग और परीक्षा विभाग की प्रोग्रेस रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय को यह ग्रेड मिली है। उल्लेखनीय है कि नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडेशन काउंसिल (राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद) द्वारा विश्वविद्यालय को अब तक की सर्वश्रेष्ठ ग्रेडिंग दी गई है। विश्वविद्यालय में हो रहे शोध कार्य पूरे देश में प्रसिद्ध है। टीम के पांच सदस्यों ने एजुकेशनल फैसिलिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, विश्वविद्यालय के आंतरिक एवं बाह्य वातावरण जैसे विभिन्न पहलुओं की जांच कर यूनिवर्सिटी को यह ग्रेडिंग प्रदान की गई है। शनिवार को नैक द्वारा परिणाम जारी किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य और नवाचारों में उत्कृष्ट कार्य कर यह ग्रेड प्राप्त की है। आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. अतनु महापात्रा ने बताया कि टीम ने सेक्टर-29 और 30 स्थित दोनों परिसरों का निरीक्षण किया था। टीम ने विश्वविद्यालय के शोध कार्यों के साथ ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में हुए



अभूतपूर्व कार्यों की भी सराहना की।

हर विभाग का किया गहनता से निरीक्षण: नैक टीम ने सभी शैक्षणिक विभागों के अलावा डिस्पेंसरी, विभिन्न क्लब, नए कोर्सेज, शिक्षक-छात्र अनुपात, नई शिक्षा नीति के अनुरूप अध्ययन एवं अध्यापन, समर्थ पोर्टल, कम्प्यूटर एवं साइंस प्रयोगशालाएं, विभिन्न फ्लैगशिप कार्यक्रम, पेटेंट्स और नए कैम्पस के निर्माण एवं उसके मास्टर प्लान संबंधी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान एग्जिट मीटिंग को संबोधित करते हुए नैक टीम के चेयरमैन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने कहा कि विश्वविद्यालय में सभी संसाधनों का बेहतर ढंग से इस्तेमाल किया जा रहा है साथ ही नई शिक्षा नीति को भी क्रियान्वित किया जा रहा है जो कि वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए एक सुखद पहल है। उन्होंने कहा कि 2009 के बाद शुरू हुए केंद्रीय विश्वविद्यालयों में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शोध क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है। इस दौरान विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. दुबे ने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सभी के समेकित प्रयासों का परिणाम है।

pr@ug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

29



# गुजरात सेंट्रल यूनिवर्सिटी को नैक रैंकिंग में मिला 'ए' ग्रेड

सीयूजी में 16 से 18 मई के बीच हुआ था नैक टीम का निरीक्षण

समाचार जगत ब्यूरो



गांधीनगर। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय को नैक रैंकिंग में 'ए' ग्रेड मिला है। ज्ञातव्य है कि नैक कमेटी की 5 सदस्यीय टीम टीम 16 से 18 मई 2023 तक सेंट्रल यूनिवर्सिटी का निरीक्षण किया था। इस दौरान आंतरिक विश्लेषण के अंतर्गत विश्वविद्यालय की अत्याधुनिक लाइब्रेरी, वाई-फाई

परिसर, शिक्षकों का प्रशिक्षण, ई-कॉन्टेंट, इन्क्यूबेशन सेंटर, विभागवार प्रगति प्रतिवेदन, स्पोर्ट्स सुविधाएं, मैस, हॉस्टल और विद्यार्थियों का परफार्मेंस, शिक्षकों के शोध कार्य के अलावा प्रशासनिक कार्यालय, गोपनीय विभाग और परीक्षा विभाग की प्रोग्रेस रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय को यह ग्रेड मिली है।

उल्लेखनीय है कि नेशनल असेसमेंट एंड एक्कीडेशन काउंसिल द्वारा विश्वविद्यालय को अब तक की सर्वश्रेष्ठ ग्रेडिंग दी गई है। विश्वविद्यालय में हो रहे शोध कार्य पूरे देश में प्रसिद्ध है। टीम के पांच सदस्यों ने एजुकेशनल फैसिलिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, विश्वविद्यालय के आंतरिक एवं बाह्य वातावरण जैसे विभिन्न पहलुओं की जांच कर यूनिवर्सिटी को यह ग्रेडिंग प्रदान की गई है। शनिवार को नैक द्वारा परिणाम जारी किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण

शोध कार्य और नवाचारों में उत्कृष्ट कार्य कर यह ग्रेड प्राप्त की है। आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. अतनु महापात्रा ने बताया कि टीम ने सेक्टर-29 और 30 स्थित दोनों परिसरों का निरीक्षण किया था।

**हर विभाग का किया गहनता से निरीक्षण:** नैक टीम ने सभी शैक्षणिक विभागों के अलावा डिस्पेंसरी, विभिन्न क्लब, नए कोर्सेज, शिक्षक-छात्र अनुपात, नई शिक्षा नीति के अनुरूप अध्ययन एवं अध्यापन, समर्थ पोर्टल, कम्प्यूटर एवं साइंस प्रयोगशालाएं, विभिन्न फ्लैगशिप कार्यक्रम, पेटेंट्स और नए

कैम्पस के निर्माण एवं उसके मास्टर प्लान संबंधी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान एग्जिट मीटिंग को संबोधित करते हुए नैक टीम के चेयरमैन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने कहा कि विश्वविद्यालय में सभी संसाधनों का बेहतर ढंग से इस्तेमाल किया जा रहा है साथ ही नई शिक्षा नीति को भी क्रियान्वित किया जा रहा है जो कि वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए एक सुखद पहल है। उन्होंने कहा कि 2009 के बाद शुरू हुए केंद्रीय विश्वविद्यालयों में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शोध क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है।

pro@cug.ac.in

जनसंपर्क अधिकारी

Public Relations Officer

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Gujarat

19

## गुजरात सेंट्रल यूनिवर्सिटी को नैक रैंकिंग में मिला 'ए' ग्रेड



### ■ संजीवनी टुडे

गांधीनगर। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय को नैक रैंकिंग में 'ए' ग्रेड मिला है। ज्ञातव्य है कि नैक कमेटी की 5 सदस्यीय टीम 16 से 18 मई 2023 तक सेंट्रल यूनिवर्सिटी का निरीक्षण किया था। इस दौरान आंतरिक विश्लेषण के अंतर्गत विश्वविद्यालय की अत्याधुनिक लाइब्रेरी, वाई-फाई परिसर, शिक्षकों का प्रशिक्षण, ई-कंटेंट, इन्क्यूबेशन सेंटर, विभागवार प्रगति प्रतिवेदन, स्पोर्ट्स सुविधाएं, मैस, हॉस्टल और विद्यार्थियों का परफार्मेंस, शिक्षकों के शोध कार्य के अलावा प्रशासनिक कार्यालय, गोपनीय विभाग और परीक्षा विभाग की प्रोग्रेस रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय को यह ग्रेड मिली है। उल्लेखनीय है कि नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडेशन काउंसिल (राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद) द्वारा विश्वविद्यालय को अब तक की सर्वश्रेष्ठ ग्रेडिंग दी गई है। विश्वविद्यालय में हो रहे शोध कार्य पूरे देश में प्रसिद्ध है। टीम के पांच सदस्यों ने एजुकेशनल फैसिलिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, विश्वविद्यालय के आंतरिक एवं बाह्य वातावरण जैसे विभिन्न पहलुओं की जांच कर यूनिवर्सिटी को यह ग्रेडिंग प्रदान की गई है। शनिवार को नैक द्वारा परिणाम जारी किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य और नवाचारों में उत्कृष्ट कार्य कर यह ग्रेड प्राप्त की है। आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. अतनु महापात्रा ने बताया कि टीम ने सेक्टर-29 और 30 स्थित दोनों परिसरों का निरीक्षण किया था। टीम ने विश्वविद्यालय के शोध कार्यों के साथ ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में हुए अभूतपूर्व कार्यों की भी सराहना की। इस दौरान एग्जिट मीटिंग को संबोधित करते हुए नैक टीम के चेयरमैन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने कहा कि विश्वविद्यालय में सभी संसाधनों का बेहतर ढंग से इस्तेमाल किया जा रहा है साथ ही नई शिक्षा नीति को भी क्रियान्वित किया जा रहा है जो कि वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए एक सुखद पहल है। उन्होंने कहा कि 2009 के बाद शुरू हुए केंद्रीय विश्वविद्यालयों में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शोध क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है।

pro@cug.ac.in  
सम्बन्धी अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

३



# गुजरात सेंट्रल यूनिवर्सिटी को नैक रैंकिंग में 'ए' ग्रेड मिला

बिजनेस रेमेडीज/गांधीनगर।

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय को नैक रैंकिंग में 'ए' ग्रेड मिला है। ज्ञातव्य है कि नैक कमेटी की 5 सदस्यीय टीम टीम 16 से 18 मई 2023 तक सेंट्रल यूनिवर्सिटी का निरीक्षण किया था। इस दौरान आंतरिक विश्लेषण के अंतर्गत विश्वविद्यालय की अत्याधुनिक लाइब्रेरी, वाई-फाई परिसर, शिक्षकों का प्रशिक्षण, ई-कंटेंट, इन्व्यूबेशन सेंटर, विभागवार प्रगति प्रतिवेदन, स्पोर्ट्स सुविधाएं, मैस, हॉस्टल और विद्यार्थियों का परफार्मेंस, शिक्षकों के शोध कार्य के

अलावा प्रशासनिक कार्यालय, गोपनीय विभाग और परीक्षा विभाग की प्रोग्रेस रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय को यह ग्रेड मिली है।

उल्लेखनीय है कि नेशनल असेसमेंट एंड एक्कीडेशन काउंसिल (राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद) द्वारा विश्वविद्यालय को अब तक की सर्वश्रेष्ठ ग्रेडिंग दी गई है। विश्वविद्यालय में हो रहे शोध कार्य पूरे देश में प्रसिद्ध है। टीम के पांच सदस्यों ने एजुकेशनल फैसिलिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, विश्वविद्यालय के आंतरिक एवं बाह्य वातावरण जैसे विभिन्न पहलुओं की जांच कर



यूनिवर्सिटी को यह ग्रेडिंग प्रदान की गई है। नैक द्वारा परिणाम जारी किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य और नवाचारों में उत्कृष्ट कार्य कर यह ग्रेड प्राप्त की है।

आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. अतनु महापात्रा ने बताया कि टीम ने सेक्टर-29 और 30

स्थित दोनों परिसरों का निरीक्षण किया था।

हर विभाग का किया गहनता से निरीक्षण : नैक टीम ने सभी शैक्षणिक विभागों के अलावा डिस्पेंसरी, विभिन्न क्लब, नए कोर्सेज, शिक्षक-छात्र अनुपात, नई शिक्षा नीति के अनुरूप अध्ययन एवं अध्यापन, समर्थ पोर्टल, कम्प्यूटर एवं साइंस प्रयोगशालाएं, विभिन्न फ्लैगशिप कार्यक्रम, पेटेंट्स और नए कैम्पस के निर्माण एवं उसके मास्टर प्लान संबंधी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान एग्जिट मीटिंग को संबोधित करते हुए नैक टीम के चेयरमैन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के

कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने कहा कि विश्वविद्यालय में सभी संसाधनों का बेहतर ढंग से इस्तेमाल किया जा रहा है साथ ही नई शिक्षा नीति को भी क्रियान्वित किया जा रहा है जो कि वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए एक सुखद पहल है। उन्होंने कहा कि 2009 के बाद शुरू हुए केंद्रीय विश्वविद्यालयों में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शोध क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है। इस दौरान विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. दूबे ने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सभी के समेकित प्रयासों का परिणाम है।

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

(H)

## CUG gets grade A from NAAC

**T**he Central University of Gujarat has received grade A in the National Assessment and Accreditation Council (NAAC) inspection by securing 3.25 CGPA. A five-member team of the NAAC committee had inspected the central univer-

sity between May 16 and 18, 2023. Vice-Chancellor of the University Prof Rama Shanker Dubey said the university has received high grades by doing excellent work in quality research and innovations.

**AM**

**AhmedabadMirror**

Tue, 13 June 2023

<https://epaper.ahmedabadmirror.com/c/72672132>



pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat



# एनसीईआरटी द्वारा पाठ्यक्रम में बदलाव उचित : प्रो. रमाशंकर दूबे

गांधीनगर, 6 जून। हाल ही में कई समाचार माध्यमों से यह दावा किया जा रहा है कि एनसीईआरटी ने विज्ञान को पाठ्य पुस्तकों से



आवर्तसारणी और चार्ल्स डार्विन के विकास के सिद्धांत को हटा दिया है, यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है अपितु भ्रामक है। हम सभी जानते हैं कि शिक्षा एक गतिशील प्रक्रिया है जो समय के साथ समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बदलती है और समृद्ध होती रहती है। स्कूली या उच्च शिक्षा के किसी भी पाठ्यक्रम को अद्यतन बनाने के लिए उसकी नियमित समीक्षा, पुनरीक्षण, पुनर्गठन और उसमें समुचित बदलाव एक सामान्य और अनिवार्य प्रक्रिया होती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में स्कूल पाठ्यक्रम के पुनर्गठन सम्बन्धी अध्याय 4.1 में यह स्पष्ट रूप से वर्णित है कि 'स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम और शैक्षणिक संरचना को विभिन्न चरणों में शिक्षार्थियों की विकास संबंधी आवश्यकताओं, उनकी आयु सीमा और हितों के अनुरूप संवेदनशील और प्रासंगिक बनाने के लिए

पुनर्गठित किया जाएगा।' राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 का यह भी मंतव्य है कि छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और उनके उम्र और बौद्धिक क्षमता के विकास के स्तर को

ध्यान में रखते हुए स्कूली पाठ्यपुस्तकों से सामग्री भार को कम किया जाए, अनुभवात्मक सीख और क्रिया-कलाप आधारित सीख को बढ़ावा दिया जाए जिससे छात्रों में जिज्ञासा और रचनात्मक मानसिकता का विकास सुनिश्चित हो सके।

इसी पृष्ठभूमि में एनसीईआरटी ने सभी स्कूली कक्षाओं में पाठ्यपुस्तकों को युक्तिसंगत बनाने हेतु पाठ्यांशों के पुनर्गठन के लिए सार्थक पहल की है। अतः आवर्त सारणी को 11वीं कक्षा में अधिक आयु उपयुक्त मानकर उसे विस्तार से पढ़ाया जाना सर्वथा युक्तिसंगत है। एक ही विषय-वस्तु को लगभग समान सामग्री के साथ 10 वीं और 11वीं दोनों कक्षाओं में पढ़ाने से अनावश्यक रूप से पुनरावृत्ति हो रही थी, जिसे वर्तमान में ठीक किया गया है। इससे कक्षा 10 में पाठ्यक्रम के सामग्री भार में भी कमी आएगी जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के अनुरूप है।

pro@cug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी  
Public Relations Officer  
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

# एनसीईआरटी द्वारा पाठ्यक्रम में बदलाव उचित

मरुधर बुलेटिन

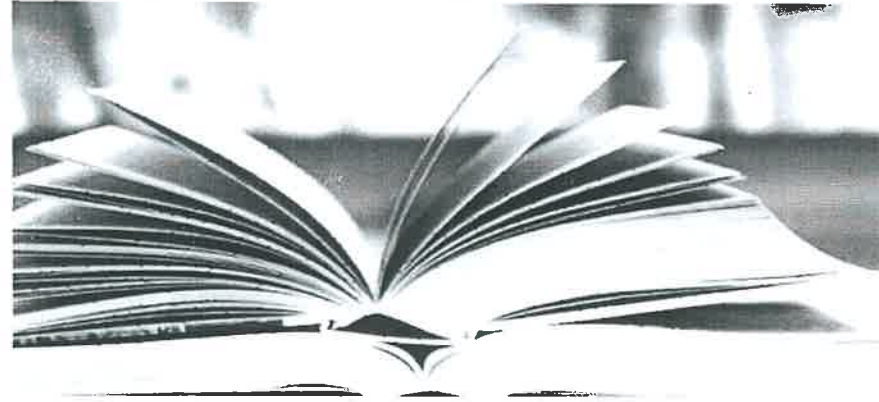
गांधीनगर। हाल ही में कई समाचार माध्यमों से यह दावा किया जा रहा है कि एनसीईआरटी ने विज्ञान की पाठ्य पुस्तकों से आवर्तसारणी और चार्ल्स डार्विन के विकास के सिद्धांत को हटा दिया है, यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है



प्रो. रमाशंकर  
दुबे, कुलपति,  
गुजरात केन्द्रीय  
विश्वविद्यालय,  
गांधीनगर

अपितु भ्रामक है। हम सभी जानते हैं कि शिक्षा एक गतिशील प्रक्रिया है जो समय के साथ समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बदलती है और समृद्ध होती रहती है। स्कूली या उच्च शिक्षा के किसी भी पाठ्यक्रम को अद्यतन बनाने के लिए उसकी नियमित समीक्षा, पुनरीक्षण, पुनर्गठन और उसमें समुचित बदलाव एक सामान्य और अनिवार्य प्रक्रिया होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में स्कूल पाठ्यक्रम के पुनर्गठन सम्बन्धी अध्याय 4.1 में यह स्पष्ट रूप से वर्णित है कि 'स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम और शैक्षणिक संरचना को विभिन्न चरणों में शिक्षार्थियों की विकास संबंधी आवश्यकताओं, उनकी आयु सीमा और हितों के अनुरूप संवेदनशील और प्रासंगिक बनाने के लिए पुनर्गठित किया जाएगा।'

राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 का यह भी मंतव्य है कि छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और उनके उम्र और बौद्धिक क्षमता के विकास के स्तर को ध्यान में रखते हुए स्कूली पाठ्यपुस्तकों से सामग्री को कम किया जाए, अनुभवात्मक सीख और क्रिया-कलाप आधारित सीख को बढ़ावा दिया जाए जिससे छात्रों में जिज्ञासा और रचनात्मक मानसिकता का विकास सुनिश्चित हो सके। इसी पृष्ठभूमि



में एनसीईआरटी ने सभी स्कूली कक्षाओं में पाठ्यपुस्तकों को युक्तिसंगत बनाने हेतु पाठ्यांशों के पुनर्गठन के लिए सार्थक पहल की है।

जहां तक एनसीईआरटी के विज्ञान की पुस्तकों में रसायन विज्ञान सम्बन्धी आवर्त सारणी के पढ़ाये जाने का प्रश्न है, यह 11वीं कक्षा में बहुत विस्तार से पढ़ाया जा रहा है। जबकि 10वीं कक्षा में छात्रों को रासायनिक पदार्थों की प्रकृति, व्यवहार, रासायनिक अभिक्रियाओं, अम्ल, क्षार और लवण, धातु और अधातुओं के गुण, बुनियादी धातुकर्म प्रक्रियाओं तथा कार्बन के यौगिकों को विस्तृत रूप से पढ़ाया जा रहा है, जिसमें नित उपयोग में आने वाले रसायनों के उदाहरण के साथ-साथ क्रिया-कलाप आधारित सीख को बढ़ावा देने की प्राथमिकता है। रसायनों के गुण, धर्म और उनकी अभिक्रियाओं को समझने के बाद ही आवर्त सारणी में उनके स्थान और उनके परस्पर संबंधों के बारे में पढ़ना और समझना उचित और श्रेयस्कर होता है। अतः आवर्त सारणी को 11वीं कक्षा में अधिक आयु उपयुक्त मानकर उसे विस्तार से पढ़ाया जाना सर्वथा युक्ति संगत है। एक ही विषय-वस्तु को लगभग समान सामग्री के साथ 10 वीं और 11वीं दोनों कक्षाओं में पढ़ाने से अनावश्यक

रूप से पुनरावृत्ति हो रही थी, जिसे वर्तमान में ठीक किया गया है। इससे कक्षा 10 में पाठ्यक्रम के सामग्री भार में भी कमी आएगी जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के अनुरूप है।

इसी प्रकार यह भ्रांति फैलाई जा रही है कि चार्ल्स डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत को एनसीईआरटी के पाठ्यपुस्तकों से हटा दिया गया है लेकिन वास्तविकता यह है कि 12 वीं कक्षा की जीव विज्ञान की पुस्तक में 17 पृष्ठों का एक पूरा अध्याय 7, 'विकास' को समर्पित है जिसमें डार्विन के 'शाखा वंश' और 'प्राकृतिक चयन' के सिद्धांतों के अतिरिक्त विकास के 'बिग बैंग सिद्धांत' समेत विभिन्न सिद्धांतों का विस्तार से वर्णन है। विकास के सिद्धांत पर यह विस्तृत अध्याय 12 वीं कक्षा में पहले से ही पढ़ाया जा रहा है जो अब भी है। इसीलिये सामग्री भार कम करने के उद्देश्य से तथा सामग्री के पुनरावृत्ति से बचाव हेतु कक्षा 10 में 'आनुवंशिकता और विकास' के अध्याय की जगह 'आनुवंशिकता' का अध्याय कर दिया गया है, जो सर्वथा उचित है। इससे अनावश्यक रूप से लगभग एक ही पाठ्यसामग्री को दो कक्षाओं में छात्रों को नहीं पढ़ना पड़ेगा।

ज्ञातव्य हो कि एनसीईआरटी ने

पाठ्यक्रमों को और अधिक जानकारीपूर्ण बनाने, छात्रों के लिए सीखने के अनुभव को अनुकूल करने, तथा सामग्री-भार को कम करने के उद्देश्य से ही पुराने पाठ्यक्रम के कई हिस्सों को कम किया है। किसी विशेष विषय में हटाए गए पाठ्यपुस्तकों के अंशों का निर्णय विशेषज्ञ समिति करती है जिसमें देश के विभिन्न भाग से भाग लेने वाले विषय-विशेषज्ञ होते हैं जो सामग्री भार के युक्तिकरण के लिए विशिष्ट मानदंड विकसित करने के पश्चात् ही निर्णय लेते हैं। वर्तमान सन्दर्भ में किसी भी कक्षा सम्बन्धी पाठ्य पुस्तकों के अंश को हटाने के पहले, अभ्यास करने वाले शिक्षकों सहित विभिन्न हितधारकों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर एक सुविचारित राय सामने आई कि बच्चों को विभिन्न चरणों में समान अवधारणाओं का अध्ययन न करा कर, उनके उम्र के हिसाब से विषय-वस्तु के कठिनाई-स्तर को ध्यान में रखते हुए उचित स्तर पर ही अध्ययन कराया जाय। यह निर्विवाद है कि हम हमेशा स्कूली बच्चों के 'बस्ते के बोझ' को कम करने की बात तो तुरंत हो-हल्ला करने लगते हैं।

यहां यह स्पष्ट है एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों से आवर्त सारणी, चार्ल्स डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत या पूर्व में स्थित किसी अन्य पाठ्य सामग्री को निकाला नहीं गया है बल्कि युक्तिपूर्ण ढंग से उन्हें विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यपुस्तकों में छात्रों के उम्र के हिसाब से तथा विषय-वस्तु के कठिनाई-स्तर को ध्यान में देखते हुए और पुनरावृत्ति को रोकने के लिए, उचित स्थान देकर व्यवस्थित किया गया है। अतः ये दावे पूरी तरह भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं कि आवर्त सारणी और चार्ल्स डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत को एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों से हटा दिया गया है।



# एनसीईआरटी द्वारा पाठ्यक्रम में बदलाव उचित

हमारा समाचार  
hamarasamachar.com

गांधीनगर। हाल ही में कई समाचार माध्यमों से यह दावा किया जा रहा है कि एनसीईआरटी ने विज्ञान की पाठ्य पुस्तकों से आवर्तसारणी और चार्ल्स डार्विन के विकास के सिद्धांत को हटा दिया है, यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है अपितु भ्रामक है। हम सभी जानते हैं कि शिक्षा एक गतिशील प्रक्रिया है जो समय के साथ समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बदलती है और समृद्ध होती रहती है। स्कूली या उच्च शिक्षा के किसी भी पाठ्यक्रम को अद्यतन बनाने के लिए उसकी नियमित समीक्षा, पुनरीक्षण, पुनर्गठन और उसमें समुचित बदलाव एक सामान्य और अनिवार्य प्रक्रिया होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में स्कूल पाठ्यक्रम के पुनर्गठन सम्बन्धी अध्याय 4.1 में यह स्पष्ट रूप से वर्णित है कि 'स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम और शैक्षणिक संरचना को विभिन्न चरणों में शिक्षार्थियों की विकास संबंधी आवश्यकताओं, उनकी आयु सीमा और हितों के अनुरूप संवेदनशील और प्रासंगिक बनाने के लिए पुनर्गठित किया जाएगा।'

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का यह भी मतव्य है कि छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और उनके उम्र और बौद्धिक क्षमता के विकास के

स्तर को ध्यान में रखते हुए स्कूली पाठ्यपुस्तकों से सामग्री भार को कम किया जाए, अनुभवात्मक सीख और क्रिया-कलाप आधारित सीख को बढ़ावा दिया जाए जिससे छात्रों में जिज्ञासा और रचनात्मक मानसिकता का विकास सुनिश्चित हो सके। इसी पृष्ठभूमि में एनसीईआरटी ने सभी स्कूली कक्षाओं में पाठ्यपुस्तकों को युक्तिसंगत बनाने हेतु पाठ्यांशों के पुनर्गठन के लिए सार्थक पहल की है।



प्रो. रमाशंकर दूबे  
कुलपति, गुजरात केंद्रीय  
विश्वविद्यालय, गांधीनगर

जहां तक एनसीईआरटी के विज्ञान की पुस्तकों में रसायन विज्ञान सम्बन्धी आवर्त सारणी के पढ़ाये जाने का प्रश्न है, यह 11वीं कक्षा में बहुत विस्तार से पढ़ाया जा रहा है। जबकि 10वीं कक्षा में छात्रों को रासायनिक पदार्थों की प्रकृति, व्यवहार, रासायनिक अभिक्रियाओं, अम्ल, क्षार और लवण, धातु और अधातुओं के गुण, वृत्तियाँ धातुकर्म प्रक्रियाओं तथा कार्बन के यौगिकों को विस्तृत रूप से पढ़ाया जा रहा है,

जिसमें नित उपयोग में आने वाले रसायनों के उदाहरण के साथ-साथ क्रिया-कलाप आधारित सीख को बढ़ावा देने की प्राथमिकता है।

रसायनों के गुण, धर्म और उनकी अभिक्रियाओं को समझने के बाद ही आवर्त सारणी में उनके स्थान और उनके परस्पर संबंधों के बारे में पढ़ना और समझना उचित और श्रेयस्कर होता है। अतः आवर्त सारणी को 11वीं कक्षा में अधिक आयु उपयुक्त मानकर उसे विस्तार से पढ़ाया जाना सर्वथा युक्ति संगत है। एक ही विषय-वस्तु को लगभग

समान सामग्री के साथ 10 वीं और 11वीं दोनों कक्षाओं में पढ़ाने से अनावश्यक रूप से पुनरावृत्ति हो रही थी, जिसे वर्तमान में ठीक किया गया है। इससे कक्षा 10 में पाठ्यक्रम के सामग्री भार में भी कमी आएगी जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप है।

इसी प्रकार यह भ्रांति फैलाई जा रही है कि चार्ल्स डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत को

एनसीईआरटी के पाठ्यपुस्तकों से हटा दिया गया है लेकिन वास्तविकता यह है कि 12 वीं कक्षा की जीव विज्ञान की पुस्तक में 17 पृष्ठों का एक पूरा अध्याय 7, 'विकास' को समर्पित है जिसमें डार्विन के 'शाखा वंश' और 'प्राकृतिक चयन' के सिद्धांतों के अतिरिक्त विकास के 'बिग बैंग सिद्धांत' समेत विभिन्न सिद्धांतों का विस्तार से वर्णन है। विकास के सिद्धांत पर यह विस्तृत अध्याय 12 वीं कक्षा में पहले से ही पढ़ाया जा रहा है जो अब भी है। इसीलिये सामग्री भार कम करने के उद्देश्य से तथा सामग्री के पुनरावृत्ति से बचाव हेतु कक्षा 10 में 'आनुवंशिकता और विकास' के अध्याय की जगह 'आनुवंशिकता' का अध्याय कर दिया गया है, जो सर्वथा उचित है। इससे अनावश्यक रूप से लगभग एक ही पाठ्यसामग्री को दो कक्षाओं में छात्रों को नहीं पढ़ना पड़ेगा।

ज्ञातव्य हो कि एनसीईआरटी ने पाठ्यक्रमों को और अधिक जानकारीपूर्ण बनाने, छात्रों के लिए सीखने के अनुभव को अनुकूल करने, तथा सामग्री-भार को कम करने के उद्देश्य से ही पुराने पाठ्यक्रम के कई हिस्सों को कम किया है। किसी विशेष विषय में हटाए गए पाठ्यपुस्तकों के अंशों का निर्णय विशेषज्ञ समिति करती है जिसमें देश के विभिन्न भाग से भाग लेने वाले विषय-विशेषज्ञ होते हैं जो सामग्री भार के युक्तिकरण के लिए विशिष्ट

मानदंड विकसित करने के पश्चात् ही निर्णय लेते हैं। वर्तमान सन्दर्भ में किसी भी कक्षा सम्बन्धी पाठ्य पुस्तकों के अंश को हटाने के पहले, अभ्यास करने वाले शिक्षकों सहित विभिन्न हितधारकों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर एक सुविचारित राय सामने आई कि बच्चों को विभिन्न चरणों में समान अवधारणाओं का अध्ययन न करा कर, उनके उम्र के हिसाब से विषय-वस्तु के कठिनाई-स्तर को ध्यान में रखते हुए उचित स्तर पर ही अध्ययन कराया जाय। यह निर्विवाद है कि हम हमेशा स्कूली बच्चों के 'बस्ते के बोझ' को कम करने की बात तो तुरंत हो-हल्ला करने लगते हैं।

यहां यह स्पष्ट है एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों से आवर्त सारणी, चार्ल्स डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत या पूर्व में स्थित किसी अन्य पाठ्य सामग्री को निकाला नहीं गया है बल्कि युक्तिपूर्ण ढंग से उन्हें विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यपुस्तकों में छात्रों के उम्र के हिसाब से तथा विषय-वस्तु के कठिनाई-स्तर को ध्यान में देखते हुए और पुनरावृत्ति को रोकने के लिए, उचित स्थान देकर व्यवस्थित किया गया है। अतः ये दावे पूरी तरह भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं कि आवर्त सारणी और चार्ल्स डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत को एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों से हटा दिया गया है।

# बिज्ञानेस रेमेडीज

दैनिक

व्यापार एवं विकास की आवाज



स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. रेवती श्रौतियागर ने कहा कि नए स्कूल का शुभारंभ हमारे प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के हमारे दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम है। हम एक ऐसा जोड़क कलाचरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो महारथी, अनुभववाचक और अवधारणा-आधारित शिक्षा देना है, ताकि हमारे विद्यार्थी जित-जित रंग

ध्यान रखा जाता है। मिथ्यानिग स्कूल का उद्देश्य शैक्षणिक रूप से उत्कृष्टता देना ही नहीं बल्कि जीवन भर के लिए पोषण करना है ताकि हमारे बच्चे कलात्मक रूप से आगे भी जीवन के सफल हस्तगत कर सकें। गौतम मिथ्यानिग मल्लिक स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप मोड़ने का आनंदमय कलाचरण प्रदान करने के साथ-साथ बच्चों के समग्र विकास पर जोर देने है।

फाइनेशियल सर्विसेज इन्वेस्टमेंट (विनीय मेरा निवेश) में से एक है।

परराष्ट्र सरकार के उद्योग मंत्रि (इंडस्ट्री मंत्रि) हार्दिक कावने और बजाज फिनसर्व के मुख्य विनीय अधिकारी एस श्रीनिवासन ने परराष्ट्र के उपमंत्रिमंत्री देवेद फटुणवीस और बजाज फिनसर्व के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मजीय बजाज को

स्वागत करते हैं। हमें बजाज ग्रुप के महाराष्ट्र के साथ जुड़ने पर गर्व है और हम इस परियोजना के विकास के लिए सभी जरूरी सहयोग प्रदान करेंगे। बजाज फिनसर्व के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मजीय बजाज ने कहा कि हमारा मानना है कि विकास कभी भी पर्यावरण को कोमत पर नहीं आना चाहिए। इस प्रकार, हमारे धर्म फोकस के

वैश्विक मानकों को पूरा करता है। हम अपने ग्रुप की लगातार सपोर्ट करने के लिए परराष्ट्र सरकार को धन्यवाद देते हैं। पूर्ण बजाज फिनसर्व की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और आगे भी रहेगा। बजाज फिनसर्व के ग्रुप की योजना पूर्ण में एक प्रतिष्ठित लैडमार्क के रूप में बनाई गई है और इसमें बजाज फिनसर्व के विश्व मूवीय वर्कस्पेस यानों कार्यक्षेत्र होगा।

pro@cgug.ac.in  
जनसंपर्क अधिकारी

Public Relations Officer  
राज्य विश्वविद्यालय  
Central University of Gujarat

## एनसीईआरटी द्वारा पाठ्यक्रम में बदलाव उचित : प्रो. रमाशंकर दूबे

बिज्ञानेस रेमेडीज/गोधनगर।

हाल ही में कई समाचार माध्यमों में यह दावा किया जा रहा है कि एनसीईआरटी ने विज्ञान की पाठ्य पुस्तकों में आवश्यकताओं और चालंग डीजिन के विकास के मिशन को धरा दिया है, यह तथ्यात्मक रूप से गलत नहीं है। अर्थात् धारक है। हम सभी जानते हैं कि शिक्षा एक गतिशील प्रक्रिया है जो समय के साथ समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बदलती है और समुद्र होती रहती है। स्कूलों या अन्य शिक्षा के केंद्रों भी पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं के साथ-साथ बदलती रहती हैं। पुनरीक्षण, पुनरीक्षण और अन्य समीक्षा के माध्यम से, समाज

और अनिवार्य प्रक्रिया होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के स्कूल पाठ्यक्रम के पुनर्गठन के अन्तर्गत अध्याय 3.1 में यह स्पष्ट रूप से वर्णित है कि 'स्कूलों शिक्षा के पाठ्यक्रम और शैक्षणिक संरचना को विभिन्न चरणों में शिक्षार्थियों की विकास संबंधी आवश्यकताओं, उनकी आयु सीमा और हितों के अनुरूप संयोजन और सामूहिक चयन के लिए पुनर्गठित किया जाएगा।'

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 का यह भी मतलब है कि छात्रों के पारंपरिक स्थापित और उनके और चैलेंजिंग समय के विकास के स्तर को ध्यान में रखते हुए स्कूलों पाठ्यक्रम को समायोजित करने की जरूरत है।



प्रो. रमाशंकर दूबे, कुलपति, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गोधनगर

जाए, अनुभववाचक योग्य और क्रिया-कलाप आधारित योग्य को बढ़ावा दिया जाए जिसमें छात्रों की जिज्ञासा और अनुभववाचक मानसिकता का विकास सुनिश्चित हो सके। इसी प्रक्रिया में एनसीईआरटी ने सभी स्कूलों के शिक्षार्थियों के विकास के लिए समायोजित करने की जरूरत है।

पहल की है। जब तक एनसीईआरटी के विज्ञान की पुस्तकों में समायोजित विज्ञान संस्कृति आवर्त मार्गों के पढ़ाये जाने का प्रयत्न है, यह 11वीं कक्षा में बहुत विस्तार में पढ़ाया जा रहा है। जबकि 10वीं कक्षा में छात्रों की सामान्यतः पढ़ाई की प्रकृति व्यवहार, सामान्यतः अभिक्रियाओं, अम्ल, क्षार और लवण, भूत और अभूतों के गुण, बर्निशरी धातुओं प्रक्रियाओं तथा कार्बन के यौगिकों का विस्तृत रूप से पढ़ाया जा रहा है, जिसमें जित उपयोग में आने वाले समायोजित के उदाहरण के साथ-साथ क्रिया-कलाप आधारित योग्य को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति है। समायोजित

गुण, धर्म और उनकी अभिक्रियाओं को समझने के बाद ही आवर्त मार्गों में उनके स्थान और उनके परस्पर संबंधों के बारे में चर्चा और समझना उचित और श्रेयस्कर होता है। अतः आवर्त मार्गों की 11वीं कक्षा में अधिक आयु उपयुक्त मानकर इसे विस्तार में पढ़ाया जाना संवक्ष युक्तिसंगत है। एक ही विषय-वस्तु को लगभग समान सामग्री के साथ 10 वीं और 11वीं दोनों कक्षाओं में पढ़ाने में अनावश्यक रूप से पुनरावृत्ति रही थी, जिसमें वर्तमान में टैंक किया गया है। इसमें कक्षा 10 में पाठ्यक्रम के समायोजित भाग में भी कम आयु की राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुरूप है।